RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 89
फरीदाबाद, बुधवार, 05 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

रोजाना एक्सरसाइज और जिम करने वाले गर्मी में ध्यान रखें ये 5 बातें

पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	48,253	465
निफ्टी	14,496	137
सोना	47,161	158 /10 gm
चांदी	70,763	137/ kg

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 39.00°C
न्यूनतम 26.08°C

क्विक न्यूज

ट्विटर ने कंगना का अकाउंट स्थाई रूप से बंद किया

मुंबई। ट्विटर ने नफरती आचरण एवं अपमानजनक व्यवहार नीति का उल्लंघन करने पर अभिनेत्री कंगना रनौत का अकाउंट स्थाई रूप से बंद कर दिया। ट्विटर ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। चौंतीस वर्षीय अभिनेत्री के अकाउंट एट कंगना टीम पर अब अकाउंट सस्पेंडेड (अकाउंट निलंबित) का संदेश लिखा आ रहा है। ट्विटर के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा रनौत का अकाउंट बार-बार नियमों का उल्लंघन करने के लिए स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है।

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग चमोली में बारिश से तबाही

चमोली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिले में भारी बारिश से तबाही के बाद मंगलवार शाम को चमोली जिले में भी बारिश ने कहर बरपाया है। चमोली जिले के घाट ब्लॉक में मंगलवार शाम को अचानक तेज बारिश की वजह से लक्ष्मी मार्केट में तबाही मच गई। घरों, मकानों, दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। भारी बारिश की वजह से चारों ओर मलबा ही मलबा बिखरा पड़ा है। बाजार और सड़कें दलदल में तब्दील हो गई हैं। घाट के कई गांवों में शाम से बारिश जारी है, जिसकी वजह से राहत व बचाव कार्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक जानमाल के नुकसान का कोई आकलन नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट ने याहू को खरीदने का ऑफर दिया

नई दिल्ली। याहू कभी दुनिया का नंबर वन सर्च इंजन था, लेकिन गूगल ने धीरे-धीरे इसकी बादशाहत पूरी तरह खत्म कर दी। अब माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने याहू इंक को खरीदने के लिए 44.6 बिलियन डॉलर (करीब 3.3 लाख करोड़ रुपए) का ऑफर दिया है। इस डील की दम पर दोनों कंपनियां गूगल के लिए चुनौती खड़ी कर सकती हैं। याहू ने कहा कि उसका बोर्ड इस ऑफर पर विचार कर रहा है। 70 करोड़ यूजर बेस वाली याहू के शेयर की कीमत इस समय लगभग 48 फीसद बढ़कर 28.33 डॉलर (करीब 2090 रुपये) हो गई है। ये पहली बार नहीं है कि जब माइक्रोसॉफ्ट ने याहू को खरीदने की पेशकश की हो। 2008 से कंपनी लगातार इसके लिए कोशिश कर रही है।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

आज का राशिफल 05 मई

>> पढ़ें पेज-10

आईपीएल 2021 पर कोरोना की मार

बीसीसीआई ने लिया बड़ा फैसला, स्थगित किए सभी बचे मैच

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, देश में कोरोना महामारी के कारण बनी भयावह स्थिति को देखते हुए आईपीएल 2021 को स्थगित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने जानकारी दी कि इस सत्र के लिए आईपीएल को सस्पेंड कर दिया गया है। इस स्थिति में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम देखेंगे कि क्या इस साल आईपीएल आयोजन के लिए कोई उपयुक्त समय मिल सकता है। यह सितंबर हो सकता है लेकिन अभी यह केवल कयास होंगे। अभी की स्थिति यह है कि हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर रहे हैं। लीग के चेयरमैन बृजेश पटेल ने कहा, टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिये निलंबित कर दिया गया है। हम अगले उपलब्ध समय में इस प्रतियोगिता का आयोजन करने की कोशिश करेंगे लेकिन इस महीने ऐसी संभावना नहीं है। लीग के आयोजकों ने औपचारिक बयान भी जारी किया और कहा कि उसके खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है। आईपीएल ने कहा कि यह मुश्किल समय है विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए।

खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सर्वोपरि है

खिलाड़ियों के हित में लिया फैसला

बयान में कहा गया है, इंडियन प्रीमियर लीग संचालन परिषद (आईपीएल जीसी) और बीसीसीआई ने एक आपात बैठक में आईपीएल 2021 को तुरंत प्रभाव से अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का सर्वसम्मत फैसला किया। इसमें कहा गया है, बीसीसीआई खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और आईपीएल के आयोजन में शामिल अन्य भागीदारों की सुरक्षा से समझौता नहीं करना चाहता। यह फैसला सभी हितधारकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया। आईपीएल ने इसके साथ ही कहा कि बीसीसीआई आईपीएल खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी तरफ से हर तरह के प्रयास करेगा। आईपीएल में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

बता दें, जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड-19 के कई मामले पाए गए, जिसके बाद आईपीएल को मंगलवार (4 मई) को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया। कई टीम के खिलाड़ियों और सदस्यों के लगातार कोरोना पॉजिटिव निकलने के बाद बीसीसीआई ने ये बड़ा फैसला लिया है।

पत्नी की शिकायत पर सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट निलंबित करने के आदेश रोके

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति के पासपोर्ट निलंबन पर रोक लगा दी है, जिसके खिलाफ उससे अलग रह रही पत्नी की शिकायत पर कार्रवाई की गई थी। साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि उन्हें आवेदन के बाद पासपोर्ट जारी किया जाए। अदालत ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें पासपोर्ट जारी नहीं किया जाता है, जो वैध नहीं है तो अमेरिका के टेक्सास, ह्यूस्टन में वाणिज्य दूतावास के संबंधित अधिकारी और भारत में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम.सिंह हैरान थीं कि वैवाहिक विवाद के चलते पत्नी की शिकायत के आधार पर उनका पासपोर्ट निलंबित कर दिया गया और उनका पक्ष नहीं सुना गया।

आंध्र प्रदेश में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन, मौजूदा वायरस से 15 गुना ज्यादा खतरनाक

सावधान! तीन-चार दिन में फेफड़ों को कर रहा डैमेज

एजेंसी। नई दिल्ली

एपी स्ट्रेन अच्छी इम्युनिटी वाले लोगों को भी चपेट में ले रहा

इस वायरस की चेन नहीं तोड़ी तो देश के हालात भयावह होंगे

कोरोना की दूसरी लहर के बीच आंध्र प्रदेश से परेशानी बढ़ाने वाली खबर है। यहां वायरस का नया स्ट्रेन मिला है। इसे एपी स्ट्रेन और एन440के नाम दिया गया है। सेंटर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (सीसीएमबी) के वैज्ञानिकों का दावा है कि भारत में मौजूदा स्ट्रेन के मुकाबले नया वैरिएंट 15 गुना ज्यादा खतरनाक है। हैदराबाद स्थित सीसीएमबी काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च के तहत काम करता है। इससे संक्रमित होने वाले मरीज 3-4 दिनों में हाइपोक्सिया या डिस्पनिया के शिकार हो जाते हैं। इस स्थिति में सांस मरीज के फेफड़े तक पहुंचना बंद हो जाता है। सही समय पर इलाज और ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं मिलने पर मरीज की मौत हो जाती है। भारत में इन दिनों इसी के चलते ज्यादातर मरीजों की मौत हो रही है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह वायरस आंध्र प्रदेश की राजधानी विशाखापट्टनम समेत दूसरे हिस्सों में फैल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सबसे पहले इस स्ट्रेन की पहचान आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुई थी। ये आम लोगों के बीच काफी तेजी से फैला है। सबसे चिंता की बात ये है कि यह वैरिएंट अच्छी इम्युनिटी वाले लोगों को भी चपेट में ले रहा है। इस स्ट्रेन के कारण लोगों के शरीर में साइटोकाइन स्टॉर्म की समस्या आती है।

विशाखापट्टनम के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर वी विनय चंद ने बताया कि हम अब भी नए स्ट्रेन के बारे में पता लगा रहे हैं। इसके सैंपल एनालिसिस के लिए सीसीएमबी भेजे गए हैं। एक बात तय है कि पिछले साल आई पहली लहर के दौरान हमने जो वैरिएंट देखा था, यह उससे काफी अलग है।

वायरस की बढ़ी हुई ताकत की पुष्टि करते हुए डिस्ट्रिक्ट कोविड स्पेशल ऑफिसर और आंध्र मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पीवी सुधाकर ने कहा कि हमने देखा है कि नए वैरिएंट का इंक्यूबेशन पीरियड बहुत कम और संक्रमण की रफ्तार बहुत ज्यादा है। पहले वायरस से संक्रमित मरीज को हाइपोक्सिया या डिस्पनिया स्टेज तक पहुंचने में कम से कम एक सप्ताह लगता था। अब मरीज तीन या चार दिनों में ही गंभीर स्थिति में पहुंच रहे हैं। इसीलिए, ऑक्सीजन, बेड या आईसीयू बेड की जरूरत बहुत बढ़ गई है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये स्ट्रेन युवाओं और बच्चों पर तेजी से फैल रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर समय रहते इसकी चेन को तोड़ा नहीं गया तो कोरोना की ये दूसरी लहर और भी ज्यादा भयावह हो सकती है, क्योंकि ये मौजूदा स्ट्रेन बी.1617 और बी.117 से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

केंद्र को फिर फटकार, आप अंधे हो सकते हैं, हम नहीं : हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने ऑक्सीजन आपूर्ति को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई है और कहा है कि हर हाल में मंगलवार से ही 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई की जाए। कोर्ट ने केंद्र से यह भी पूछा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति पर आदेश की तामील नहीं कर पाने के लिए उसके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए? हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है, अब हम भी कह रहे हैं केंद्र जैसे भी हो हर दिन दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति करें। सुप्रीम कोर्ट के 30 अप्रैल के आदेश से साफ है कि उसने केंद्र को दिल्ली को 700 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मुहैया कराने का निर्देश दिया है, न कि महज 490 मीट्रिक टन। कोविड-19 मरीजों के उपचार में ऑक्सीजन की कमी पर कोर्ट ने केंद्र से कहा, आप शुतुरमुर्ग की तरह रेत में सिर छिपा सकते हैं, हम ऐसा नहीं करेंगे। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस दलील को खारिज कर दिया कि मौजदा चिकित्सकीय ढांचे के आलोक में दिल्ली 700 मीट्रिक टन चिकित्सकीय ऑक्सीजन की हकदार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हम हर दिन इस खौफनाक हकीकत को देख रहे हैं कि लोगों को अस्पतालों में ऑक्सीजन या आईसीयू बेड नहीं मिल रहे, कम गैस आपूर्ति के कारण बेड की संख्या घटा दी गई है। केंद्र से कहा कि लगता है कि आप नहीं देख पा रहे हैं, आप अंधे हो सकते हैं, हमें दिख रहा है, हम अपनी आंख बंद नहीं कर सकते।

हैदराबाद के चिड़ियाघर में आठ शेर हुए संक्रमित

हैदराबाद के नेहरू जूलोजिकल पार्क में 8 एशियाई शेर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। संक्रमित शेर को आइसोलेट कर दिया गया है। इन सभी शेरों में कोरोना के लक्षण पाए जाने के बावजूद इनका व्यवहार फिलहाल सामान्य है। वहीं इस मामले पर पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि सभी संक्रमित शेर सामान्य रूप से खाना भी खा रहे हैं और इन सभी का उपचार शुरू कर दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इनके संपर्क में आने वाले कर्मचारियों की जांच की जा रही है, हालांकि जानवर से लोगों में कोरोना फैलने का अब तक एक भी मामला सामने नहीं आया है।

बंगाल हिंसा : पीएम ने खून-खराबे पर जताई चिंता

स्वतंत्र भारत में ऐसा कभी नहीं देखा : नड्डा

हिंसा में अब तक 11 लोगों की मौत की खबर

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद राजनीतिक हिंसाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के साथ ही हिंसा भड़क गई। खून खराबा जारी है। इसमें कथित तौर पर झड़प और दुकानों को लूटे जाने के दौरान कई भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हो गई, तो कई घायल हो गए। वहीं, बंगाल में चुनाव बाद हिंसा का यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इसे लेकर भाजपा नेता और वरिष्ठ वकील गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। गौरव भाटिया ने बंगाल हिंसा की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को मिली भारी जीत के बाद अब भाजपा और सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। अब तक छह जिलों से हिंसा की खबरें आई हैं और दो दिन में करीब 11 लोगों के मारे जाने की खबर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यपाल जगदीप धनखड़ को फोन करके कानून और व्यवस्था कि स्थिति पर चिंता और दुख व्यक्त किया। राज्यपाल ने मंगलवार दोपहर को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर बात कर बंगाल में जारी हिंसा को लेकर चिंता व्यक्ति की है। उधर, बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव के परिणाम आने के बाद जो घटनाएं हमने देखीं वो झटका देने वाली हैं और हम इसे लेकर चिंतित हैं। मैंने भारत के विभाजन के दौरान ऐसी घटनाओं के बारे में सुना था। हमने स्वतंत्र भारत में एक चुनाव के परिणाम के बाद ऐसी असहिष्णुता पहले कभी नहीं देखी। जेपी नड्डा ने कहा कि हम इस विचार धारा की लड़ाई और असहिष्णुता से भरी तृणमूल कांग्रेस की गतिविधियों से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भाजपा अध्यक्ष ने तृणमूल कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने के लिए तैयार हैं। मैं अब दक्षिण 24 परगना जाऊंगा और उन कार्यकर्ताओं के घर जाऊंगा जिनकी जान परिणाम आने के कुछ घंटों के भीतर चली गई थी।

कोरोना मरीजों से अभद्रता पर सोनीपत डीएमओ निलंबित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कोरोना मरीजों के परिजनों से अभद्रता के आरोप में सोनीपत के डीएमओ को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार सोनीपत के खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह मेडिकल कॉलेज में बतौर डीएमओ तैनात डॉ. कपिल देव के खिलाफ विभाग को शिकायत मिली थी कि उनके द्वारा न केवल कोरोना मरीजों बल्कि उनके परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। करीब मरीजों के परिजनों द्वारा इस संबंध में उच्च अधिकारियों को शिकायत की गई थी। जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए बीपीएस कालेज के निदेशक ने डाक्टर कपिल देव को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

कोविड-19 : अपर्याप्त आधारभूत संरचना है ज्यादा मौतों की वजह : विशेषज्ञ

एजेंसी। नई दिल्ली

विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस का ज्यादा खतरनाक स्वरूप, गंभीर रूप से बीमार संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए अपर्याप्त आधारभूत संरचना और आवश्यक दवाओं की जमाखोरी आदि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महामारी की दूसरी लहर से हो रही ज्यादा मौतों की वजह हैं।

गौरतलब है कि मंगलवार को राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण से रिकॉर्ड 448 लोगों की मौत हुई है। उनका यह भी कहना है कि संक्रमण से मरने वालों की संख्या इससे भी कहीं ज्यादा हो सकती है क्योंकि कई मरीज बिस्तर नहीं मिलने के कारण अस्पतालों के बाहर दम तोड़ रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल में कम्युनिटी मेडिसिन के प्रमुख डॉक्टर जुगल किशोर ने बताया कि गंभीर और नाजुक स्थिति वाले मरीजों के इलाज के लिए अपर्याप्त आधारभूत संरचना के कारण ज्यादा लोगों की मौत हो रही है।

भारत-ब्रिटेन में रणनीतिक साझेदारी को रोडमैप 2030 बना

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के बीच मंगलवार को हुए शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी की ओर ले जाने के लिए महत्वाकांक्षी रोडमैप 2030 को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि यह रोडमैप लोगों के बीच संपर्क, व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु और स्वास्थ्य जैसे अहम क्षेत्रों में अगले 10 सालों तक गहरे और मजबूत आदान-प्रदान का रास्ता साफ करेगा। दोनों नेताओं ने कोविड-19 की ताजा स्थिति के साथ

मोदी ने जॉनसन का धन्यवाद किया

ही इस महामारी के खिलाफ लड़ाई में जारी सहयोग और टीके को लेकर सफल साझेदारी पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कोरोना की दूसरी लहर के मद्देनजर भारत को तत्परता से चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए जॉनसन का धन्यवाद किया जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने पिछले साल भर के दौरान ब्रिटेन और अन्य देशों तक दवाइयां और टीके की आपूर्ति के जरिए सहायता पहुंचाने के लिए भारत की भूमिका की सराहना की।

● विस्तृत खबर पेज-09

देश में इसी साल शुरू हो सकती है 5जी सेवा

नई दिल्ली। देश में नए जमाने की कम्युनिकेशन सेवा यानी 5जी इसी साल शुरू हो सकती है। सरकार ने देश में 5जी ट्रायल के लिए 13 आवेदनों को मंजूरी दे दी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 5जी ट्रायल से हुवावे और जेडटीई जैसी चाइनीज कंपनियों को दूर रखा गया है। टेलीकॉम विभाग को 5जी के ट्रायल के लिए कुल 16 आवेदन मिले थे। सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने 5जी ट्रायल के लिए सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स (सी-डॉट) के साथ साझेदारी की है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमेटिक्स भारत सरकार का टेलीकॉम टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर है। इसकी स्थापना 1984 में की गई थी।

ये जानना बहुत जरूरी कि श्रीराम सत्य के साथ ही रहते हैं

मोदी की काशी में भी भाजपा को करंट, 40 में से 7 ही जीते

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस (वाराणसी) में उनकी पार्टी भाजपा बुरी तरह पिछड़ती दिखाई दी है। यहां जिला पंचायत सदस्य की 40 सीटों में से 39 पर चुनाव हुए। एक सीट पर प्रत्याशी की मौत के चलते चुनाव स्थगित हो गए थे। देर शाम तक 26 सीटों के परिणाम आ चुके थे। भाजपा महज 7 सीट जीत सकी है। 14 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने कब्जा जमाया है। कमोबेश ऐसा ही हाल अयोध्या का है। वहीं, मथुरा में मायावती की पार्टी बसपा ने भाजपा को पछाड़ा है। अगले साल यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले

14 पर सपा ने कब्जा किया

कमोबेश ऐसा ही हाल अयोध्या में

राज्य में हुए इस पंचायत चुनाव को सियासी दलों के लिए परीक्षण के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें 4 पद- जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान और ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य के लिए चुनाव हुए हैं। नतीजे आ ही रहे थे।

उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान और ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य पदों के 12 लाख 89 हजार

आप का दावा : यूपी पंचायत चुनाव में 200 प्रत्याशी बने प्रधान

आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि उसके 200 से ज्यादा ग्राम प्रधान प्रत्याशी और 70 से अधिक जिला पंचायत सदस्यों जीत चुके हैं। यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहली बार पंचायत चुनाव में उतरी आम आदमी पार्टी को जनता ने भरपूर प्यार दिया है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के नतीजों ने विधानसभा चुनाव में होने वाले बदलाव के संकेत दिए हैं। पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को विधानसभा चुनाव में मौका देने का वायदा फिर दोहराया है। उन्होंने कहा कि अभी पूरे परिणाम आने बाकी हैं। राजधानी लखनऊ से लेकर प्रदेश के लगभग सभी जिलों से उम्मीदवार जीते हैं। हमारे कई प्रत्याशी दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि पंचायत चुनाव में प्रदेश की जनता ने विधानसभा चुनाव में होने वाले बड़े बदलाव का संकेत दे दिया है। यूपी में पार्टी का परिवार बढ़ना शुरू हो गया है। पार्टी का संगठन गांवों तक हो गया है। बड़ी संख्या में पार्टी समर्थित क्षेत्र पंचायत सदस्य भी विजयी हुए हैं।

930 कैंडिडेट्स उतरे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, मंगलवार को अभी 826 मतदान केंद्रों पर मतगणना हो रही है। इसके परिणाम मंगलवार रात तक आने की संभावना है। अब तक आए रिजल्ट के मुताबिक, प्रदेश में जिला पंचायत के 3050 पदों में से 3047 के परिणाम आ चुके थे। भाजपा ने 768, सपा ने 759, बसपा ने 319, कांग्रेस ने 125 और 1071 निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। जिला पंचायत के कुल परिणाम में तो भाजपा कुछ सीटें सपा से आगे है लेकिन भाजपा को अपने गढ़ के जिलों में हार मिली है, जहां पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी थी। वहीं, क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधान और ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य के फाइनल रिजल्ट का इंतजार है।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, बुधवार, 05 मई, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

गुरुद्वारा में बनाएं केयर सेंटर

फरीदाबाद। समाजसेवा एवं फीएवा के महासचिव गुरमीत सिंह देओल ने कहा कि जवाहर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा की बेसमेंट और इसके पास ही स्थित विश्वकर्मा भवन में करीब 40 बेड लगाकर केयर सेंटर बना सकते हैं। जहां जरूरतमंदों को ऑक्सीजन चढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि सिलेंडर भी उनके पास हैं। सिर्फ गैस चाहिए। यदि प्रशासन गैस दे दे तो 30 से 40 बेड की व्यवस्था हो सकती है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इसके लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन उसके बाद प्रशासन को लगातार ऑक्सीजन की सप्लाई सुनिश्चित करनी होगी। गैस, लोडिंग और अनलोडिंग का पैसा गुरुद्वारा कमेटी स्वयं खर्च करेगी। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि यदि अनुमति देने के साथ सहयोग दिया जाए तो गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी इस पुनीत कार्य को करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने शहर के समाजसेवियों से इस मांग को प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की है।

शहर का तापमान

- अधिकतम 39.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी: सुबह 8 बजे
- शहर के विभिन्न स्थानों पर वैक्सीनेशन शिविर: सुबह 10 बजे
- लॉकडाउन में आवश्यक सामान की दुकाने: सुबह 8 से रात 9.55 बज

निवेश गुरु

भारत में कोरोना वैक्सीन बना रही सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ब्रिटेन में 24 करोड़ पाउंड का निवेश करेगी। इसके लिए कंपनी एक नया सेल्स ऑफिस खोलेगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के ऑफिस ने यह जानकारी दी है। यह निवेश ब्रिटेन में 53.3 करोड़ पाउंड के नए भारतीय निवेश का हिस्सा है। इससे हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स में 6,500 नौकरियां मिलने की उम्मीद है।

यूटीलिटी न्यूज

अस्पताल में बांटे मास्क

फरीदाबाद। सिविल अस्पताल परिसर में कोरोना महामारी के बचाव के लिए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आम लोगों को मास्क वितरित किए। इस मौके पर उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सोशल डिस्टेंस और मास्क जरूर लगाएं। अगर मास्क होगा और सोशल डिस्टेंस होगा तो तभी कोरोना की महामारी को मात दी जा सकती है। इस मौके पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं अशोक रावल, अनिल कुमार सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

अब भाजपा की हार जारी रहेगी

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल अम्बावता ने कहा बंगाल में बुरी तरह हारने के बाद भी यदि भाजपा की केंद्र सरकार ने किसान विरोधी तीन काले कानूनों को वापस लेने के लिए अपना अडियल रवैया नहीं छोड़ा तो उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी देश का किसान भाजपा को बुरी तरह हराने का काम करेगा। उन्होंने कहा वह बंगाल की जनता को बधाई देना चाहते हैं कि उन्होंने भाजपा को सिरे से नकार कर यह साबित कर दिया कि अब जनता हिन्दू-मुसलमान के देश विरोधी नारों पर वोट नहीं देगी। जनता देश में विकास चाहती है और बंगाल की जनता को भी ममता बैनर्जी के काम पर विश्वास है। अम्बावता ने कहा देशभर के किसान नेताओं की नजर बंगाल चुनाव पर थी, और किसान नेताओं ने वार्डर पर बैठकर मीडिया के माध्यम से यह अपील की थी कि बंगाल का मतदाता भाजपा को हराकर नरेन्द्र मोदी और भाजपा का घमण्ड तोड़ने का काम करें।

अव्यवस्था के बीच कालाबाजारी की भेंट चढ़ रही है सैकड़ों टन ऑक्सीजन

व्यवस्था न बनाने से नोटबंदी के बाद ऑक्सीजन के लिए लग रहीं लंबी लाइनें

राजेश दास। फरीदाबाद

जिला प्रशासन के लाख दावों के बावजूद शहर में ऑक्सीजन सिलेंडर की मारामारी कम नहीं हो रही है। कोरोना अथवा सांस संबंधित रोगों का शिकार मरीजों को वर्तमान में ऑक्सीजन की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ रही है। अस्पतालों में बिस्तरों का अभाव और भारी कीमत वसूले जाने की वजह से लोग अपने बीमार परिजनों को घर में ही ऑक्सीजन चढ़ाने की व्यवस्था में जुटे हैं। प्रशासन की तरफ ऑक्सीजन वितरण की व्यवस्था बनाने कई तरह के दावे किए गए हैं, लेकिन गैस प्लांटों में लाइनें कम नहीं हो रही हैं। जबकि पिछले चार दिनों में जिले में उड़ीसा से 207.81 मेट्रिक टन ऑक्सीजन गैस आ चुकी है। वहीं एक अन्य ट्रेन के माध्यम से 163.17 मेट्रिक टन गैस बृहस्पतिवार को शहर में पहुंचने वाली है। जबकि केंद्र सरकार ने प्रदेश का ऑक्सीजन का कोटा 162 एमटी से 232 एमटी कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ शहर में मरीजों का लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस का भारी अभाव चल रहा है, लेकिन गैस प्लांटों के बाहर खाली सिलेंडरों से लदी दर्जनों एम्बुलेंसों को आम देखा जा सकता है। नोटबंदी की तरह काफी संख्या में मजदूर वर्ग के लोगों का इस्तेमाल इन दिनों ऑक्सीजन सिलेंडर भरने के लिए भी किया जा रहा है।

लगातार आ रही है ऑक्सीजन

फरीदाबाद और आसपास के शहरों में ऑक्सीजन के लिए सबसे ज्यादा मारामारी मची हुई है। जिसे ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार की तरफ उड़ीसा स्थित गैस प्लांट से ट्रेनों के माध्यम से लगातार ऑक्सीजन भेजी जा रही है। एक मई को दो ट्रेनों के माध्यम से पांच टैंकर, तीन मई को दो टैंकर और चार मई को तीन टैंकर ऑक्सीजन गैस फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंची है। इन चार दिनों में 207. 81 मेट्रिक टन ऑक्सीजन जिले में आ चुकी है। वहीं बृहस्पतिवार को 163.17 मेट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर एक अन्य ट्रेन फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली है। वहीं शहर के कुछ प्लांटों में भी ऑक्सीजन गैस का थोड़ा बहुत उत्पादन होता है, लेकिन इसके बावजूद शहर में ऑक्सीजन का अभाव कम नहीं हो रहा है। जबकि दूसरी तरफ गैस टैंकर शहर में पहुंचने के बावजूद कई कई घंटों तक उन्हें स्टेशन पर ही खड़ा रखा जाता है। जिसके बाद गैस को इधर-उधर भेजा जाता है। इससे स्पष्ट अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रबंधन के अभाव में लोगों को गैस नहीं मिल पा रही है।

कम नहीं हो रहीं लाइनें

करीब एक सप्ताह पूर्व जिले में ऑक्सीजन सिलेंडरों को लेकर मारामारी शुरू हुई थी। जो कम होने की बजाए लगातार बढ़ती जा रही है। जिला प्रशासन फरीदाबाद एवं वाईएमसीए मॉब के सहयोग से विश्वविद्यालय ने एक 'ऑक्सीजन रिफिलिंग प्रबंधन प्रणाली' विकसित की है। इस प्रणाली के माध्यम से कोरोना संक्रमित ऐसे रोगी, जिन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता है, उन्हें पंजीकरण करवाना होगा। इस लिंक में पंजीकरण के लिए रोगी को अपने आधार कार्ड विवरण के साथ एसपीओ2 वेल्यू (ऑक्सीजन का स्तर) दर्ज करवानी होगी। प्रशासन की तरफ से बेशक यह एक अच्छी पहल की गई है, लेकिन इसके बावजूद ऑक्सीजन प्लांटों लगने वाली लाइनों की लंबाई कम होने की बजाए बढ़ती जा रही हैं। सेक्टर 24 स्थित गैस प्लांट से शहर के आम लोगों को डॉक्टर की पर्ची पर बीमार लोगों के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर दिये जा रहे हैं। पिछले करीब एक सप्ताह से इस प्लांटों पर ऑक्सीजन भरवाने के लिए लोग पूरा दिन और रात रात भर सिलेंडर लेकर लाइनों में खड़े नजर आ रहे हैं। गैस प्लांटों के चारों तरफ भारी संख्या में वाहनों को सिलेंडर लेकर खड़ा हुआ देखा जा सकता है।

एम्बुलेंसों का दुरुपयोग

फीएवा के महासचिव एवं समाजसेवी गुरमीत सिंह देओल ने कहा कि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और मृतकों को अस्पताल से श्मशानघाट अथवा गांव में जाने के लिए किसी भी कीमत पर एम्बुलेंस नहीं मिल रही हैं। वहीं कालाबाजारी करने वालो ने एंबुलेंस में ऑक्सीजन के सिलेंडर भर-भर कर चांदी कुटनी शुरू कर दी है। प्रशासन की मिलीभगत से सभी गैस प्लांटों से एक-एक एंबुलेंस में 10 से 15 सिलेंडर भरकर बाहर निकाले जा रहे हैं। कुछ लोगों ने एंबुलेंस लिखवा कर निजी गाड़ियों में यह धंधा कर रहे हैं। प्रशासन को चाहिए कि कालाबाजारी रोकने को गैस सिलेंडर बड़े ट्रकों में भरकर खुले मैदान, समुदायिक भवन, दशहरा ग्राउंड आदि में सार्वजनिक रूप से लोगों को अपनी निगरानी में वितरित कराएं।

कालाबाजारी रोकने को पारदर्शिता जरूरी

अखिल भारतीय सूचना अधिकार कार्यकर्ता महासंघ के महासचिव अजय बहल ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना से उत्पन्न मानवीय संकट के बीच आवश्यक दवाइयों और ऑक्सिजन की कमी व कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार एवं जिला प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए। जिले में किसी भी समय ऑक्सीजन की कितनी आवश्यकता और उपलब्धता है, इसमें पारदर्शी होनी चाहिए। जिससे जिले के सभी कोरोना पीड़ितों की ऑक्सिजन की आवश्यकता को समान रूप से पूरा किया जा सके। ऑक्सीजन का बिक्री की दर सरकार द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। रेल से ऑक्सीजन पहुंचने के बाद उसके वितरण की योजना बनाई जाती है। जिससे छह से आठ घंटे का बहुमूल्य समय व्यर्थ होता है।

प्लांटों पर धांधली का आरोप

जिला प्रशासन की तरफ से लगातार दावा किया जा रहा है कि शहर के सभी प्लांटों में उनके द्वारा गठित की गई कमेटी की देखरेख और पुलिस की मौजूदगी में ऑक्सीजन गैस का वितरण किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन की तरफ से किया जा रहा यह दावा पूरी तरफ से खोखला साबित हो रहा है। जिलों में इन दिनों गैस प्लांटों पर पांच, 10, 49 और 70 लीटर वॉटर कैप्सेटी के सिलेंडर भरने के लिए आ रहे हैं, लेकिन इन सिलेंडरों में कितनी गैस भरी जा रही है, इस पर इन दिनों को ध्यान देने की कोई जरूरत ही महसूस नहीं कर रहा है। केंद्र सरकार ने ऑक्सीजन गैस की दर 25 रुपये 71 पैसे प्रति क्यूबिक मीटर तय की हुई है, लेकिन वर्तमान में जिले के ज्यादातर प्लांटों में अलग-अलग दरों पर ऑक्सीजन गैस बेची जा रही है। वहीं दूसरी तरफ कुछ गैस प्लांटों पर चोर रास्तों के जरिये भी लोगों ऑक्सीजन गैस उपलब्ध करवाई जा रही है। बीती रात इस तरह की धांधली का पर्दाफार्श कांग्रेस नेता अनीशपाल द्वारा करने पर सुबह उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

साईंधाम ट्रस्ट का भोजन वितरण अभियान जारी

फरीदाबाद। तिगांव रोड स्थित शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसायटी ने 19 अप्रैल 2021 से प्रतिदिन कोविड मरीजों को जो क्वारेन्टाइन हैं, उनको उनके घर पर दिन और रात का नि:शुल्क खाना उपलब्ध कर रही है।

भोजन के पैकेट में दाल, चावल, सब्जी जैसी जरूरी और पौष्टिक चीजें शामिल की गई हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए भोजन की सेवा शुरू की गई है। ताकि कोविड मरीजों को भोजन की दिक्कत न हो। साईंधाम के संस्थापक डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि लोगों को साईंधाम हमेशा से ही लोगों की सहायता करता आ रहा है और करता रहेगा। आज जब देश कोरोना महामारी पीड़ित है तो हम सबको एकजुट होकर इसका सामना करना है। समाज और परिवार की सुरक्षा इसी में है संस्था प्रतिदिन 300-400 मरीजों के घर भोजन पहुंचा रही है। साईंधाम भोजन के साथ- साथ नि:शुल्क होमियोपेथिक इम्यूनिटी बूसटर दवाई एवं मास्क का भी वितरण कर रही है। इस कार्य में शिरडी साईं बाबा टेंपल सोसायटी के स्टाफ मेंम्बर प्रिसिंपल बीनू शर्मा, सीमा गुलाटी, विकास राय, जय त्रिपाठी, विनोद शर्मा, जयदेव सिंह, भोला प्रसाद, जगदीश कपूर, किशोरी नन्दन, विक्रांत वर्मा, इंदरजीत, गौरव, विकास आदि इस नेक कार्य में अपना अमूल्य सहयोग दे रहे हैं।

रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते पिता-पुत्र गिरफ्तार

बाप बेटे से पुलिस ने बरामद किए 5 रेमडेसिविर इंजेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कालाबाजारी को रोकने के लिए जिला पुलिस द्वारा आरोपियों की लगातार गिरफ्तारियां की जा रही है। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी पर रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए हैं जिनके तहत कार्रवाई करते हुए थाना बीपीटीपी की टीम ने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करने के जुर्म में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वीरेंद्र और अतुल का नाम शामिल है जो दोनों पिता-पुत्र हैं। 58 वर्षीय आरोपी वीरेंद्र 29 वर्षीय आरोपी अतुल का पिता है। आरोपी फरीदाबाद के सेक्टर 75 के रहने वाले हैं। पुलिस को गुप्त सूत्रों की सहायता से सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी सस्ते दामों में इंजेक्शन लाकर 35 हजार रुपये प्रति इंजेक्शन के हिसाब से इसको बेचने की फिराक में है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दलबीर सिंह ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर संदीप गहलान के साथ मिलकर पुलिस टीम का गठन किया। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने ग्राहक बनकर उसे फोन किया और इंजेक्शन की मांग की।

आरोपी ने इंजेक्शन के लिए 35000 रुपये मांगे और इंजेक्शन लेने के लिए पुलिस टीम को सेक्टर 75 स्थित गोल्डन गेट के पास बुलाया। आरोपी अतुल अपने पिता आरोपी वीरेंद्र सहित स्कूटी पर सवार होकर बताए गए स्थान पर पहुंचा तो पुलिस ने उसे मौके पर रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम के साथ मौजूद ड्रग कंट्रोल ऑफिसर संदीप गहलान ने जब आरोपियों से इंजेक्शन बेचने का लाइसेंस मांगा तो वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से रेमडेसिविर के पांच इंजेक्शन बरामद किए गए। आरोपियों को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ सरकारी आदेशों की अवहेलना करने, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005, दवा मूल्य नियंत्रण आदेशों के तहत थाना बीपीटीपी में मुकदमा दर्ज किया।

दिल्ली से लाकर बेचता था रेमडेसिविर इंजेक्शन, पकड़ा गया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 की टीम ने रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते हुए एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम हितेश पलटा है जो फरीदाबाद के सेक्टर 28 का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच को सूचना प्राप्त हुई थी कि आरोपी रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करता है और इंजेक्शनों को सस्ते दामों पर खरीद कर बहुत महंगे भाव में भेचता है। कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच प्रभारी इंस्पेक्टर विमल द्वारा आरोपी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम बताए गए स्थान पुलिस लाइन रोड पर पहुंची और आरोपी को रेमडेसिविर के दो इंजेक्शनों सहित रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सेक्टर 19 में स्थित पार्श्वनाथ मॉल के अंदर करंसी एक्सचेंज का काम करता है और पैसो के लालच के चलते यह इंजेक्शन वह दिल्ली से लेकर आया था और फरीदाबाद में इन्हें महंगे दामों पर बेचना चाहता था। आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, आपदा प्रबंधन अधिनियम, औषधी व प्रसाधन सामग्री अधिनियम व धोखाधड़ी की धाराओं के तहत थाना सेक्टर 31 में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के कब्जे से दोनों इंजेक्शनों को बरामद कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपी जहां से इंजेक्शन लेकर आया था वहा जाकर बेचने वाले की तलाश की जाएगी।

महिला कर्मी की सूझबूझ से धरा गया कोविड वार्ड का चोर

कविता। फरीदाबाद

जहां एक तरफ कोरोनाकाल में स्वास्थ्य कर्मी अपनी जान की बाजी तक लगाकर काम कर रहे हैं, वहीं चोर उन्हें ही परेशानियों में डाल देते हैं। ऐसा ही बीके अस्पताल के कोरोना मरीजों के वार्ड में सोमवार रात को ड्यूटी दे रही एक स्टाफ नर्स के साथ हुआ। स्टाफ नर्स का फोन एक चोर ने चुरा लिया। इसकी सूचना स्टाफ ने किसी तरह से अपनी महिला कर्मी बहन को दी।

जिस पर बीके अस्पताल में ही कम्प्यूटर ऑपरेटर सोनिया ने अपनी बहन निधि का फोन चोर से वापस ले लिया और चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी चोरी करीब 25 बार अस्पताल में चोरी कर चुका है।

बीके अस्पताल के वार्ड में चोरी की फिराक में आरोपी चोर।

ये है पूरा मामला

सोनिया शर्मा ने बताया कि वह बीके अस्पताल में अपातकालीन कक्ष में कार्ड बनाने का काम करती है। उनकी बहन निधि अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर तैनात है। निधि की ड्यूटी गत सोमवार की रात को बीके सिविल अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में थी।

निधि रातभर कोविड-19 मरीजों की देखभाल में लगी रही। सुबह उसने अपना फोन वहां भर्ती एक महिला को दिया था। महिला फोन रखकर बाथरूम चली। वापस लौटी तो निधि का फोन बिस्तर से गायब था। जिसकी सूचना पाकर निधि परेशान हो गई। छोटी बहन सोनिया को इसकी सूचना दे दी।

सोनिया ने खोजा चोर

सोनिया सुबह जल्दी पहुंची और वहां लगे सीसीटीवी की फुटेज की जांच की। जिसमें एक युवक दिखा, पता चला कि युवक यहां तैनात सुरक्षा कर्मियों के पास आता है। लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं हुआ। जिस पर युवक के बारे में अधिक जानकारी सोनिया ने जुटाई तो पता चला कि आरोपी एसी नगर में रहता है और फोन व सामान चोरी करके ले जाता है। सोनिया फोन लेकर एसी नगर में पहुंच गई और पुछताछ शुरू कर दी। फोटो दिखाने पर युवक का पता चल गया। घर पहुंची तो वह वहां नहीं मिला। जिस पर सोनिया ने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस ने मकान मालिक के बेटे को अपने साथ ले गई। वहां पूछताछ में उसने बताया कि युवक फोन को बेचने निकला है। जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर नन्हें नामक युवक को फोन के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी करीब 20 से 25 बार अस्पताल में चोरी कर चुका है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया लोगों को जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार एव मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की देखरेख में पैनल अधिवक्ता गण की टीम ने कोरोना के प्रति जागरूक किया। जिसमें रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिव कुमार, ओम प्रकाश सैनी, गगन कुमार, अनिल गुप्ता, लखीराम व संगीता शर्मा जरूरतमंदों की मदद के लिए जुटे हुए हैं। रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने बताया कि कोरोना महामारी फिर से बढ़ने के कारण कमजोर तबके के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम के पैनल अधिवक्ता गणों ने जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। स्लम बस्तियों में जाकर जरूरतमंदों को मास्क सैनिटाइजर वह इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढ़ा और जरूरत का सामान उपलब्ध करा रहे हैं और साथ ही साथ उन लोगों को इस महामारी से बचने के तरीके भी बताए जा रहे है। उनको बताया जा रहा है कि मास्क जरूर पहने जिससे कि नाक वह मुंह ढक कर रखें।

सैनिटाइजर का उपयोग करें बार-बार हाथों को धोएं। हाथ धोने के लिए साबुन का भी प्रयोग कर सकते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए काढ़े का उपयोग करें। यह कोरोना की दूसरी लहर है। जिसमें खांसी जुकाम बुखार के अलावा और भी लक्षण सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत है शुरुआत में दर्द निवारक दबाव से आराम मिल सकता है। जिसे यह नहीं समझना चाहिए कि आप ठीक हो गए हैं।

18 प्लस को घर के निकट, 45 प्लस को बीके में लगा रहे वैक्सीन

बीके तक पहुंचने में 45 वर्ष से अधिक के लोग हो रहे परेशान

कविता। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में 45 वर्ष से ऊपर के लोगों की लगी लाइन।

जिलेभर में मौजूद सरकारी केन्द्रों में मात्र 18 से 44 वर्ष तक की आयु के लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। जबकि वहां आ रहे 45 वर्ष से अधिक की उम्र के लोगों को वापस लौटाया जा रहा है।

पूरे जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों के कर्मचारी 45 से ऊपर के लोगों को बीके जाकर इंजेक्शन लगवाने के लिए कह रहे थे। जिससे वरिष्ठ नागरिकों को परेशानियां हुईं, क्योंकि लॉकडाउन में परिवहन के साथ नहीं हैं। गर्मी में पैदल बीके पहुंचना कठिन है। लोग लिफ्ट लेकर वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। ज्यादातर लोगों को सैकेंड डोज लगवाने की चिंता हो रही है।

बनाया गया है ऐसा नियम

लोगों की माने तो जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी 46 स्वास्थ्य केन्द्रों पर वैक्सीन लगाने की शुरूआत की है, लेकिन घरों के निकट स्वास्थ्य केन्द्रों पर मात्र 18 से 44 वर्ष की आयु के लोगों को ही वैक्सीन रजिस्ट्रेशन कराने पर लग रही है। वहां पहुंच रहे 45 वर्ष से ऊपर के आयु के लोगों को बीके अस्पताल भेजा जा रहा है। लेकिन लॉकडाउन के कारण ऑटो, रिक्शा न चलने से गरीब लोग परेशान है। कुछ लोग लिफ्ट लेकर पहुंच रहे हैं तो यहां घंटों लाइन में लगकर परेशान हो रहे है।

दूसरी डोज के लिए परेशान

वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि वह दूसरी डोज लगवाने के लिए डिस्पेंसरियों और सिविल अस्पतालों के चक्कर काटने को मजबूर हो रहे है। कहीं भी सेकेंड डोज नहीं लगाई जा रही। ऐसे में उन्हें हर जगह से धक्के खाकर वापस लौटना पड़ रहा है। उनका कहना है कि अगर सैकेंड डोज का समय अधिक हो गया तो वह कैसे करेंगे।

ऐसा फैल रहा है लोगों में भ्रम

कुछ लोगों में भ्रम डाला जा रहा है कि अब सैकेंड डोज उन लोगों को नहीं लगेगी, जिन्हें कोरोना होने के बाद पहली डोज लगाई गई है। वहीं कुछ लोग यह फैला रहे है कि अब जिले में दूसरी डोज लग ही नहीं रही। वहीं कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि दूसरी डोज लगवाने की आवश्यकता ही नहीं है। जबकि बीके अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. बरखा और मिनाक्षी ने बताया कि पहली डोज के बाद दूसरी डोज जरूरी है। वहीं अन्य चिकित्सकों ने भी यही बात बताई।

आग से खाक हुई झुग्गी को पुलिस ने एक दिन में कराया तैयार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस ने पीड़ित परिजनों को करवाया एक महीने का राशन उपलब्ध

पुलिस कोरोना काल की इन विकट परिस्थितियों में नागरिकों की हर संभव मदद करने का प्रयास कर रही है। इसका उदाहरण रविवार को देखने को शहर में मिला। जहां रविवार दोपहर सेक्टर 20बी के इलाके में स्थित एक झुग्गी में किसी कारणवश आग लग गई थी। जिसकी सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रदीप कुमार अपनी टीम को लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और वहां पर झुग्गी के अंदर आग में फसी एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। झुग्गी वृद्ध रामनारायण की थी।

पुलिस ने सभी लोगों को उस झोपड़ी से दूर किया गया ताकि कोई भी व्यक्ति आग की चपेट में न आ सके। इसके पश्चात पुलिस टीम द्वारा फायर ब्रिगेड को बुलवाकर आग पर काबू पाया गया परंतु इस दौरान पूरी झोपड़ी जलकर खाक हो चुकी थी। अपना बसेरा जल जाने की वजह से उसमें रहने वाले लोग बहुत दुखी थे क्योंकि वह झोपड़ी ही उनका महल था और रहने का एकमात्र आसरा। गरीबों की व्यथा देखकर चौकी प्रभारी ने उनकी मदद करने के उद्देश्य से उस परिवार के लिए खाने पीने की वस्तुओं का प्रबंध करवाया और परिवार के मुखिया रामनारायण को अपनी जेब से 500 रुपये दिए ताकि इसकी मदद से वह है अपने परिजनों के लिए शाम के खाने का प्रबंध कर सके। परिवार के मुखिया ने पुलिस टीम का बहुत-बहुत धन्यवाद किया और कहा कि पुलिस टीम ने उनकी बहुत मदद की और उनके परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रामनारायण ने बताया कि अब उनके पास रहने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह अपने परिजनों को कहां और कैसे रख पाएंगे। उनकी व्यथा सुनकर चौकी प्रभारी ने उनके मदद करने की ठानी और इसी उद्देश्य से पुलिस टीम ने अपनी जेब से पैसे इकट्ठे करके वहां पर मौजूद लोगों की सहायता से उनके लिए उसी स्थान पर एक दूसरी झोपड़ी का मात एक दिन मे निर्माण करवा दिया। नहीं झोपड़ी को देखकर वृद्ध रामनारायण की आंखें चमक उठी और उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक गए और उन्होंने चौकी प्रभारी व उनकी टीम द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य के लिए तहे दिल से उनका धन्यवाद किया। कहा कि कोई अपना भी ऐसे समय में साथ नहीं देता परंतु पुलिस ने उनकी बहुत मदद की है जिसके लिए वह उनका तहे दिल से धन्यवाद करते हैं।

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह को जब इस घटना के बारे में पता चला तो उन्होंने पूरी पुलिस टीम को उनके कार्य के लिए शाबाशी दी। कहा कि उन्हें पुलिस अधिकारियों और जवानों पर गर्व है।

ऑक्सीजन की धांधली उजागर करने पर याद आया पुराना केस

समाजसेवी की गिरफ्तारी पर भड़के कांग्रेसी नेता, पुलिस ने बाद में छोड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस हिरासत से रिहा होकर बीके अस्पताल में लोगों को पानी पिलाते अनीशपाल।

कोरोनाकाल में ऑक्सीजन की किल्लत झेल रहे लोगों की मदद करने का परिणाम समाजसेवी एवं कांग्रेसी नेता अनीशपाल को झेलना पड़ा। अनीशपाल पिछले कई दिनों से गैंस प्लांटों में पहुंच कर न केवल लोगों की मदद कर रहे थे, बल्कि प्लांट संचालकों द्वारा की जा रही धांधली को भी रोकने का प्रयास कर रहे थे।

बीती रात सेक्टर 24 स्थित गैस प्लांट के बाहर आम लोग लाइनों में खड़े थे। वहीं संचालक पिछले दरवाजे से सिफारिशी लोगों को सिलेंडर उपलब्ध कर रहे हैं। यह नजारा देखकर अनीशपाल ने लाइव चला दिया। जिसके कारण प्लांट संचालकों को यह धांधली बंद करनी पड़ी, लेकिन अनीशपाल के इस प्रयास को देखकर स्थानीय पुलिस उनसे खफा हो गई। ऐसे में पुलिस को करीब एक साल पहले दर्ज किया गया मामला याद आ गया। जिसके बाद मंगलवार सुबह सीआईए सेक्टर 48 ने अनीशपाल के घर पहुंच कर उन्हें हिरासत में ले लिया।

पुलिस पर धमकाने का आरोप

अनीशपाल का आरोप है कि पुलिस उन्हें लगातार धमका रही थी, क्यों वह पुलिस की मनमानी का विरोध कर रहे थे। कई गैस प्लांटों में पीछे से पुलिस को ऑक्सीजन गैस के सिलेंडर दिये जा रहे थे। जिसका विरोध करने पर उन्हें पुलिस की तरफ से मुकदमा दर्ज करने की धमकी भी मिली थी। मगर वह लोगों की मदद कर रहे थे, इसलिए उन्होंने किसी भी धमकी की परवाह नहीं की। इसलिए मंगलवार की सुबह उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

कुमारी शैलजा ने जताया विरोध

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षा कुमारी शैलजा ने एक टवीट कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं फरीदाबाद पुलिस को टैग किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में अपनी जान की परवाह किए बगैर लोगों की सेवा में तत्पर फरीदाबाद के कांग्रेस नेता अनीशपाल को क्राइम ब्रांच द्वारा बेवजह हिरासत में लेना अत्यंत निदंनीय है। उन्होंने सीएम से अनीशपाल को तुरंत रिहा करने को कहा था।

पुराना मामला

बीते वर्ष लॉकडाउन के दौरान पानी की किल्लत से परेशान सेक्टर-55 और आसपास के लोगों ने सोहना रोड पर जाम लगा दिया था। इन लोगों की मदद के लिए काफी संख्या में समाजसेवी और नेता ने भी मौके पर पहुंच कर धरना दे दिया था।

इस मामले में पुलिस ने धरना दे रहे लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। बताया गया है कि इस मामले में अनीशपाल भी नामजद थे। इस दौरान कभी गिरफ्तारी के प्रयास नहीं हुए। अब धांधली का विरोध करने पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में तो लिया। लेकिन विरोध होते देखकर उन्हें दोपहर को छोड़ दिया गया।

जिंदा है इंसानियत: रक्त बहता देख बढ़ाया मदद को हाथ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल में जहां एक तरफ कोरोना योद्धा के रूप में चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी लगातार मरीजों का इलाज कर रहे है। वहीं दूसरी तरफ प्रयोगशाला में तैनात कर्मचारी भी वहां आने वाले मरीजों की जांच कर रहे हैं।

कोरोना जांच का काम कर रहे लैब टैक्नीशियन लगातार सैम्पल ले रहे है। रोजाना लैब टैक्नीशियन यहां तीन हजार तक सैम्पल जांच के लिए ले रहे है। वहीं वह मरीजों का दर्द भी समझते है। ऐसा ही मंगलवार को प्रयोगशाला में देखने को मिला। जहां रैपिड जांच के दौरान एक युवक की नाक से खून बहना शुरू हो गया। लैब टैक्नीशियन ने खून बहते देखा तो उन्होंने तुरंत हाथ सैनिटाइज करके अपना रूमाल निकाला और उसे दूसरी तरफ से युवक को पकड़ा दिया। जिसे लेकर युवक ने अपनी नाक से बह रहे खून को साफ किया। वहीं इस दृश्य को अन्य लोग खड़े-खड़े देखते रहे। किसी ने युवक की मदद को हाथ आगे बढ़ाना जरूरी नहीं समझा। इसी तरह प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

बिना रिश्ते के भी मिशन जागृति कर रही मृतकों का अंतिम संस्कार

फरीदाबाद। मुश्किल घड़ी में मिशन जागृति लगातार मानवता की मिसाल पेश कर रही है इसी कड़ी में सोमवार को फरीदाबाद के सरकारी अस्पताल से दो शरीर का अंतिम संस्कार किया गया।

मिशन जागृति के जिला अध्यक्ष विवेक गौतम ने बताया कि हमारे पास सेक्टर 11 से एक साथी पंकज और सूचित का फोन आया था जो कि हमेशा ही समाज सेवा में आगे रहते हैं। मिशन जागृति के साथी तुरंत बीके हॉस्पिटल पहुंच गए और वहां पर पुलिस के साथ मिलकर दो शरीरों का अंतिम संस्कार जनता कॉलोनी स्थित श्मशान घाट में किया गया। उन्होंने बताया कि मौत के बाद कोई परिजन सामने नहीं आ रहे हैं जिस पर सामाजिक संस्थाओं की और जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

इस पुनीत कार्य में मिशन जागृति के विपिन भारद्वाज, गुरनाम सिंह, राजेश भूटिया, संजय पाल, दिनेश राघव, विकास कश्यप की विशेष भूमिका रहती है। विवेक गौतम ने बताया कि सभी स्वयंसेवक पूरी सुरक्षा के साथ प्रशासन के मापदंडों के अनुसार ही शरीर का अंतिम संस्कार करते हैं।

एम्बुलेंस चालक नहीं वसूल सकेंगे अधिक किराया

फरीदाबाद। जिले में निजी एम्बुलैंस चालक एक-एक मरीज को जिले से बाहर ले जाने की एवज में 10 से 12 हजार रुपये वसूल कर रहे थे। जिसकी सूचना सरकार को लगी, तो सरकार की तरफ से सभी तरह की एम्बुलेंस के लिए किराया निर्धारित कर दिया है। जिससे जिले में मरीजों को कुछ हद तक राहत मिलेगी।

जानकारी के मुताबिक जिलेभर में मरीजों को जहां एक तरफ बढ़ती महामारी के बीच अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिल रहे है। वहीं मरीजों की जान बचाने के लिए तीमारदार उन्हें एक अस्पताल से लेकर दूसरे अस्पताल लेकर भाग रहे है। अस्पतालों में जहां बिस्तर नहीं है, यदि है, तो वह हमहंगे दामों पर मरीजों को उपलब्ध हो रहे है। वहीं दूसरी तरफ एम्बुलेंस चालक भी मनमाने दामों पर अपनी एम्बुलेंस सेवाएं मरीजों को दे रहे थे।

कोरोना: जिले में 52 मौत, सरकारी आंकड़ों में मात्र नौ

1580 नए संक्रमित आने से आंकड़ा पहुंचा 79659

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सिविल अस्पताल की फ्लू ओपीडी में मरीजों का इलाज करते डॉ. सुशील अहलावत

जिले में कोरोना से बीती रात 4 मौते और हो गई। वहीं मंगलवार को कोविड-19 से पीड़ित 48 मरीजों की मौत हो गई। 24 घंटे में हुई 52 मरीजों की मौत पर जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों में मात्र 9 मृतकों का ही अंतिम संस्कार दर्शाया गया है। जबकि बीती रात से लेकर शाम साढ़े छह बजे तक शहर के विभिन्न श्मशान घाटों पर 52 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम के कर्मचारियों ने किया।

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को जिले में 1580 पॉजिटिव सामने आए। जिससे जिले का आंकड़ा 79659 पर पहुंच गया। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 1245 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 81.7 प्रतिशत पर पहुंच गया।

यहां से पॉजिटिव

1580 पॉजिटिव में सेक्टर-9 से 32, सेक्टर-15 से 33, सेक्टर-11 से 2, सेक्टर-10 से 16, सेक्टर-14 से 5 मरीज है। चावला कालोनी से 5, सेक्टर-3 से 11, सेक्टर-55 से 24, सेक्टर-37 से 21, सेक्टर-35 से 4 मरीज है। सेक्टर-34 से 4, सेक्टर-32 से 7, सेक्टर-17 से 24, सेक्टर-16 से 21, सेक्टर-19 से 20, सेक्टर-21 से 21, जवाहर कालोनी से 19, सेक्टर-8 से 63, सेक्टर-7 से 64, एनएच-1 से 21, सेक्टर-42 से 5 मरीज है। सेक्टर-49 से 28, सेक्टर-89 से 11, एनएच-दो से 4, एनएच-3 से 6, सेक्टर-30 से 14, सेक्टर-28 से 22, सेक्टर-31 से 13, सेक्टर-3 से 8, सेक्टर-81 से 9, सेक्टर-82 से 19, सेक्टर-88 से 20, सेक्टर-86 से 12, सेक्टर-75 से 5 मरीज है। सेक्टर-89 से 5, सेक्टर-77 से 9, एनएच-5 से 14, सेक्टर-22 से 17, सेक्टर-23 से 15, सेक्टर-48 से 4, सेक्टर-15ए से 12, सेक्टर-65 से 7, सेक्टर-64 से 9, सेक्टर-62 से 6, सेक्टर-63 से 11, सेक्टर-87 से 18 और अन्य एरियों से मरीज शामिल है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 684250
अब तक पॉजिटिव	: 79659
अब तक नेगेटिव	: 601835
रिपोर्ट आनी शेष	: 2756
ऑक्सीजन पर है	: 632
वैंटीलेटर पर है	: 121
अब तक मौत	: 533
अब तक ठीक	: 65043
जिले में एक्टिव	: 14083

जजपा ने यातायात पुलिकर्मियों को बांटे सैनिटाइजर

फरीदाबाद। जजपा इनसो चेयरमैन रवि शर्मा ने विश्वव्यापी महामारी करोना से निडर होकर सड़क और चौक चौराहों पर खड़े यातायात पुलिसकर्मियों को सैनिटाइजर बांटे। यह सैनिटाईजर हरियाणा के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला तथा जजपा के प्रदेश प्रधान महासचिव एवं इनसो के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला द्वारा खासकर कोरोना योद्धाओं के लिए भेजे गए हैं। जोकि हरियाणा के हर जिले में बांटे जा रहे है। इस अवसर पर रवि शर्मा ने कहा कि कोरोना की पहली लहर से भी आपने देश और समाज का बचाया था आज जब दूसरी लहर अपना प्रकोप दिखा रही है। ऐसे समय में आपकी जिम्मेवारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि कोरोना की बढ़ती बिमारी को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, दिगविजय चौटाला तथा जजपा की पूरी टीम कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़ी है।

अधिकारी दिन रात करें जरूरतमंदों की सहायता : संजीव कौशल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि कोरोना आज एक आपदा बनकर हम सभी के सामने खड़ी है। हमें अपने बेहतर प्रबंधन के जरिए लोगों को हर संभव सहायता देते हुए मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी दिन रात अपने सेवा भाव के साथ कोरोना की इस लड़ाई में जुट जाएं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव मंगलवार को होटल राजहंस में जिला फरीदाबाद में कोविड-19 की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि हमें कोविड-19 को खत्म करने के लिए सबसे पहले संक्रमण की चैन को तोड़ना होगा। लॉकडाउन को गंभीरता के साथ लागू करवाना है और लोगों को समझाना है कि अगर आप सभी लोग अपने घरों में नहीं रहे तो इस महामारी के फैलाव को नहीं रोका जा सकता। उन्होंने अधिक से अधिक टेस्टिंग पर बल देते हुए कहा कि जिन भी लोगों में कोविड-19 के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तुरंत उनकी टेस्टिंग करवाई जाए और समय पर टेस्ट रिपोर्ट उपलब्ध हो ताकि संक्रमण को ज्यादा फैलने से रोका जा सके।

उन्होंने टेस्टिंग के लिए माइक्रो स्तर पर जाकर काम करने के निर्देश दिए और कहा कि इसके लिए हमें प्रशासनिक अमले को अधिक से अधिक सक्रिय करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी सूचना के लिए कॉल सेंटर को बहुत ज्यादा मजबूत करना है। इसके साथ ही सभी अस्पताल भी मरीजों की सुविधा के लिए आपने कॉल सेंटर शुरू करें ताकि घरों में आइसोलेटेड मरीजों को टेलीफोन के जरिए हर संभव मेडिकल सलाह उपलब्ध हो सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह घरों में आइसोलेट होकर इलाज कर रहे लोगों को ऑक्सीमीटर सहित सभी जरूरी दवाओं की किट उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक समय से प्रत्येक मरीज का फॉलोअप करें और उन्हें बताएं कि आप अपने परिवार के लिए कितने आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य की देखरेख करना हम सभी का फर्ज है और हमें इसके लिए आपदा के इस दौर में बेहतर प्रबंधन खड़ा करना है। अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने मीटिंग में आयुष विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वह प्रत्येक व्यक्ति तक इम्यूनिटी बूस्टर अवश्य पहुंचाएं ताकि लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा की जा सके। उन्होंने ऑक्सीजन सप्लाई पर भी लगातार नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति ऑक्सीजन सप्लाई अथवा दवाओं की सप्लाई को लेकर कोई दिक्कत पैदा करता है अथवा कालाबाजारी करता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए की लॉकडाउन के दौरान पूर्ण गंभीरता बरतें और बगैर किसी कार्य के बाहर निकले लोगों पर कार्रवाई भी करें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक निजी अस्पताल के बाहर इलाज के लिए रेट लिस्ट अवश्य चिपकी होनी चाहिए। प्रत्येक निजी अस्पताल मरीजों से इतनी ही फीस ले जितनी निर्धारित की गई है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी रखें और निजी अस्पतालों को निर्देश भी जारी करें।

उन्होंने जिला में अस्पतालों में वेंटिलेटर, ऑक्सीजन बेड व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की बिंदु दर बिंदु समीक्षा भी की। मीटिंग में उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोविड-19 मैनेजमेंट के लिए एकीकृत ऐप भी लॉन्च किया जाए ताकि कोविड-19 से संबंधित सभी सूचनाएं एवं आवश्यक जानकारियां संबंधित व्यक्ति वहां से प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि यह आपदा का समय है और इस समय में हमें बगैर घबराए लोगों की मदद के लिए आगे आना है। उन्होंने कहा कि सभी फ्रंटलाइन वर्करों का हौसला बढ़ाना है। स्वास्थ्य विभाग हो या पुलिस विभाग सभी मिलकर इस लड़ाई में बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। ऐसे में हमें एक बेहतर प्रबंधन देकर कोविड-19 के खिलाफ इस लड़ाई को जीतना है।

भारतीय सेना के मेडिकल कोर की टीम ने डीसी से की मुलाकात

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा छांयसा स्थित श्री अटल बिहारी बाजपेयी राजकीय मेडिकल कॉलेज के संचालन को लेकर मंगलवार को भारतीय सेना के मेडिकल कोर की चिकित्सकों की टीम ने उपायुक्त यशपाल से मुलाक़ात की। उन्होंने कॉलेज के संचालन वहां की व्यवस्थाओं एवं जरूरतों के विषय में करीब 1 घंटा बातचीत की। इससे पहले भारतीय सेना के शिक्षकों की टीम ने मेडिकल कॉलेज का दौरा भी किया और वहां हो रही सभी तैयारियों का निरिक्षण किया।

उपायुक्त यशपाल ने कहा की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए मेडिकल कॉलेज को शुरू करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा की जिला प्रशासन की और से सभी जरुरी सुविधाएँ मेडिकल कॉलेज में मुहैया करवा दी गयी हैं। उन्होंने भारतीय सेना के चिकित्सकों से अनुरोध किया की उन्हें जिस भी चीज की आवश्यकता हो वह तुरंत बताएं ताकि जिला प्रशासन उन्हें समय पर मुहैया करवा सकें। जिससे मरीजों के इलाज में कोई भी समस्या न आ सके।

रोजा भले ही टूट जाये, पर जिन्दगी की डोर ना टूटने पाए

शुभम अरोड़ा के लिये रक्तदान करते हुवे आफ़ताब अंसारी।

फरीदाबाद। हम अक्सर फिल्मों में तो देखते हैं कि एक धर्म के व्यक्ति को जरूरत पड़ने पर किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति ने धार्मिक परम्पराओं को दरकिनार करके मदद की। जब वास्तिवक जीवन में ऐसे उदहारण सामने आते हैं तो दिल सचमुच गदगद हो उठता है। ग्लोबली इंटीग्रेटिड फॉउंडेशन फॉर थैलेसीमिया (गिफ्ट) के अध्यक्ष मदन चावला को जब नई दिल्ली से एक थैलेसीमिक बच्चे के ब्लड ट्रांसफ्यूज़न के लिये रक्त का इंतजाम करने का निवेदन आया, तो उन्होंने तुरन्त सोशल मीडिया पर रक्तदाताओं से गुहार लगाई।

पता चला कि डोनर एक अन्य धर्म का नौजवान है और उसने रोजे रखे हुए हैं। मदन चावला ने आफताब अंसारी को बताया कि बिना कुछ खाये-पीये खाली पेट वो रक्तदान नहीं कर सकेगा। अगले ही पल आफताब ने कहा किसी की ज़िन्दगी से बढ़कर रोजा नहीं हो सकता। तुरन्त खाना खाकर, आफताब दिल्ली के अपोलो अस्पताल में थोड़ी देर बाद शुभम अरोड़ा के लिये रक्तदान कर रहा था। कोरोना वायरस का भय, ऊपर से मई के महीने की चिलचिलाती धूप व गर्मी, ऐंसे में अगर कोई व्यक्ति दूसरे अंजान व्यक्ति के लिये अपना रोजा तोड़कर रक्तदान करता है तो इससे बढ़कर अल्लाह या भगवान की बंदगी क्या हो सकती है। मदन चावला ने कहा। इसे शायद कुदरत का करिश्मा कहेंगे या ईश्वर/अल्लाह की मर्जी कि थैलेसीमिया के इस पेशेंट के लिये सोशल मीडिया के जरिये जिस दूसरे ब्लड डोनर ने मदन चावला से सम्पर्क साधा वो भी एक मुस्लिम ही निकला।

बेमिसाल पहल : बालूदा में कोरोना से भिड़े जांबाज पूर्व सैनिक

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद के वार्ड-4 के गांव बालूदा के निवासी स्वयं ही एक-एक घर को सैनेटाइज करने का अभियान चलाया है। बीते तीन दिन में गांव में चार लोगों की मौत हो गई है। गांव की 10 से 15 फीसदी आबादी फीवर से पीड़ित है। गांव बालूदा में पिछले एक माह से यहा के निवासियों को बुखार का रोग लगा हुआ है।

गांव की 10 से 15 फीसदी आबादी बुखार से पीड़ित हैं। गांव में तीन दिन में चार लोगों की मौत हो गई है। लोगों की हुई मौत से ग्रामीणों में आतंक का माहौल बना हुआ है। लोग मरने वालों की मौत का कारण

500 घरों में से अभियान के तहत पहले दिन ग्रामीणों ने 50 घर किए सैनेटाइज

10 से 15 फीसदी आबादी बुखार से पीड़ित, तीन दिन में चार लोगों की हुई मौत

कोरोना या टाइफाइड होना मान रहे हैं। ग्रामीणों ने अब अपनी सुरक्षा स्वयं ही करने की योजना बनाई है। गांव के निवासी दलेर सिंह यादव ने बताया कि उनके साथ पूर्व सैनिक

दरबारा सिंह, प्रदीप यादव, सोनू, बबलू और प्रदीप ने मिलकर योजना बनाई है। योजना के तहत गांव में स्थित करीब 500 घरों को स्वयं ही सैनेटाइज करने का अभियान शुरु किया। अभियान की शुरुआत मंगलवार से की गई। पहले दिन करीब 50 घरों को सैनेटाइज किया।

नगर परिषद से मिलेगा सैनेटाइजर

सोनू यादव ने बताया कि नगर परिषद सोहना के कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक ने गांव में सैनेटाइजिंग अभियान में दवा की कमी नहीं आने का आश्वासन दिया है। लेकिन उनकी टीम इस अभियान को कोरोना व टाईफाइड बीमारी का अंत न होने तक चलाएगी।

ऐसा कहते हैं परिषद के अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक ने बताया कि शहर के अन्य किसी भी वार्ड में जनहित में कार्य करने वाले लोगों को सैनेटाइज करने में पूरी मदद दी जाएगी। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए परिषद हर संभव सहयोग करने में आगे रहेगा।

एटीएम कार्ड बदलकर निकाले हजारों रुपये

पलवल। एटीएम से रुपये निकाल रहे व्यक्ति का कार्ड बदलकर हजारों रुपये निकाल लिए गए। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सतीश के अनुसार पलवल की कृष्णा कालोनी निवासी जयप्रकाश ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती 21 अप्रैल को वह बस स्टैंड चौक स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से रुपये निकाल रहा था। उसी दौरान एक अज्ञात युवक एटीएम बूथ के अंदर आया और पीड़ित को गुमराह कर एटीएम कार्ड बदल लिया। जिसके बाद अलग-अलग जगह पीड़ित के खाते से 35 हजार रुपये निकाल लिए गए।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन: पांच बाइक, दो बड़े वाहन किए इम्पाउंड

सोहना। सिटी थाना पुलिस ने बिना कारण घरों से बाहर निकलने वालों के वाहनों को इम्पाउंड करते हुए चालान काटे। पुलिस ने जांच के दौरान पांच बाइक और दो बड़े वाहनों को पकड़ा। लॉकडाउन में घरों से बाहर बिना किसी मकसद के निकलने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। मंगलवार को सिटी थाना पुलिस की गठित टीमों ने राष्ट्रीय मार्ग, अनाज मंडी, शहीद भगत सिंह फव्वारा सहित अन्य स्थान पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों को इंपाउंड किया। आरोपियों पर लॉकडाउन नियम को तोड़ने के मामले दर्ज किए गए। सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि 10 लोगों का मास्क न लगाने पर चालान काटें। मास्क न लगाने वालों पर पुलिस सबसे पहले शिकंजा कसेगी।

हथियारों के बल पर नकाबपोशों ने लूटा शराब का ठेका

सोहना। शहर के वार्ड-6 की हरीनगर कॉलोनी में बना शराब के ठेका पर आए नकाबपोश बदमाश हथियार के बल पर 92 पेटी शराब तथा 46 हजार 400 रुपये की नकदी लूटकर ले गए। बदमाशों ने शराब के ठेका पर सौ रहे दो सैल्समेन के मुंह में कपड़े भर दिये। साथ लाए दो वाहनों में शराब समेत नकदी, मोबाइल, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य सामान को लूटकर ले गए। सोमवार-मंगलवार की मध्यरात्रि सोहना के वार्ड-6 की हरीनगर कॉलोनी में बना शराब के ठेका पर दो वाहनों में सवार होकर आए 4/5 अज्ञाब बदमाश पीछे की दीवार को कूदकर शटर खोलकर अंदर घुस गए। शराब के ठेका पर अंदर अलग-अलग चारपाई पर सो रहे दो सैल्समेन को बदमाशों ने पहले तो हथियार दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद उनके मुंह में कपड़ा ठूंसते हुए चारपाइयों पर ही बांध दिया। ठेका में ताले में बंद शराब की पेटियों की चाबी लेने के बाद बदमाशों ने अलग-अलग ब्रांड की 92 पेटियों को साथ लाए गाड़ियों में भर लिया। सैल्समेंन रविन्द्र पुत्र रघुबीर जिला जींद का गांव लाजवान निवासी ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि गल्ले में रखे 40 हजार रुपये निकालने के बाद उनके जेबों की तलाश ली। उसके पर्स में रखे पांच हजार तथा उसके साथी रामचन्द्र निवासी सैयदपुर तहसील सवाजपुर जिला हरदोई उत्तर प्रदेश के पर्स में से 1400 रुपये निकाल लिये।

18 से 44 वर्ष की उम्र वालों का टीकाकरण हुआ शुरू

सोहना। स्वास्थ विभाग ने मंगलवार से कोविड वैक्सीन लगाने के लिए दो अलग-अलग सेंटर बनाएं। नागरिक अस्पताल में 18 से 44 वर्ष की उम्र वालों को कोविड वैक्सीन का टीका लगाने का अभियान मंगलवार से शुरुआत की गई। जबकि 45 से अधिक उम्र वालों को पहली व दूसरा टीका लगाने के लिए अलग से शिविर लगाया गया। मंगलवार को कोविड वैक्सीन टीकाकरण के लिए स्वास्थ विभाग द्वारा दो अलग-अलग सेंटर बनाएं गए। नागरिक अस्पताल में बने सेंटर पर 18 से 44 वर्ष की उम्र वालों को वैक्सीन का टीका लगाया गया। जबकि शहर की पंजाबी धर्मशाला में 45 से अधिक उम्र वाले नागरिकों को कोविड का टीका लगाया गया। दो अलग-अलग सेंटर एक स्थान पर अधिक भीड़ जमा न होने देने के उद्देश्य से बनाए गए। ताकि एक ही स्थान पर भीड़ न हो सके। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि पहला टीका लगवाने वाले को ऑनलाइन अपना पंजीकरण कराना जरुरी है। दूसरा टीका लगवाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं। दूसरा टीका लगवाने वाले समय पर सेंटर पहुंचकर वैक्सीन लगवा सकते हैं। समय से तीन से चार दिन देर तक भी कोई परेशानी नहीं होगी। मंगलवार को भी गुरुग्राम से सोहना के नागरिक अस्पताल में कोविड का टीका लगवाने के लिए लोग सोहना पहुंचे। जिसमें युवाओं की संख्या अधिक थी। गुरुग्राम निवासी आशीष ने बताया कि उसका पंजीकरण ऑनलाइन में सोहना के लिए हुआ था।

एमआरपी से अधिक कीमत पर बेचने पर काटा चालान

गुरुग्राम। जिला में निर्धारित एमआरपी से अधिक कीमत पर सामान बेचने वालों पर गुरुग्राम जिला प्रशासन ने निगरानी रखनी शुरू कर दी है। लॉक डाउन की आड़ में जरूरी खाद्य वस्तुओं के अनावश्यक रूप से दाम ना बढ़ाए जाएं। ऐसे विक्रेताओं पर कार्रवाई की जा रही है जो खरीदारों से निर्धारित एमआरपी से ज्यादा कीमत वसूल रहे हैं। जिला प्रशासन की टीम ने मंगलवार को ऐसे ही एक दुकानदार पर कार्रवाई करते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत उसका चालान किया है। जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विभाग के इंस्पेक्टर इंचार्ज राकेश को सूचना मिली कि सेक्टर-48 स्थित मोर हाइपर मार्ट में एमआरपी से अधिक कीमत पर सामान बेचा जा रहा है। शिकायतकर्ता प्रमोद कुमार ने खाद्य आपूर्ति निरीक्षक राकेश को बताया कि उसने मोर हाइपर मार्ट से मूंगफली का तेल खरीदा था। जिसका एमआरपी 220 रुपये था, लेकिन मार्ट द्वारा इसे 253 रुपये 80 पैसे का बेचा जा रहा है। इस पर जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक विभाग के इंस्पेक्टर इंचार्ज राकेश की टीम द्वारा मौके पर जाकर तथ्यों की पड़ताल की गई। जिस पर शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत सही पाई गई। टीम ने इस पर कार्यवाही करते हुए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत उसका चालान किया गया। उपायुक्त डा. यश गर्ग ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव के लिए लगाए गए लॉकडाउन में आमजन को किसी भी प्रकार से आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता में व्यावधान नहीं होगा। खरीददार भी ध्यान रखें और एमआरपी से अधिक दरें वसूले जाने के संबंध में विभाग के हेल्पलाइन नंबर -9999097004 पर शिकायत करें।

रात्रि कर्फ्यू की अवहेलना में 11 लोगों के खिलाफ हुई कार्रवाई : एसपी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रदेश में कोरोना के बढ़ते हुए प्रकोप को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने तीन मई से 10 मई सुबह 5:00 बजे तक कोरोना चेन को तोड़ने के लिए प्रदेश में संपूर्ण लॉकडाउन लागू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक दीपक गहलावत आईपीएस ने कहा है की लॉकडाउन के दौरान जिले भर में नागरिकों की गैर-आवश्यक गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान नागरिक सड़क या किसी सार्वजनिक स्थान पर अनावश्यक रूप से न तो पैदल और न ही गाड़ी से आवागमन कर सकेंगे। इस कोरोना कर्फ्यू के समय लोगों की परेशानियों को समझते हुए आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को छूट दी गई है।

जिन लोगों के लिए छूट का प्रावधान किया गया है उनमें कानून और व्यवस्था, आपातस्थिति, नगरपालिका सेवाओं की ड्यूटी में कार्यरत कार्यकारी, मजिस्ट्रेट, पुलिस कर्मियों, वर्दी में सेना / सीएपीएफ बल के जवान, स्वास्थ्य, बिजली, अग्निशमन विभाग, मान्यता प्राप्त पत्रकार और कोविड -19 से संबंधित

लॉकडाउन के उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई: एसपी

10 मई तक बढ़ाया लॉकडाउन, पलवल पुलिस ने 22 नाके लगाए

कार्यों के लिए लगाई गई सरकारी मशीनरी से जुड़े लोग शामिल हैं। इन सभी को पहचान पत्र रखना होगा।

अधिकृत अधिकारी द्वारा दिए गए स्पेशल पास वाले लोगों को ही आवागमन में छूट रहेगी। आवश्यक और गैर आवश्यक वस्तुओं के अंतरर्राज्यीय और राज्य में एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन पर प्रतिबंध नहीं रहेगा, लेकिन इस दौरान सभी वाहन चालकों को अपना मूल व गंतव्य स्थान बताने और सत्यापन करवाने के बाद ही अनुमति दी जाएगी। कोरोना लॉकडाउन के दौरान सार्वजनिक और निजी अस्पताल, पशु

पुलिस कप्तान पलवल।

चिकित्सा अस्पताल और सभी संबधित चिकित्सा प्रतिष्ठान, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में विनिर्माण और वितरण इकाइयां जैसे सभी दवाई की दुकानें, चिकित्सा उपकरण दुकानें, एंबुलेंस मेडिकल और पैरा मेडिकल स्टाफ को लॉकडाउन में छूट दी जाएगी। एटीएम खुला रहने की अनुमति दी जाएगी। गर्भवती महिलाओं और रोगियों को चिकित्सा / स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने के लिए भी आने-जाने की अनुमति होगी। आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन तथा एयरपोर्ट जाने या वहां से लौटने वाले यात्रियों को भी आवागमन की अनुमित होगी। कोरोना लॉकडाउन के दौरान गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशानिर्देश अनुसार आवश्यक वस्तुओं के निर्माण पर कोई अंकुश नहीं रहेगा। वाणिज्यिक और निजी प्रतिष्ठान, दूरसंचार, इंटरनेट सेवाएं, पेट्रोल पंप, पेट्रोलियम और गैस गैस खुदरा भंडार, बिजली उत्पादन से संबंधित इकाइयां, वेयर हाउस सेवाए, किसानों और खेत में काम करने वालो के साथ कृषि और बागवानी उपकरण भी लॉकडाउन के दौरान छूट प्राप्त होगे।

लॉकडाउन अवधि के दौरान सभी प्रकार के शिक्षण संस्थान, ट्रेनिंग व कोचिंग सेंटर बंद रहेंगे। सभी सिनेमा हॉल, माल, शॉपिंग कंपलेक्स, जिम, खेल, स्विमिंग पूल, मनोरंजन पार्क , बार ऑडिटोरियम आदि बंद रहेंगे। सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन के कार्यक्रम बंद रहेंगे। इनके आयोजन के लिए उपायुक्त पलवल कार्यालय से पहले अनुमति लेनी होगी। सभी धार्मिक स्थल व पूजा पर आम जनता के लिए पाबंदी रहेगी। सभी आवश्यक वस्तुओं की दुकान शाम 6: 00 बजे बंद हो जाएंगी। इसके अलावा अन्य दुकानें बंद रहेगी।

लॉकडाउन में एटीएम मशीनों ने भी छोड़ा साथ

सोहना की तमाम एटीएम मशीनों पर खराब या नकदी न होने के नोटिस हुए चस्पा

सोहना। शहर में लॉकडाउन लगने के साथ ही 90 फीसदी एटीएम से नकदी निकलनी हुई बंद। एटीएम मशीनों पर खराब होने व नकदी न होने के नोटिस चस्पा कर दिए गए हैं। कुछ के शटर बंद कर दिए गए हैं। उपभोक्ता नकदी निकालने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं।

सोमवार से सम्पूर्ण लॉकडाउन लगने के साथ ही शहर में लगे 30 से 35 एटीएम में नकदी डालने का कार्य भी ठप हो गया है। मंगलवार की सुबह तक 90 फीसदी एटीएम से नकदी निकलना बंद हो गया। 50 से 60 फीसदी एटीएम के शटर बंद कर दिए गए। जबकि कुछ एटीएम पर मशीन खराब होने तथा नकदी न होने के नोटिस चस्पा दिए गए।

दर-दर की ठोकरें खाते रहे उपभोक्ता

आम उपभोक्ता अपनी जेब खर्चे या जरूरत को लेकर एटीएम से नकदी निकालने के लिए घरों से बाहर निकले, लेकिन एटीएम मशीनों से नकदी न मिलने पर एक से दूसरा व दूसरे से तीसरे एटीएम पर चक्कर काटते रहे। नकदी निकालने के लिए घरों से बाहर आए उपभोक्ता पुलिस से आंख मिचौली का खेल खेलते हुए भी नजर आए। कही पुलिस उन्हें पकड़ न ले।

सोहना में बंद पड़े एटीएम।

10 फीसदी एटीएम पर नकदी मिली

ज्ञानचंद जैन का कहना है कि सोमवार की शाम तक शहर के 10 फीसदी एटीएम से नकदी निकल रही थी, लेकिन रात होते-होते वह नकदी भी समाप्त हो गई। पूरी रात गार्ड बिना नकदी के एटीएम की रखवाली करते रहे।

स्वतंत्रता सेनानी भूप सिंह की पत्नी नानसी देवी का निधन

98 साल की थीं श्रीमती नानसी देवी

गुरुग्राम। आईएनए के स्वतंत्रता सेनानी गांव दरबारीपुर निवासी स्व. श्री भूप सिंह की पत्नी नानसी देवी का मंगलवार को स्वर्गवास हो गया। वे 98 वर्ष की थीं। उनका अंतिम संस्कार गांव दरबारीपुर में किया गया। नानसी देवी के पति स्व. भूप सिंह ने सन 1944 में सुभाष चंद्र बोस की अगुवाई में आजाद हिंद फौज में शामिल होकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में देश में व देश से बाहर सिंगापुर व रंगून आदि में रहकर स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया। अनेक प्रकार की यातनाएं सहीं। फिर सन 1946 में अपने वतन लौटकर गांव में रहने लगे।

स्व. भूप सिंह 1948 में दोबारा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश सेवा करते हुए सन 1963 मे सेना से सेवानिवृत्त हो गए। इसके बाद वे घर की जिम्मेदारियां संभालने के अलावा समाज सेवा से भी जुड़े रहे। स्व. श्रीमती नानसी देवी के परिवार में एक लड़का ओम प्रकाश, तीन लड़कियां

नानसी देवी।

घोषण देवी, लीला देवी व मूर्ति देवी तथा इनके तीन पोते व दो पतियों के साथ भरा पूरा परिवार है। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी समिति की तरफसे कपूर सिंह दलाल जिलाध्यक्ष व सूबेदार बिजेंद्र ठाकरान महासचिव ने उनकी मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिव्यांगत आत्मा की शांति की कामना की। स्वर्गीय नानसी देवी के अंतिम संस्कार में गांव के सरपंच रामवीर सिंह, कैप्टन खजान सिंह, केवराज, महावीर सिंह, नाहर सिंह, कैप्टन सूरजमल, कंवर सिंह, राजपाल सिंह नंबरदार, डिप्टी डीईओ रणवीर सिंह, दुर्गेश वकील आदि ने श्रद्धांजलि दी।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में युवक पर केस दर्ज

पलवल। सोशल मीडिया पर अभ्रद भाषा का प्रयोग कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला प्रकाश में आया है। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुरेंद्र के अनुसार पलवल की शमशाबाद कालोनी निवासी संजय ने शिकायत दर्ज कराई है कि दो मई की शाम पांच बजे अपने साथी विक्रम निवासी भाटिया कालोनी के साथ मीनार गेट पर मौजूद था।

उसी समय फेसबुक पर देखा कि ट्रैक्टर मार्केट सैनी नगर निवासी सोनू कुरैशी ने अपनी फेसबुक स्टोरी में भगवानों के प्रति अभद्र टिप्पणी लिखी हुई है। सामुदायिक विशेष की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने व साम्प्रदायिक दंगा भड़काने के लिए सोनू ने ऐसा किया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस ने पढ़ाया शहरवासियों को लॉकडाउन का पाठ

सिटी और सदर थाना प्रभारी समेत एसीपी संदीप मलिक स्वयं मैदान में उतरे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंगलवार को पुलिस प्रशासन ने शहर में लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने दिया। शहरवासियों से सम्पूर्ण लॉकडाउन के नियम को पूर्ण रूप से पालन कराया। सब्जी मंडी और किराने की दुकानें आवश्यकता अनुसार ही खोलने के निर्देश दिए गए हैं। सोमवार को सम्पूर्ण लॉकडाउन की धज्जियां उड़ा रहे शहरवासियों को मंगलवार की सुबह ही पुलिस ने सख्ती बरतते हुए सबक सिखा दिया।

सोमवार को सम्पूर्ण लॉकडाउन का पहला दिन होने के कारण पुलिस प्रशासन ने सुबह 10 बजे तक ढील दे दी थी। लेकिन मंगलवार को भी आम लोगों को रवैया में सुधार होता न देख पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया। सोहना सिटी व सदर थाना प्रभारी समेत एसीपी

पूर्ण लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित कराने से बंद सोहना के बाजार।

संदीप मलिक स्वयं मैदान में उतर आए। जिन्होंने शहर में खुले बाजारों को सुबह 9 बजे बंद कराना शुरू कर दिया। उससे पहले सब्जी मंडी में सब्जियों को बेचने व खरीदने में मस्त किसान, दुकानदार, पल्लेदार व आढ़तियों को सबक सिखाना शुरू किया।

सुबह सवेरे मिलेगी जरूरी सामान खरीदने की छूट

जानकारी के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों ने आम लोगों को जरूरत की वस्तुओं को खरीदने लिए सुबह के समय में मात्र तीन घंटा की छूट दी है। जिसमें सब्जी,फल व राशन का सामान खरीदने के लिए सुबह 6 से 9 बजे तक रहेगी। उसके बाद बिना किसी कारण के घरों से बाहर निकलने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

ऐसा कहना है एसएचओ का

सिटी थाना के प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि सम्पूर्ण लॉकडाउन के निमयों का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। घरों से बाहर निकलने वालों लोगों पर मामले दर्ज किए जाएंगे।

पेयजल आपूर्ति की लाइन टूटी, शहरवासी पानी को तरसे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गुरुग्राम-सोहना के बीच एलिवेटेड मार्ग के आ रही शहरवासियों के लिए पेयजल आपूर्ति की लाइन टूट जाने से एक-एक बूंद को लोग तरस गए। जिससे 35 हजार की आबादी वाले सोहना शहर में सोमवार की शाम को पेयजल सप्लाई ठप रही। शहरवासियों को मंगलवार की सुबह पेयजल की आपूर्ति मिली।

गुरुग्राम-सोहना के बीच निर्माणाधीन एलिवेटेड मार्ग पर जेसीबी चालक की बरती गई लापरवाही से घामडौज से सोहना आ रही पेयजल सप्लाई की लाइन का पाइप टूट गया। जिससे सोमवार की शाम को 35 हजार की आबादी वाले सोहना शहरवासियों को एक बूंद पानी की सप्लाई में नहीं मिला। जबकि गर्मी के मौसम में शहरवासी पानी की एक-एक बूंद को तरस रहे है। जानकारी के अनुसार एलिवेटेड मार्ग

गुरुग्राम-सोहना के बीच निर्माणाधीन एलिवेटेड मार्ग के साथ टूटी पेयजल आपूर्ति की लाइन को जोड़ते कर्मचारी।

पर जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी के सामने जेसीबी से खुदाई का कार्य किया जा रहा था। जिसमें जेसीबी चालक ने पानी सप्लाई की लाइन को अंदेखा करते हुए जोरदार पंजा से झटका मारा। जिससे पानी की लाइन टूट गई।

पानी की लाइन टूटने के से पाइपों में चालू पानी आस के खेतों में भरने लगा। पानी की बढ़ती मात्रा को देख जेसीबी चालक के होश उड़ गए। जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सूचना देकर घामडौज में स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से सप्लाई को बंद कराया गया।

देररात तक चला लाइन जोड़ने का कार्य

एलिवेटेड मार्ग के निर्माण में लगी एजेंसी के कर्मचारियों ने पेयजल आपूर्ति की टूटी हुई लाइन को जोड़ने में चार से छह घंटा का समय लगा। जिसके चलते शहरवासियों को सोमवार की सुबह के बाद मंगलवार की सुबह 24 घंटा के बाद पेयजल की सप्लाई मिली।

जनस्वास्थ्य विभाग अधिकारी ने लिखा पत्र

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई रामकुमार ने बताया कि एचजी इंट्राफेक्चर कंपनी के जीएम को पत्र लिखकर भविष्य में ऐसी लापरवाही बरतने पर जुर्माना लगाने तथा दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की हिदायतें दे दी गई है।

चार बैलों की तस्करी के चार आरोपी पुलिस ने धरे

पलवल। थाना हथीन प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि हथीन के वार्ड नंबर -7 निवासी अनिल कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है कि दो मई को मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि गांव कोट निवासी शाहीद अपने तीन साथियों के साथ यूपी से चार बैलों को बुग्गी में जोतकर मेवात तस्करी कर के ले जा रहा है। सूचना मिलते ही पीड़ित अपने साथी भारत भूषण के साथ चुंगी मोड़ पर पहुंचा तो चार व्यक्ति बैलों को चार बुगिगयों में जोड़कर उटावड़ मेवात की तरफ जा रहे थे। जिनसे नाम-पता पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम शाहिद निवासी गांव कोट, आजाद, नियमुद्दीन, व समयदीन निवासी नगला जिहानु थाना जेवर जिला गौतमबुद्ध नगर (यूपी) बताया। पीड़ित द्वारा तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

माइग्रेंट विद्यार्थियों की क्वारंटाइन जरूरतों में मदद के लिए आगे आए मनीष मिश्रा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वर्तमान समय में सभी लोग समस्याओं के दौर से गुजर रहे हैं। इन्हीं में दिल्ली में पढ़ रहे प्रवासी एकल छात्र भी शामिल हैं। विविध समस्याओं के बीच उनके लिए क्वारंटाइन सुविधाओं का भुगतान एक बड़ी समस्या है, जिसको ध्यान में रखते हुए दिल्ली की एक मानव संसाधन (एचआर) पेशेवर मनीष मिश्रा ने राजधानी में ऐस प्रवासी स्टैंडअलोन छात्रों की मदद करने का बीड़ा उठाया है।

ज्ञात हो, मनीष मिश्रा, दिल्ली में एक मानव संसाधन प्रबंधन फर्म चलाते हैं। उन्होंने प्रत्येक छात्र को आगामी 1-11 मई के बीच कोरोना संकट से उबरने में मदद करने के लिए 2,000 रुपये का हस्तांतरण करके मदद करने की पहल की है।

इन प्रवासी छात्रों को इस मदद का लाभ उठाने के लिए अपनी जानकारी (आधार कार्ड, कोविड रिपोर्ट ई) और संकट के संक्षिप्त नोट भारतमनीषमिश्राएटजीमेलडॉटकॉम bharatmanishmishra@gmail.com पर भेज सकते हैं। अभी तक 510 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को मदद की गयी है।

अपनी इस पहल के बारे में बात करते हुए मनीष मिश्रा ने कहा कि, 'मैं इन प्रवासी छात्रों की समस्या से अवगत हूं, जिन्हे कोविड के चलते क्वारंटाइन सुविधा में स्थानांतरित होना पड़ सकता है। यह उनकी समस्याओं को बढ़ा देगा, छात्रों की पीड़ा और दुर्दशा को समझते हुए मैंने खुद को इस पहल के लिए प्रतिबद्ध किया है। मनीष ने कहा, मैं एक कोई बड़ा कॉरपोरेट नहीं हूं लेकिन मुझे लगता है कि अगर 1.30 बिलियन आबादी में से 1000 लोग भी छोटे परोपकारी कार्य करने के लिए साहस और प्रेरणा इकट्ठा करते हैं, तो यह देश को इस संकट से उबरने में मददगार साबित होगा।''

उन्होंने कहा कि संकट के समय में हम देख सकते हैं कि एनजीओ, सरकार, कॉरपोरेट्स से ऑक्सीजन, इंजेक्शन, लॉजिस्टिक की मदद आ रही है, ऐसे में आपात स्थितियों में बैंक खाते में तत्काल नकदी की जरूरत भी पड़ सकती है, इसलिए यह छोटी मदद बहुत सहयोग करने में सक्षम रहेगी।

वेंटिलेटरों के दूसरे जिलों में ले जाने का

विरोध युवाओं को पड़ा महंगा हिरासत में लिया, मुकदमा दर्ज

10 लोग हिरासत में लिये, 50-60 अन्य लोगों के खिलाफ हुआ मुकदमा

नलहड़ मेडिकल कॉलेज में विरोध प्रदर्शन करते युवा।

सदर थाना नूंह में पहुंचे चौधरी आफताब अहमद।

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आदेश के बाद पलवल तथा रेवाड़ी जिलों के लिए राजकीय शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड़ से वेंटिलेटर ले जाने का विरोध करना जिले के दर्जनों युवाओं को महंगा पड़ गया। पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही 50-60 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पकड़े गए लोगों को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है।

पथराव में तीन पुलिस जवानों के घायल होने की भी खबर है। स्थानीय कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने सदर थाना नूंह पहुंचकर एसएचओ सतीश कुमार से मुलाकात की। वेंटिलेटर ले जाने का विरोध कर रहे युवाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जल्द ही इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बातचीत करने की बात कही।

जानकारी के मुताबिक कल देर रात तकरीबन 10:30 बजे राजकीय शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज नल्हड़ से सरकार के आदेश के बाद पलवल तथा रेवाड़ी जिलों के लिए तकरीबन दर्जन भर वेंटिलेटर वाहनों में लाद कर ले जाए जा रहे थे। जैसे ही इसकी सूचना जिले के युवाओं को लगी तो उन्होंने नल्हड मेडिकल कॉलेज पहुंचना शुरू कर दिया। युवाओं ने वेंटिलेटर ले जाने का विरोध किया, जिन्हें नायब तहसीलदार अख्तर हुसैन तथा पुलिस के अधिकारियों ने समझाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन वो आपने जिद पर अड़े रहे।

जब गाड़ियां वेंटिलेटर को लादकर मुख्य द्वार से बाहर निकलने लगी तो युवाओं ने भीड़ बुलाकर सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके दौरान न केवल तोड़फोड़ की बल्कि जमकर पथराव हुआ। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए न केवल हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, बल्कि आंसू गैस के गोले छोड़ने के साथ-साथ हवाई फायर तक भी करने पड़े। तब कहीं जाकर दर्जनभर वेंटिलेटरों को दूसरे जिले में ले जाया जा सका। इस दौरान एसपी नरेंद्र सिंह बिजारनिया दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वेंटिलेटर ले जाने का विरोध कर रहे लोगों को समझाया, लेकिन जिद पर अड़े युवा जब पीछे नहीं हटे तो उन्हें हिरासत में ले लिया। सदर थाना नूह में फैजल पुत्र जान मोहम्मद निवासी पलडी, समीर पुत्र जुबेर निवासी वार्ड नंबर-1 नूंह, बरकत पुत्र जाकिर निवासी फिरोजपुर झिरका, इफ्तिकार पुत्र नसीम अहमद निवासी रेहना, रसीद पुत्र इस्माइल निवासी बड़का, अरसद पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी टाई, शाहिद पुत्र ताज मोहम्मद निवासी हुसैनपुर, कायमदीन पुत्र शेर खान निवासी दिहाना, साकिर पुत्र मूसे खान निवासी दिहाना, शरीफ पुत्र जाकिर निवासी दिहाना को मुकदमे में नामजद करने के अलावा 50-60 अन्य लोगों पर भारतीय दंड संहिता और डीएम एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जैसे ही युवाओं को हिरासत में लेने और मुकदमा दर्ज करने की खबर लोगों को लगी तो सोशल मीडिया पर लोगों ने अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया देना शुरू की। जिसमें सरकार व पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया गया। कुल मिलाकर नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में देर रात तक खूब हंगामा चलता रहा। जिसके बाद पुलिस प्रशासन को सख्ती दिखानी पड़ी और सख्त कार्रवाई की गई तभी जाकर मामला शांत हो पाया।

कौन-कौन हुए चोटिल

भीड़ के किए गए पथराव में आनंद हवलदार, अनिल हवलदार, सुमित कुमार सिपाही घायल हो गए। तीनों पुलिस जवानों का उपचार कराया गया, जहां से उन्हें छुट्टी दे दी गई। सूत्र बताते हैं कि नल्हड़ मेडिकल कालेज अरावली पहाड़ की तलहटी में बसा हुआ है। पुलिस के एक्शन को देखकर भीड़ पहाड़ पर चढ़ गई और वहां से उन्होंने जमकर पथराव किया।

नल्हड़ प्रकरण: युवाओं की रिहाई को डीसी से मिला प्रतिनिधिमंडल

मेवात। राजकीय शहीद हसन खान मेडिकल कालेज नल्हड़ में हुए वेंटिलेटर प्रकरण में तय्यब हुसैन घासेडिया जजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने धीरेंद्र खड़गटा उपायुक्त मेवात से मुलाकात की। पूरा पक्ष रखा, जो हुआ उस पर खेद भी प्रकट किया तथा जिला प्रशासन से मामले को दरगुजर करने की प्रार्थना की। जिस पर उपायुक्त नूंह ने मुसीबत सोच के साथ मामले को पुलिस अधीक्षक नूंह से बात करने के बाद निपटाने का आश्वासन दिया है। इसी सिलसिले में बुधवार को एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस कप्तान नूह से भी इस सिलसिले में मिलेगा, जिसकी जिम्मेदारी भी जजपा जिलाध्यक्ष की लगाई है। जिसमें सभी प्रमुख संगठनों के लोग भी शामिल रहेंगे। दूसरी तरफ प्रकरण में गिरफ्तार हुए सभी युवाओं को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल में फ़ज़रूद्दीन बेसर, दीन मोहम्मद मामलिका, रमज़ान चौधरी, रसीद अहमद एडवोकेट, समय सिंह एडवोकेट, साकिर सालहेड़ी, जान मोहम्मद, अब्बास खान खेड़ी, डॉ अशफाक खान, आसिफ ठेकेदार, युसुफ खान सेवका, इमरान खान सेवका आदि अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउनः एसी ऑफिस छोड़ सड़क पर उतरे आला अफसर

मेवात। लॉकडाउन के नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस विभाग के अधिकारी अब एसी कमरों को छोड़कर सड़कों पर उतर आए हैं। सुधीर तनेजा डीएसपी नूंह मुख्यालय ने जिला मुख्यालय नूंह शहर के अड़बर चौक पर पुलिस जवानों के साथ दुकानों को बंद करवाया। उन्होंने कहा कि जो दुकानदार नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। सुधीर तनेजा डीएसपी ने कहा कि लोग पहले के मुकाबले लॉकडाउन के नियमों को लेकर जागरुक हैं और सहयोग भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ उन्हीं दुकानों को खुलने दिया जाएगा, जिनको हरियाणा सरकार ने अपने आदेश में खोलने की इजाजत दी है। उसके अलावा कोई दुकान नहीं खुलने दी जाएगी। जिले भर में लॉकडाउन के नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस विभाग पूरी तरह से कमर कस चुका है और जिले में अलग-अलग स्थानों पर जाकर हालात का जायजा ले रहे हैं।

203 नए लोग हुए संक्रमित, 186 ने कोरोना को हराया

नूंह। जिले में पहली बार मंगलवार को कोरोना के नए 203 संक्रमित मिले। जिससे स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया। इससे पूर्व बड़ी संख्या सोमवार को भी 193 नए कोरोना के संक्रमित मिले। हालांकि इस बीच 186 लोग स्वस्थ भी हुए जोकि लोगों के लिए काफी राहत भरा रहा। मंगलवार को जिले में 203 नए मामलों में जिले के नूंह खंड में 71, इंडरी 3, तावडू 64, पुन्हाना 12, पिनगवां 9, नगीना 24 व फिरोजपुर झिरका में 20 नए मामले आए। अब जिले में कोरोना का 549 एक्टिव मरीज है। जिले में एक्टिव की यह संख्या पहली बार यहां तक पहुंची है। जिले में अभी 2113 लोगों की रिपोर्ट आना बाकी है। अभी भी जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर दिन लगभग 800 मरीजों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह सैंपल आरटीपीसीआर एवं रेपिड एंटीजन टेस्टिंग किट द्वारा लिए जा रहे हैं। विभाग के अभी भी लोगों को कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए मास्क लगाना, बार-बार साबुन से हाथ धोना और दो गज की दूरी बना कर रखने के सख्त निर्देश दिए गए है। जिले में अब तक कोरोना के 2971 मामले सामने आए हैं। जिनमें अब तक 2382 मरीज ठीक हो गए हैं। वहीं कोरोना से जिले में अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है। जिले में अब तक 74131 लोगों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 60081 लोगों का निगरानी में रखने का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 14050 लोग अंडर सर्विलांस हैं। अब तक 236155 लोगों के सैंपल लैब में भेजे जा चुके हैं जिनमें से 230333 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है।

समाज आपदा प्रबंधन से कोरोना की करें रोकथामः राजाका

नूंह। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं मेवात डेवलपमेंट एजेंसी के पूर्व चैयरमेन खुर्शीद राजाका ने समाज को जागरूक करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण पर रोकथाम लगाने के लिये आपदा प्रबंधन कार्यशैली से कोरोना का उपचार करें। उन्होंने बताया कि जब भी देश में कोई प्राकृतिक या मानवाकृति आपदा आती है तो प्रथम स्टेज पर किसी सरकार से अनावश्यक मदद मांगने की बजाए परिस्थितियों को समझकर अपनी मदद खुद से करी जाती है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन का मूल सिंद्धात यह है कि विपदा के समय में प्रथम उपचार अपने पास मौजूद संसाधनों से करें और उसके बाद किसी सरकार से या बाहरी संसाधनों से उम्मीद करें, क्योंकि इस कोरोना संकट में हमें अपने अपने गांव मोहल्लों में सामुदायिक स्तर पर प्रथम स्टेज पर कोरोना के संक्रमण को रोकना है तो उसका एकमात्र प्रथम उपचार है प्रत्येक व्यक्ति को मास्क लगाना, एक दूसरे से दूरी बनाना, भीड़भाड़ से बचना और प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन का टीका लगवाना, क्योंकि इन कार्यों पर अमल करने में किसी सरकारी मदद व धन की आवश्यकता नहीं होती। इसलिये प्रत्येक पुरुष व महिला अपने घर पर ही सादा कपड़े का मास्क बनाकर प्रयोग करें। अपने गांव मोहल्ला व देश को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए समाज को आत्मनिर्भर व जागरूक बनाएं। खुर्शीद राजाका चेयरमैन ने कहा कि जब हम प्रथम स्टेज पर ही कोरोना संक्रमण की रोकथाम कर देंगे तो फिर हमें किसी हॉस्पिटल, बेड, वेंटीलेटर, ऑक्सीजन आदि की ज्यादा जरूरत नहीं होगी। इस तरीका से समाज में घबराहट, अफरा तफरी व डर का माहौल नहीं बनेगा बल्कि एक दूसरे पर और सरकार पर भरोसा बढ़ेगा। खुर्शीद राजाका चेयरमैन ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल को आज भेजे गये सुझाव पत्र में लिखा है कि यदि गांवों से जुड़े सभी अध्यापक, पटवारी, ग्राम सचिव मिलकर लोगों को आपदा प्रबंधन की कार्येशैली को समझाएं तो कोरोना संक्रमण को रोकने में देश व सरकार का बहुत बड़ा सहयोग कर सकते हैं।

पत्रकारों को भी मिले कोरोना योद्धा की पदवीः एनसीआर मीडिया क्लब

गुरुग्राम। एनसीआर मीडिया क्लब ने वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे (विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस) सादगी से मनाया। ऑनलाइन आयोजित इस प्रोग्राम में क्लब के पदाधिकारियों ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से अपील की है कि कोरोना की रिपोर्टिंग में जुटे पत्रकारों को भी कोरोना योद्धा के रूप में सम्मानित किया जाए। सरकारें इस दौरान कोरोना से संक्रमित हुए पत्रकारों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं व दिवंगत हुए पत्रकारों के परिजनों को उचित मुआवजा दें। क्लब ने यह भी अपील की है कि देश में कोरोना संक्रमण के कारण हालात बेहद नाजुक हैं। ऐसे में अफवाह न फैलाएं, कालाबाजारी न करें और जितना हो सके पीड़ितों की मदद करें। एनसीआर मीडिया क्लब अध्यक्ष अमित नेहरा ने इस अवसर पर कहा कि कोरोनाकाल में पत्रकार भी कोरोना में फ्रंटलाइन वर्कर की भूमिका निभा रहे हैं, अतः सरकार उन्हें कोरोना वॉरियर्स का पद दे। रिपोर्टिंग के लिए पत्रकारों का हॉस्पिटल्स, लेबोरेट्रीज, शवदाह गृहों और प्रशासनिक अधिकारियों व कर्मचारियों के पास आना-जाना लगा रहता है। अतः ये भी कोरोना में हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं अतः सरकारों को इनके इलाज और निधन होने पर परिजनों को उचित मुआवजे की व्यवस्था करनी चाहिए। क्लब के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप डबास ने कहा कि कुछ राज्य सरकारों ने पत्रकारों को कोरोना योद्धा मान लिया है अतः बाकी सरकारों को भी इन्हें कोरोना योद्धा मान लेना चाहिए। क्लब की वाईस प्रेसिडेंट सरोज अग्रवाल ने कहा कि देश में कोरोना संक्रमण के कारण हालात बेहद नाजुक हैं। ऐसे में किसी भी तरह की कोई अफवाह न फैलाएं, कालाबाजारी न करें और जितना हो सके पीड़ितों की मदद करें। एनसीआर मीडिया क्लब के महासचिव नवीन धमीजा ने कहा कि आज पूरी दुनिया प्रेस स्वतंत्रता दिवस मना रही है। अतः भारत में भी प्रेस की स्वतंत्रता बहुत जरूरी है।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)

9050976800
9416103259

ओल्ड थाना पिनगवां के सामने
मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

पुलिस ने तस्करों से 19 गोधन सकुशल बचाए

ललित गर्ग। पुन्हाना

पुलिस ने गो तस्करों के चंगुल से 19 गोधन सुरक्षित बचाने में कामयाबी पाई है। पुलिस ने छुड़ाए गो धनों को गोशाला भेज दिया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने मौके से ट्रक कब्जे में ले लिया है। आरोपियों की पहचान करके मामला दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस उप निरीक्षक विरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में गोतस्करी व गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए पूरी मुस्तैदी से काम कर रही है। सहायक उप निरीक्षक रबिन्द्र अपनी टीम के साथ गश्त में शिकरावा मोड पिनगवां पर मौजूद थे। उसी समय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि हनीफ उर्फ टिमानी पुत्र असलूप व जहीर पुत्र इलयास उर्फ बोबलिया निवासीगण उटावड़, महबूब पुत्र महमुदा निवासी तिगांव, जिला नूंह मिलकर गोकशी का धंधा करते हैं। आज भी उत्तर प्रदेश राज्य से हरियाणा में गायों को गोकशी करने के लिए ट्रक में भरकर ला रहे हैं। जिस सूचना पर तेड़ मोड़ पिनंगवा पर नाका बंदी करके गो तस्करों के चंगुल से गाड़ी ट्रक में मुंह पैर को रस्सियों से बांधकर भर हुए 19 गोधन को पुलिस ने मुक्त कराने में विशेष सफलता हासिल की।

गोतस्कर मौका से पुलिस पार्टी को देखकर गाड़ी से कूदकर तंग गलियों व रिहायशी मकानों का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हुए। जिनकी पहचान कर ली गई है। पुलिस ने गो तस्करों के खिलाफ सम्बधित धाराओं में थाना पिनगवां में मुकदमा दर्ज करके मौका से बरामद हुए सभी गोधन व गाड़ी ट्रक को कब्जे में लिया।

मुख्यमंत्री मेवात को कुछ मदद देने के बजाय वेंटिलेटर तक छीन रहे : विधायक आफताब

आफताब ने पुलिस कप्तान से कहा, युवाओं की गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक

सदर थाना नूंह पहुंचे विधायक आफताब अहमद।

दीपक कुमार। नूंह

नूंह विधायक व हरियाणा कांग्रेस विधायक दल उप नेता चौधरी आफताब अहमद मंगलवार सुबह सदर थाना नूंह पहुंचे। युवाओं की गिरफ्तारी का विरोध किया। जिले के पुलिस कप्तान से भी मिले और कहा कि ये अलोकतांत्रिक है। युवाओं पर गलत मुकदमे वो कतई नहीं बर्दाश्त करेंगे। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कोरोना से लड़ने की व्यवस्थाओं को जांचने के नाम पर मेवात आते हैं। घोषणा करते हैं कि मेवात को वेंटिलेटर, ऑक्सीजन प्लांट, नए ऑक्सीजन बेड मुहैय्या कराए जाएंगे, लेकिन वास्तव में वो मेडिकल कॉलेज की निदेशक व जिला उपायुक्त को मौखिक आदेश करते हैं कि मेवात से 10 वेंटिलेटर अन्य जिलों को दिए जाएं, ये दर्शाता है कि उनकी कथनी करनी में कितना फर्क है। मुख्यमंत्री ने मेवात विरोधी सोच का परिचय दिया है। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने बताया कि ये हाल जब है तब उन्हें एक मांग पत्र उन्होंने दिया जिसमें वेंटिलेटर, ऑक्सिजन प्लांट, नए बेड, जीवन रक्षक दवाइयों को बढ़ाने की मांग थी। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने कहा कि प्रदेश सरकार की तानाशाही की हद तब पार हो गई, जब शांति पूर्वक प्रदर्शन कर रहे युवाओं को ऊपर से आदेश देकर गिरफ्तार करवाया जाता है। उन पर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाता है। हम इस तानाशाह सरकार से आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे और कानूनी कार्यवाही अपनाई जाएगी।

मैं कोरोना और सरकार दोनों से लड़ने को मजबूर : विधायक

नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने मनोहर लाल खट्टर सरकार पर मेवात के साथ लगातार दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। मामला चाहे किसान आंदोलन का हो, सीए एनआरसी आंदोलन का हो या फिर अब इन युवाओं की गिरफ्तारी का हो। मेवात के लिए ये सरकार अलग, दोहरा व गलत रवैया अख्तियार करती है। नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने कहा कि ये दुर्भाग्य है कि वो कोरोना से खुद बीमार हैं। बीमारी के साथ-साथ प्रदेश सरकार से भी लड़ना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार कोरोना में पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है। सरकार अपना चेहरा छुपाती घूम रही है।

कोरोना से बचने को लॉकडाउन में रहेंः डा. गर्ग

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

उपायुक्त ने शहर वासियों से की अपील, प्रशासन और सरकार का करें सहयोग

उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने कहा कि कोरोना का संक्रमण जिस तेजी के साथ फैल रहा है, उसको रोकने के लिए सभी को एकजुटता से प्रयास करने होंगे। इसलिए सरकार द्वारा लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया है। यह लॉकडाउन कोरोना के संक्रमण की चेन को तोड़ने में अहम भूमिका निभाएगा।

आमजन को इस लॉकडाउन का पूरी गम्भीरता के साथ पालन करना होगा और बेवजह घर से बाहर ना निकलकर, हमेशा मास्क का प्रयोग करके, सामाजिक दूरियों को अपनाकर कोरोना को हराने में अपनी अहम भूमिका निभानी होगी। उपायुक्त ने कहा कि आमजन के स्वास्थय की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। इस लिए सभी आमजन लॉकडाउन के निर्देशों की पालना अवश्य करे। कोरोना के संक्रमण की चेन को तोड़ने व आमजन के जीवन को सुरक्षित रखने के लिए ही प्रदेश में लॉकडाउन लगाया गया है और यह आमजन के लाभकारी सिद्ध होगा। कोरोना संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे प्रभाव को देखते हुए उस पर रोक लगाया जाना अति आवश्यक है।

लोगों के जीवन को सुरक्षित रखना है, इसी के तहत यह लॉकडाउन लगाया गया है। लोग इस लॉकडाउन में सहयोग करें ताकि कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सके। उन्होंने कोरोना संक्रमण से बचाव के स्टेप भी बताएं। उन्होंने कहा कि सभी को कोविड प्रोटोकोल नियमों जैसे-मास्क पहनना, दो गज की दूरी, हाथों को बार-बार साबुन से धोने आदि के साथ-साथ अन्य हिदायतों का पालन करना है। हमें अपने आंखों नाक और मुंह को छूने से बचना होगा।

खाँसते व छींकते समय अपने चेहरे को कोहनी से या टिशू अथवा रुमाल से कवर करना है ताकि संक्रमण न फैले। लोग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचे और जिन्हें बुखार या खांसी आदि लक्षण हों, उसके संपर्क में ना आए। यदि आप स्वस्थ महसूस ना कर रहे हो तो अपने घर पर ही रहे। यदि व्यक्ति को बुखार, खांसी या सांस लेने में तकलीफहो तो तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

निजी अस्पतालों को जारी किए गए आदेश

नूंह। उपायुक्त धीरेन्द्र ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से निजी अस्पताल संचालकों को सख्त आदेश जारी करते हुए कहा कि जिले में कोई भी निजी अस्पताल जिसकी क्षमता कोविड मरीजों के लिए 10 बैड या उससे ज्यादा है तो वह सिविल सर्जन कार्यालय में अप्लाई करेगा। उसके बाद जिला स्तरीय समिति द्वारा, उस अस्पताल का आंकलन किया जाएगा। जो निजी अस्पताल आईसीएमआर की मार्गदर्शिका को पूर्ण करेगा। उस अस्पताल को ही एस-3 पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा। उसके पश्चात ही अपने अस्पताल में कोविड मरीज को भर्ती करेगा। उन्होंने कहा कि जिले में कोई निजी अस्पताल अगर कोविड मरीज को अपने अस्पताल में लेता है तो उसकी सूचना जिला प्रशासन व सिविल सर्जन को देना सुनिश्चित करें। आईसीएमआर की गाइड लाइन का पूरा पालन करना होगा।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

कभी हिम्मत न हारे आज हारे तँत्र के हाथों
हुए बंधक सभी क़िस्मत के मारे तँत्र के हाथों
थमी साँसे यहाँ जिनकी कमी से ऑक्सीजन की
हुए हैं क़त्ल ये असहाय सारे तँत्र के हाथों

जिले में बढ़ाई जाएगी कोरोना टेस्टों की संख्या : अशोक खेमका

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

वैक्सीनेशन को सफल बनाने के लिए गांव स्तर पर हो मैपिंगः उपायुक्त

हरियाणा सरकार में प्रधान सचिव अशोक खेमका ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में कोविड-19 टेस्ट की संख्या बढ़ाने निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिले में आक्सीजन के इस्तेमाल का भी ऑडिट पता जाए। जिससे आक्सीजन का सही इस्तेमाल किया जा सके। जिले के कोरोना को लेकर बनाए गए नोडल अधिकारी और हरियाणा सरकार में प्रधान सचिव अशोक खेमका ने मंगलवार को जिला प्रशासन नूंह और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक की।

जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरटी-पीसीआर टेस्ट की संख्या जिले में बढ़ाई जाए। जिससे कि कोरोना जैसी महामारी को बढ़ने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि इस बीमारी की रोकथाम का सबसे पहला उपाय यही है कि टेस्ट ज्यादा से ज्यादा किया जाए जिससे कि संक्रमित मरीजों की पहचान हो सके। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कहा कि जिले में इस्तेमाल हो रही ऑक्सीजन कभी ऑडिट रखा जाए। जिससे उपलब्ध ऑक्सीजन का सही तरीके से इस्तेमाल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जो बीएसए प्लांट की घोषणा की है वह जल्द से जल्द काम पूरा किया जाए और तब तक एल टाइप सिलेंडर की उपलब्धता के लिए भी प्रशासन काम करे। वीडियो कार्फ्रेस के माध्यम से जिला उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वैक्सीनेशन का कार्य भी जिले में जल्द से जल्द और प्रभावी तरीके से किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि जिन गांव में वैक्सीनेशन कम हुई है उनकी एक लिस्ट तैयार की जाए ताकि उसके हिसाब से आने वाले वक्त में लोगों को वैक्सीनेशन के लिए जागरूक कर सके और वैक्सीनेशन कार्यक्रम को और अधिक सफल बना सकें।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजराणिया, अतिरिक्त उपायुक्त सुभिता ढाका, एसडीएम नूंह संजीव कुमार, एसडीएम तावडू डा. नरेश, एसडीएम फिरोजपुर-झिरका रीगन कुमार, एसडीएम पुन्हाना रणवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कोरोना ने ली एएसआई की जान

मेवात। एसपी कार्यालय नूंह इंग्लिश ब्रांच में कई वर्षों से कार्यरत सुरेंद्र एएसआई मंगलवार को कोरोना से जिंदगी की जंग हार गए। उन्होंने अल आफिया सामान्य अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक एएसआई सुरेंद्र इंग्लिश ब्रांच में हथियारों के लाइसेंस से सम्बंधित कार्य देखते थे। इससे पहले पलवल जिले में भी उन्होंने इसी ब्रांच में अपनी सेवाएं दी हैं। पिछले सप्ताह वो कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। जिसके बाद उन्हें अल आफिया अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने मंगलवार को दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। एएसआई के निधन की खबर से पुलिस विभाग आहत है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

ममता की शानदार विजय

भाजपा की योजना विफल

ममता बनर्जी की शानदार विजय से भाजपा की योजना इसलिए विफल हुई क्योंकि उसने अपने प्रमुख एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता बनर्जी की छवि खराब करने पर ज्यादा ध्यान दिया। यह भाजपा समर्थकों और उसके आलोचकों के लिए 'आधा गिलास भरा' वाली कहावत है। भाजपा समर्थकों के लिए असम व पुडुचेरी में विजय तथा पश्चिम बंगाल में मत प्रतिशत व सीटों में भारी वृद्धि भाजपा के असाधारण चुनाव प्रबंधन व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का प्रमाण है। लेकिन उसके विरोधियों के अपने तर्क हैं। उनका कहना है कि असम में कांग्रेस पर भाजपा की विजय का अनुमान था क्योंकि कांग्रेस अब वहां असरदार राजनीतिक शक्ति नहीं रही है। इसी प्रकार पुडुचेरी में यह आल इंडिया एनआर कांग्रेस-एआईएनआरसी नेता एन. रंगास्वामी की व्यक्तिगत विजय है और भाजपा को केवल गठबंधन का लाभ मिला है। लेकिन 2021 की असली लड़ाई वाले बंगाल में भाजपा खाली हाथ है। आखिरकार उसने यहां अपनी सारी ताकत झोंक दी थी जिसमें राजनीतिक, वित्तीय व अन्य संसाधन शामिल हैं। स्वयं प्रधानमंत्री ने 18 रैलियों को संबोधित किया था तथा गृह मंत्री अमित शाह ने दर्जनों विशाल रोडशो में भाग लिया था। अनेक अन्य मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने महीनों तक बंगाल में डेरा डाला था तथा मनोवैज्ञानिक क्षेत्र में टीएमसी को हराने के लिए आवश्यक मीडिया लहर पैदा की थी। संयोग से सीबीआई व आयकर विभाग ने अनेक टीएमसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी जो भाजपा के प्रचार का हिस्सा बनी थी।

ममता बनर्जी व उनके समर्थक लगातार आरोप लगा रहे थे कि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष भूमिका निभाने के बजाय एक पक्ष की तरह काम कर रहा था। दूसरी ओर ममता बनर्जी को भाजपा-विरोधी समूह की ओर से ज्यादा समर्थन नहीं मिला। हालांकि, कांग्रेस-वाम गठबंधन ने ममता के मुस्लिम वोट काटने का प्रयास किया, वहीं अनेक पूर्व संप्रग नेता ममता के पक्ष में प्रचार करने आए। बिना किसी गंभीर नीतिगत व कार्यक्रमों पर विमर्श के अभियान अत्यधिक व्यक्तिगत हो गया, मोदी ने व्यंग्यात्मक रूप से 'दीदी ओ दीदी' कहा तथा टीएमसी सुप्रीमो ने शाह पर चुन-चुन कर हमले किए। अपने प्रमुख राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता की छवि ज्यादा खराब करने की भाजपा की योजना विफल हो गई। भाजपा के लिए बंगाली-पहचान की राजनीति ज्यादा घातक और आक्रामक सिद्ध हुई। वह यह समझ नहीं पाई कि भगवान राम ऐसी महिला को डरा नहीं सकते जो लाखों बंगालियों के लिए देवी दुर्गा का रूप है। वास्तव में भाजपा नेताओं ने ममता बनर्जी का जितना मजाक उड़ाया, उनको राज्य की जनता से उतनी ही हमदर्दी मिली। पहचान की राजनीति का प्रतीक बनी नेता ने भाजपा को भारी नुकसान पहुंचाया। अधिकांश उधार लिए राजनीतिक खिलाड़ियों को प्रशांत किशोर ने 'सड़े अंडे' बताया और भाजपा के अपने समर्थकों ने भी उनको अवसरवादी बताया। यह स्पष्ट था कि कार्यकर्ता आधारित कोई पार्टी अपने समर्थकों को हाशिए पर धकेले बिना रातोंरात इतने अधिक बाहरी लोगों को समाहित नहीं कर सकती है। इससे भाजपा को स्पष्ट व जोरदार सबक मिला है कि जब भी पार्टी का मुकाबला क्षत्रपों से हो तो उसे स्थानीय मुद्दों तथा पहचान की राजनीति पर जोर देना जरूरी होगा। पिछले सात सालों का रिकार्ड बताता है कि भाजपा राज्य स्तरीय चुनावों में शक्तिशाली क्षेत्रीय क्षत्रपों के खिलाफजीतने में सफल नहीं हुई है।

निशुल्क टीकाकरण की अनिवार्यता

कम समय के भीतर कम से कम एक बिलियन लोगों को टीका लगाने की सख्त जरूरत है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए केंद्र को सभी को मुफ्त में टीका लगाने का विकल्प चुनना चाहिए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

उदारीकृत मूल्य निर्धारण और त्वरित राष्ट्रीय कोविद-19 टीकाकरण रणनीति (एलपीएनसीवीएस)' के तहत, 19 अप्रैल को घोषित किया गया था, जिसे 1 मई से बंद कर दिया गया था, केंद्र की योजना 18 वर्ष से कम आयु के सभी वयस्कों को टीका लगाने की है। इससे पहले, 16 जनवरी को लॉन्च किया गया इनोक्यूलेशन ड्राइव हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स और 50 साल से ऊपर के लोगों और कॉमरेडिटी वाले लोगों को कवर करता था। ड्राइव के दूसरे चरण में आयु सीमा 45 से ऊपर वालों के लिए लाई गई थी। वैक्सीन निर्माता अपनी सभी आपूर्ति भारत सरकार को दे रहे थे और 150 रुपये प्रति डोज़ चार्ज कर रहे थे, जबकि बाद वाले पात्र लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था कर रहे थे। सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर नि:शुल्क। हालांकि, निजी अस्पतालों में टीकाकरण कराने के इच्छुक लोगों को प्रति खुराक 250 रुपये देने की जरूरत है। भारत सरकार ने जीवीसी में प्रति खुराक 150 रुपये के बराबर किए गए टीकाकरण पर सब्सिडी दी, साथ ही इसे प्रशासित करने की लागत भी। इसे केंद्रीय बजट से वित्त पोषित किया गया था।

यहां तक कि उपरोक्त व्यवस्था में अंतर मूल्य निर्धारण शामिल है, जो उन लोगों के लिए मुफ्त है जैसे कि जीवीसी पर टीका लगाया गया है और अन्य को निजी अस्पतालों में कीमत के लिए जैब मिल रहा है, इस महीने से प्रस्तावित प्रणाली बहुत अधिक जटिल है। इसके तहत, इसकी कुल आपूर्ति में, वैक्सीन निर्माता, भारत सरकार को 150 रुपये प्रति खुराक की दर से 50 प्रतिशत देते हैं और शेष 50 प्रतिशत राज्य सरकारों, निजी अस्पतालों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों को एक मूल्य पर उपलब्ध कराते हैं। अग्रिम में (निजी अस्पतालों द्वारा टीकाकरण के लिए लगाए गए मूल्य की निगरानी की जाएगी)। लोग निजी टीकाकरण केंद्र में नियुक्ति के समय सूचित विकल्प बना सकते हैं।

टीके खुले बाजार में फार्मासिस्ट या केमिस्ट की दुकानों पर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। निजी अस्पतालों की वर्तमान प्रणाली जो 45 वर्ष से अधिक के लिए 250 रुपये प्रति खुराक के लिए रोकती है, वे अस्तित्व में नहीं आएंगी क्योंकि उन्हें अब भारत सरकार से कोई आपूर्ति नहीं मिलेगी और बाद में अधिसूचित मूल्य पर वैक्सीन निर्माताओं से सीधे खरीद करनी होगी।

इस बीच, निर्माताओं ने कीमतों की घोषणा की है जो वे राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों से चार्ज करने का इरादा रखते हैं। कोविशिल्ड के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (जीवीसी), राज्यों को आपूर्ति पर 300 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों से 600 रुपये प्रति डोस वसूलेंगे। कोवाक्सिन के निर्माता भारत बायोटेक राज्यों से 400 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों को आपूर्ति पर 1,200 रुपये प्रति खुराक का शुल्क लेंगे। दोनों 150 रुपये प्रति खुराक की दर से भारत सरकार को आपूर्ति जारी रखेंगे (यह केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार है)।

सभी टुकड़ों को एक साथ रखने पर, कोविद -19 टीकाकरण खुराक के लिए न्यूनतम पांच मूल्य होंगे अर्थात शून्य, 300 रु।, 400 रु।, 600 रु।, 1,200 (प्राप्तकर्ताओं के लिए लागत बराबर के बराबर होगी) वैक्सीन के प्रकार और जिस चैनल के माध्यम से यह किया जाता है, उसके आधार पर राज्य सरकारों / निजी अस्पतालों द्वारा वैक्सीन के संचालन की लागत को कवर करने के लिए सेवा शुल्क। इस बीच, स्पुतनिक वी, नासल कोवाक्सिन और इतने पर और अधिक टीके, जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। लेकिन उन की कीमत और भी अधिक होने की संभावना है। पहले की व्यवस्था इष्टतम से दूर थी क्योंकि इसमें पात्र लोगों के अंतर उपचार के स्थान पर उन्हें जैब मिला था। जबकि, जीवीसी में जाने वालों को यह मुफ्त में मिला, अन्य लोगों ने निजी अस्पतालों के लिए प्रति खुराक 250 रुपये का भुगतान किया। निजी अस्पतालों की भागीदारी को उचित समय सीमा के भीतर बड़ी संख्या में कवर करने की आवश्यकता (45 प्लस समूह में 300 मिलियन) को देखते हुए उचित ठहराया गया था, इसके लिए एक मूल्य टैग लगाया गया और वह भी 100 रुपये और उससे अधिक इस उद्देश्य के विरुद्ध निर्माताओं को भुगतान की गई कीमत। वास्तव में, यह निराशाजनक परिणामों के पीछे एक शक्तिशाली कारक था और अब तक कुल 300 मिलियन में केवल 20 मिलियन के साथ दोनों शॉट्स (यहां तक कि अन्य कारक जैसे कि शुरुआती टीका जनता में बड़े पैमाने पर झिझक के रूप में भी आपूर्ति की कमी के बराबर जिम्मेदार थे)।

नए शासन के तहत, भले ही 45 वर्ष से अधिक की श्रेणी के व्यक्तियों के लिए निजी अस्पतालों में 250 रुपये प्रति खुराक के लिए एक टीका पाने की सुविधा वापस ले ली गई हो, लेकिन केंद्र सरकार 500 मिलियन से अधिक लोगों (50 प्रतिशत के बारे में एक बिलियन से अधिक) चाहती है। वयस्क आबादी यानी 18 वर्ष से अधिक की उम्र, जिसे यह उम्मीद है कि राज्यों और निजी अस्पतालों के कोटा से) एक मध्यम आय वाले परिवार के बजट को अस्थिर करने के लिए पर्याप्त कीमत चुकानी पड़ेगी।

निम्नलिखित दो परिदृश्यों पर विचार करें- सबसे पहले, आइए मूल्य स्पेक्ट्रम में सबसे कम लेते हैं यानी कॉविशिल्ड – राज्यों को प्रति खुराक 300 रुपये की आपूर्ति की जाती है। 200 रुपये प्रति खुराक (कीमत का 67 प्रतिशत) का सेवा शुल्क जोड़ें, यह 150 रुपये प्रति खुराक के लिए लागू किया जा रहा है, जो निजी अस्पतालों में बिल की कीमत के बराबर है। दो खुराक के लिए, यह 1,000 रुपये आता है। चार के एक परिवार को 4,000 रु।

एक और चरम पर, कोवाक्सिन को निजी अस्पतालों में प्रति खुराक 1,200 रुपये की आपूर्ति पर विचार करें। प्लस सेवा शुल्क, प्राप्तकर्ता प्रति खुराक 2,000 रुपये का भुगतान करेगा। दो खुराक के लिए, यह 4,000 रुपये होगा। इस मामले में, इस परिवार के बजट पर सेंध 16,000 रुपये होगी। राज्य के केंद्रों में उच्च कीमतों को देखते हुए और निजी अस्पतालों में बहुत अधिक और यह देखते हुए कि भारत सरकार के कुल टीकाकरण (कुल आपूर्ति का 50 प्रतिशत) से टीकाकरण मुफ्त में है, लोग बाद की ओर रुख करेंगे। जीवीसी पर टीकाकरण के लिए होने वाली अव्यवस्था इतनी स्पष्ट हो जाएगी कि इस नेटवर्क के पूरी तरह से टूटने का कारण बन जाएगा। यदि राज्य सरकारें केवल भुगतान किए गए कोटे से भी मुक्त टीकाकरण करने का निर्णय लेती हैं, तो इसे रोका जा सकता है; हालाँकि, इसके लिए उन्हें राज्य के बजट से भारी सब्सिडी देने की आवश्यकता होगी।

पहले से ही, कुछ राज्यों जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली और इसी तरह सभी ने इसे मुफ्त देने की अपनी मंशा की घोषणा की है और दूसरों को सूट का पालन करने की संभावना है। अगर, केंद्र या राज्यों द्वारा सब्सिडी शामिल करने के लिए सभी को मुक्त होना है तो ऐसे बोझिल मार्ग से क्यों गुजरना है?

यह देखते हुए कि संकट एक अभूतपूर्व परिमाण का है (जीवनकाल में एक बार) पूरी आबादी को पीड़ित करने के लिए, कम से कम एक समय के भीतर कम से कम एक अरब टीकाकरण की सख्त आवश्यकता है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए, केंद्र को इसका विकल्प चुनना चाहिए। सभी को नि:शुल्क टीका लगाना।

जीवीसी के अलावा, अन्य सभी हितधारक जैसे राज्य स्वास्थ्य सुविधाएं, निजी अस्पताल, औद्योगिक प्रतिष्ठान और इसी तरह टीकाकरण अभियान में शामिल होना चाहिए। वे निर्माताओं से सीधे अपनी आवश्यकताओं को उठा सकते हैं, यहां तक कि जब समग्र समन्वय करता है, तो एक अच्छी कीमत पर बातचीत करता है और भुगतान करता है। विशाल संख्या यानी दो बिलियन खुराक को देखते हुए, 200 रुपये प्रति डोज की कीमत इतनी होनी चाहिए कि वे लागत को कवर कर सकें और निर्माताओं को अच्छा रिटर्न दे सकें (यहां, एसआईआर पूनावाला, सीईओ, एसआईआई, के बयान को याद रखना उचित है। यह फर्म 150 रुपये प्रति डोज के मूल्य पर भी लाभ कमा रही थी।) 2021-22 के लिए केंद्रीय बजट में किए गए 35,000 करोड़ रुपये के आवंटन से खरीद की लागत यानी लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत पूरी की जा सकती है (घाटे के लिए अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी)।

टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में, इस लागत का भुगतान राज्यों द्वारा अपने बजट से किया जा सकता है।

कोरोना के खतरे की अनदेखी

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

लगभग 25 लाख लोगों को मौत में धकेलने वाली 2004 की भयानक सुनामी के अनेक वीडियो हैं। यूट्यूब पर उपलब्ध इसके कुछ वीडियो से स्पष्ट है कि तट पर सुनामी के आने से 10-15 मिनट पहले पानी तटों से हटने लगा था। मिडिल स्कूल भूगोल के छात्रों को याद होगा कि इसे आने वाली सुनामी का स्पष्ट लक्षण बताया गया है। हमें बहुत पहले छोटी उम्र में ही बताया गया था कि ऐसी स्थिति में हमें बहुत ऊंची जमीन की तलाश करनी चाहिए। निसंदेह अनेक तटीय क्षेत्रों में यह सबक दुहराया गया। हालांकि, कुछ लोगों ने शरणस्थलों की तलाश की, पर बहुतों ने ऐसा नहीं किया। सुनामी अपने से बचने का प्रयास करने वाले बहुत से लोगों को निगल गई क्योंकि यह इतनी विनाशकारी थी कि इससे भागना ज्यादा सफल नहीं हो सका था। लेकिन यदि थोड़े से लोगों का जीवन भी बचा हो तो स्कूल में पढ़ा पाठ उनके लिए बहुत काम का सिद्ध हुआ था। वह असली सुनामी थी, जबकि वर्तमान समय में भारत कोविड-19 संक्रमणों की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। हमारे सामने कोविड-19 संक्रमणों की भयानक सुनामी है जो दिल्ली तथा भारत के अनेक अन्य शहरों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत भारी पड़ी है। हम जानते हैं कि कम से कम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कम से कम 3,500 लोग रोज मर रहे हैं। भारत 2,50,000 मौतों के निकट पहुंच रहा है तथा दिल्ली का लगभग हर परिवार कोरोनावायरस सुनामी के कारण एक प्रियजन या नजदीकी मित्र की मुत्यु से परिचित हो गया है। हालांकि, अधिकारी अब स्थिति की विभीषिका से निपट रहे हैं, पर हमने बहुत बाद में काम शुरू किया तथा चेतावनी के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी की।

ये लक्षण पहले से मौजूद थे। सभी लोग इनको अच्छी तरह देख सकते थे और इनके बारे में खबरों में पढ़ सकते थे। हम जानते थे कि कोरोनावायरस की एक ज्यादा खतरनाक और घातक ब्रिटिश किस्म आ गई है और हम यह भी जानते थे कि एक नई 'दुहरी म्यूटेंट' वाली किस्म भी है। सीमित परीक्षणों से ही हमें पता चल गया था कि मुंबई और पूना के निकट हाटस्पाट उभर रहे हैं। लेकिन असली सुनामी में लोगों को ऊंची और सुरक्षित जमीन पर ले जाने की तरह

हम जादू की तरह समुद्र के खाली हुए क्षेत्र में घूमते रहे और वहां से मूंगे व शंख चुनते रहे। हमने गोवा की यात्रा की, भीड़ भरे विमानों और हवाईअड्डों की यात्रा की तथा ब्रिटेन की तरह हाटस्पाट क्षेत्रों से यात्रा प्रबंधन के बजाय घरेलू यात्रा की भी अनुमति दे दी। इस प्रकार हमने अनेक ट्वीट के माध्यम से बढ़ते हवाई यात्रियों की संख्या पर 'खुशी मनाई'। भारत के भीतर तथा भारत से आने या जाने वाली यात्राओं व हवाई यात्राओं पर नियंत्रण के बजाय हमने सैकड़ों लोगों को आने की अनुमति दी जो अपने साथ संभवत: वायरस की नई और खतरनाक किस्में भी लाए। लेकिन दुनिया भारत से उभरने वाली कोरोनावायरस की नई किस्मों से डरी हुई थी और उसने काफी सीमा तक भारत के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए थे। हम में से कुछ लोगों ने अचानक ब्राजील में मामले बढ़ने के बारे में पढ़ा था जिनकी शुरुआत अमेजन के शहर मानास से हुई थी और फिर सारे दक्षिण अमेरिकी देशों में फैल गई थी। आश्चर्य था कि क्या भारत में भी विकलांगकारी मामलों की ऐसी भयानक सुनामी आ सकती है। इसके बजाय हमें भारतीय विशिष्टता की कहानियां सुनाई जा रही थीं। अपने नेताओं से संकेत प्राप्त कर हम समझ रहे थे कि भारत ने कैसे वायरस को हरा दिया है। यह स्थिति राजनीति से लेकर खेल के मैदानों तक थी और हमने अपनी सतर्कता खो दी थी। यह समझने के बजाय कि भारत पर मूल कोरोनावायरस का 'पूरा' प्रभाव क्यों नहीं पड़ा, हमने एक सुस्त गति वाला वैक्सीन कार्यक्रम शुरू किया तथा विदेशों में लाखों वैक्सीनों का निर्यात कर अपनी भूरि-भूरि प्रशंसा की। हालांकि, दुनिया के प्रति भारत की उदारता के बारे में कुछ कहना उचित नहीं है, पर शायद हमें ज्यादा स्वार्थी अमेरिकी दर्शन का पालन करना चाहिए था। हमें पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि भारत के ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीके लगाए जांए। ऐसे में इस वैश्विक महामारी से मरने वालों की संख्या कम हो सकती थी।

हालांकि, मरने वालों में बड़ी संख्या अधिक आयु वाले वृद्धों की है जो अपना पूरा जीवन जी चुके हैं और उनमें से बहुत से लोग इस सुनामी में भी मर सकते थे। लेकिन बड़ा मुद्दा यह है कि मरने वाले लोगों में बहुत से लोग ऐसे हैं जो पहले से ही ज्यादा बिस्तरों और आक्सीजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने पर शायद न मरते। वर्तमान समय में व्यवस्था पर बहुत भारी बोझ है। इसका अर्थ है कि पहले संक्रमित होने वालों को ज्यादा संसाधनों का लाभ मिला। लेकिन यदि दिल्ली और मुंबई में विशेष कोविड-19 अस्पतालों की व्यवस्था एक सप्ताह पहले ही हो जाती तथा यदि आक्सीजन परिवहन की व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थायें एक महीने पहले कर ली गई होतीं तो बहुत सी जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। लेकिन सरकार उस समय भारत में कोविड-19 की 'कम' मृत्यु दर पर अपनी पीठ ठोंक रही थी, जबकि उसे समुचित नियोजन और संगठन पर ध्यान देना चाहिए था। उस समय ऐसा करना आसान था और इससे मरने वालों की गिनती काफी कम हो सकती थी।

तथ्य यह है कि हमने कोरोनावायरस संक्रमण के खतरनाक संकेत देखे थे, पर हम सभी भारतीय विशिष्टता की कहानी से अभिभूत थे। हमने गलती से अनदेखी करना पसंद किया और इसके नतीजे में जो हो रहा है वैसा दुनिया में दूसरे स्थानों पर हो रहा था। हमने विश्वास किया था कि जैसे ही हम टीकाकरण शुरू करेंगे चीजें बेहतर हो जाएंगी।

हम अपने पुराने रास्ते पर आगे बढ़े और महाकुंभ जैसे व्यापक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, होली पर बड़ी-बड़ी दावतें दीं और इस प्रकार स्वयं को खतरे में डाल दिया। हमने खतरे के संकेतों की अनदेखी की, जबकि वे सभी लोगों को साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। कोई आश्चर्य नहीं कि इसके कारण अब हम स्वयं को सुनामी में डूबते देख रहे हैं।

आप की बात

एक बार फिर खेला होबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में भले ही तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी को पटखनी दी हो लेकिन सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हार का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल की सबसे हॉट सीट मानी जा रही नंदीग्राम के बारे में जैसा अनुमान लगाया जा रहा था, परिणाम भी वैसा ही दिखाई दिया है। शुरुआत से ही ये स्पष्ट ही नहीं हो सका कि नंदीग्राम से शुवेंदु अधिकारी की जीत हुई है या फिर ममता बनर्जी ने बाजी मारी है। पहले ममता बनर्जी ने जीत का दावा किया था, लेकिन नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी ने खुद प्रेस वार्ता में अपनी हार स्वीकार कर ली लेकिन सवाल ये है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से हार चुकी हैं तो क्या ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनी रहेंगी? हालांकि चुनावी विश्लेषकों का कहना है कि वह निश्चित रूप से एक बार फिर पश्चिम बंगाल की बागडोर अपने हाथ में लेंगी। गौरतलब है कि अनुच्छेद 164 कहता है कि एक मंत्री जो लगातार छह महीने तक किसी राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं होता है, वह इस समयसीमा के खत्म होने के बाद मंत्री नहीं बन सकता। छह महीने बाद उन्हें सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

आईपीएल पर भारी कोरोना

भारतीय युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का रोमांचक आईपीएल खेल पर भी कोरोना का खतरा मंडरा रहा है। एक के बाद एक विदेशी समेत देश के खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव हो रहे है। ऐसे मे बीसीसीआई समेत अन्य अधिकारियों को इस विषय में सोचना चाहिए कि आखिर कैसे बायो बबल के बावजूद संक्रमण फैल रहा खिलाड़ियों के लिए भी यह किसी खतरे से कम नहीं।पिछले दिनों खिलाड़ियों के पॉजिटिव आने से खेल को रद्द करना पड़ा, ऐसे मे अगर बीसीसीआई को खेल जारी रखना है तो सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने होंगे। अन्यथा इसको रोकना ही एकमात्र सही निर्णय होगा। वही दूसरी ओर यह भी सवाल खड़े हो सकते है कि जिन लोगों ने इसमे पैसा खर्च किया है, उनका क्या होगा? इसको लेकर बीसीसीआई को अगले सत्र के लिए, उनको स्पॉन्सर देना चाहिए।डर के माहौल मे मैच का आनंद तो टीवी पर बैठकर देखने वाला ले सकता है लेकिन उनका क्या जो इतने खतरे और डर के बीच खेल रहे? क्या उनके लिए लॉक डाउन नहीं होना चाहिए?जान है तो जहां है का मंत्र ही आत्मसात करना होगा। यही कारण है कि कई खिलाडी बीच मे ही मैच छोड़कर स्वदेश लौट रहे।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

कौन है ताकतवर?

इस समय देश में तेजी से टीकाकरण जारी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा कोविशील्ड का निर्माण किया जा रहा है लेकिन इस समय कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला सपरिवार लंदन चले गए थे। उनका आरोप है कि बड़े लोगों द्वारा उनको धमकियां मिल रही थी। हालांकि कंपनी में उत्पादन पूरी क्षमता के साथ चल रहा है पर पूनावाला का बयान चिंताजनक है। जल्द ही ऐसे लोगों के नाम पता लगाकर सरकार को उन तक पहुंचना चाहिए जिससे हमारी स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाएं बाधित न हो। देश टीकाकरण के क्षेत्र में दुनियां में आगे है। मरीजों को कोविशील्ड के ही अधिकतर टीके लगाए जा रहे हैं। ऐसे में कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला को ताकतवर लोगों ने धमकियां दी इससे परेशान होकर वे सपरिवार लंदन चले गए थे। लंदन के टाइम्स अखबार में पूनावाला ने इसका खुलासा किया है। देश इस समय महामारी से लड़ रहा है और ताकतवर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में यहां भी बाज नहीं आ रहे हैं। भारत सरकार को ऐसे मानवता के हत्यारों के नामों का पता लगाकर सीखचों के पीछे डाल देना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

अभी तक तो हमने संपूर्ण लाकडाउन से परहेज किया है, लेकिन यदि लोग प्रतिबंधों का पालन नहीं करेंगे तो कठोर कदम उठाने पड़ सकते हैं।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के मुख्यमंत्री

पिछले कुछ वर्षों से हमने यह देखा है कि चीन अपने देश में ज्यादा दमनकारी रुख अपना रहा है और विदेशों में ज्यादा आक्रामक ढंग से काम कर रहा है।

– **एंथनी ब्लिंकेन**
अमेरिकी विदेश सचिव

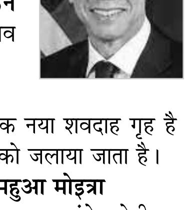

दिल्ली में निर्वाचन सदन एक नया शवदाह गृह है जिसमें संवैधानिक निकायों को जलाया जाता है।

– **महुआ मोइत्रा**
तृणमूल कांग्रेस नेत्री

कोरोना हराने के लिए गाय के घी और उपलों से हवन

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

श्रीगोशाला ट्रस्ट भिवानी द्वारा बैशाख कृष्ण अष्टमी पर आज मंगलवार सुबह 8 बजे हवन किया गया। हरियाणा गो सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग के आह्वान पर भिवानी गोशाला में ट्रस्ट पदाधिकारियों ने हवन किया।

श्रीगोशाला ट्रस्ट भिवानी के प्रधान मोहनलाल अग्रवाल ने जूम एप से हवन यज्ञ से जुड़े। मोहनलाल अग्रवाल ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने व कोरोना को हराने एवं वातावरण में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाने और शुद्धिकरण के लिए हवन किया गया है।

उन्होंने बताया कि गो सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग के आह्वान पर देश भर की 19500 गोशालाओं में बैशाख कृष्ण अष्टमी पर सुबह 8 बजे हवन यज्ञ किया गया। उन्होंने कहा कि भिवानी गोशाला के पदाधिकारियों ने गाय के गोबर से बने उपले व देशी गाय के घी से हवन में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ 108 आहुतियां डाली। जिससे वातावरण शुद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण के दुष्काल में निराशा व हताशा का चक्र टूटेगा।

जेजेपी ने लॉकडाउन में मदद के लिए जारी की हेल्पलाइन

जिलेवासी ऑक्सीजन, बेड, प्लाज्मा, मास्क, सैनेटाइजर, राशन के करें सम्पर्क

एजेंसी। कुरुक्षेत्र

कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान लगे लॉकडाउन में जिलावासियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए जननायक जनता पार्टी ने बड़ा कदम उठाते हुए आम जन की सहायता के लिए जिला हेल्पलाइन नंबर्स जारी कर दिए हैं।

पार्टी द्वारा जेजेपी के प्रदेश प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जिले में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है, इनमें इनसो व जेजेपी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आपकी

सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। जेजेपी जिला प्रधान कुलदीप जखवाला और युवा जिला प्रधान व शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड के सदस्य डॉ जसविन्द्र खैहरा ने बताया कि कोरोना महामारी में एक सप्ताह के लॉकडाउन के दौरान अगर किसी जिलावासी को ऑक्सीजन, बेड, प्लाज्मा, मास्क, सेनेटाइजर, राशन तथा आवश्यक वस्तुओं से संबंधित समस्याएं आती है तो वे तुरंत जेजेपी द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर्स पर संपर्क कर सकता है।

इन नंबरों फोन कर ले सकते हैं सहायता

ऑक्सीजन सहायता के लिए जोग ध्यान-लाडवा- 9813162002, योगेश शर्मा-कुरुक्षेत्र-9896467847, विशाल मुकीनपुरा-पिहोवा-9050890008, हरबख्श कठवा-शाहाबाद- 9813104845 और प्लाज्मा सहायता के लिए सुनील राणा-कुरुक्षेत्र-9813100020, धीरज नैन-पिहोवा-9050300026, राजु त्योड़ा-शाहाबाद-9416137803, जसबीर पंजेटा-लाडवा-8950415000, जरनैल सिंह-पिपली-8168277712 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा बेड सहायता के लिए जसविंद्र सिंह खैहरा- शाहाबाद-9813152053, गुरलाल सिंह बडैच-पिहोवा-9996800106, रणबीर जागलान-कुरुक्षेत्र- 9896627515 व अमन बडतोली-लाडवा-9416175187 के नंबर पर संपर्क कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

वैक्सीन लगवाएं स्वयं बचें और दूसरों को भी बचाएं : पूर्वा

कुरुक्षेत्र। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा कुरुक्षेत्र के सेक्टर-13 निवासी पूर्वा गर्ग ने कोरोना संक्रमण से बचने के लिए पहली वैक्सीन पॉली क्लीनिक सेक्टर-4 कुरुक्षेत्र में लगवाई। पूर्वा गर्ग ने युवाओं से वैक्सीन लगवाने की अपील करते हुए कहा कि यह वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित है और सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से लाखों लोग यह वैक्सीन लगवा चुके हैं। आप भी इस वैक्सीन को लगवा कर सरकार का सहयोग दें। एक मई से सरकार ने 18 से ऊपर के लोगों को भी वैक्सीन लगानी शुरू कर दी है। वैक्सीन की दोनों डोज लगवाकर आप स्वयं बचें और दूसरों को भी बचाएं। हरियाणा सरकार द्वारा लगाए गए लॉकडाउन की पालना करें और जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले तथा मास्क का प्रयोग करें।

एलएनजेपी अस्पताल में लगाया रक्तदान शिविर

कुरुक्षेत्र। लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल के रक्त कोष में डायमंड रक्त दाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने 338वां स्वैच्छिक रक्त दान शिविर लगाया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में स्टार रक्त दाता एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भेरियां के प्राचार्य भीम सैन रहे जबकि रक्तदाता सुखविंद्र की अध्यक्षता में शिविर सम्पन्न हुआ। समाजसेवी शगुन वर्मा अति विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे। मुख्यातिथि भीम सैन ने कहा कि कोरोना महामारी के समय रक्त की आपूर्ति के लिए युवाओं को रक्त दान के लिए आगे आना चाहिए। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। रक्त कोष प्रभारी डॉ. विनोद तंवर की अध्यक्षता में करनैल सैनी, गुरजिंद्र कौर, नरेंद्र आदि ने रक्त संग्रह किया गया। डॉ. विनोद तंवर ने कहा कि कोरोना महामारी में रक्त की भारी कमी के चलते 7 मई को प्रातः 9 से 1 बजे के मध्य पुन: लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, अजय राणा, सुखविंद, संदीप, शीश पाल, योगेश सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

परीक्षार्थियों को घबराने की जरूरत नहीं: डा. अंकेश्वर

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा मई-जुलाई-2021 माह में आयोजित होने वाली यूजी, पीजी ईवन सेमेस्टर व वार्षिक परीक्षाओं के लिए फार्म भरने की अंतिम तिथि पांच मई अधिसूचित की गई थी। इन परीक्षाओं को लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि इन परीक्षार्थियों को परीक्षा फार्म की अंतिम तिथि को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन खुलते ही परीक्षार्थियों को परीक्षा फार्म भरने के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। लोक संपर्क विभाग के उपनिदेशक डॉक्टर दीपक राय ने कहा कि सभी परीक्षार्थी घर बैठकर परीक्षा की तैयारी करें। जैसे ही लॉकडाउन खुलेगा उन्हें परीक्षा फार्म सम्बन्धी सूचना के बारे में विभिन्न माध्यमों से सूचित कर दिया जाएगा।

दो गज की दूरी मास्क है जरूरी

भिवानी। नेहरू युवा केन्द्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के जिला युवा अधिकारी रमेश सोनी व लेखा एवं कार्यक्रम सहायक कमल यादव के मार्ग दर्शन में संक्रमित महामारी कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए कलाकार हेमंत सैनी ने अपनी टीम सदस्यों के सहयोग से छाजू राम चौक पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पुलिस कर्मचारियों, क्षेत्रीय नागरिकों व कोविड 19 से बचाव के उपाय व जल संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि कोविड-19 का दूसरा दौर चला हुआ है, जो कि जानलेवा है। इससे बचने के लिए हमें स्वास्थ्य विभाग व सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों का पालन करना चाहिए। इसी में हमारी व हम सभी की सुरक्षा है। कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जल संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी और जल बचाने की शपथ भी दिलाई। नाटक के माध्यम से लोगों को बताया कि बारिश के पानी को कैसे बचाना चाहिए। उस जल का किस तरीके से अपने काम में उपयोग करना चाहिए। नाटक के माध्यम से बताया गया कि जल ही जीवन है इसको आगामी पीढ़ियों के लिए बचाने के कदम उठाने चाहिए। उसके साथ-साथ उन्होंने लोगों को पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए लोगों को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए व उनका लालन-पालन भी करना चाहिए।

कोविड-19 के मापदंडों की ग्रामीण क्षेत्रों में हो पालनाः डीसी

भिवानी। जिला आपदा प्रबंधन के चेयरमैन एवं उपायुक्त राहुल नरवाल ने कोविड-19 के दृष्टिगत निर्धारित किए गए मापदंडों का ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी तरह से पालन करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति निर्धारित मापदंडों की अवहेलना करता पाया गया उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिला आपदा प्रबंधन के चेयरमैन नरवाल कैंप ऑफिस में कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर आयोजित की गई अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी आपसी तालमेल स्थापित करके लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करवाना सुनिश्चित करें। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी एवं जिला राजस्व अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सचिवों एवं पटवारियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के दृष्टिगत जिला भर में धारा 144 लगाई जा चुकी है। अगर कोई भी व्यक्ति जिला के किसी क्षेत्र में राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा कोविड-19 के दृष्टिगत निर्धारित किए गए मापदंडों की उल्लंघना करता पाया गया तो उसके विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी को लेकर उच्च अधिकारियों की टीमें निरीक्षण करेंगी। संबंधित गांवों में ग्राम सचिव एवं पटवारी अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी गांव में ग्राम सचिव एवं पटवारी अनुपस्थित पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से भी अनुरोध किया है कि वे किसी भी स्थान पर एकत्रित न हो, सोशल डिस्टेंस का पूरी तरह से पालन करें तथा ताश आदि न खेलें।

पॉजिटिवों को घर पर ही हैल्थ सर्विस देने की बनाएं कार्य योजना : एसीएस

बोले, मेडिकल विद्यार्थी परामर्शदाता के तौर पर करें 25 कोविड मरीजों की मैपिंग

कहा, स्वास्थ्य विभाग की किट के अलावा थर्मामीटर, ऑक्सीमीटर भी दें

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

एडीशनल चीफ सेक्रेटरी देवेन्द्र सिंह ने कहा कि जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों को घर पर ही हैल्थ सर्विस उपलब्ध करवाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। जिसके तहत मेडिकल लाइन के विद्यार्थियों को परामर्शदाता के तौर पर तैनात किया जाए, जोकि प्रत्येक दिन करीब 25 पॉजिटिव केसों से बातचीत करके हैल्थ केयर के बारे में जागरुक करें। मरीजों को स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी जाने वाली किट के अलावा थर्मामीटर, प्लस ऑक्सीमीटर भी उपलब्ध करवाया जाए ताकि वे घर पर ही समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करते रहें।

यदि मरीज की स्थिति बिगड़ती है तो संबंधित परामर्शदाता की मरीज को कोविड अस्पताल में दाखिल करवाने की जिम्मेदारी रहेगी। एसीएस सोमवार को देर सायं लघु सचिवालय के सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ कोविड महामारी से बचाव के लिए किए जा रहे संसाधनों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर कोविड पॉजिटिव मरीजों को घर पर ही हैल्थ केयर के बारे में जागरूक किया जाए और समय-समय पर उनके स्वास्थ्य की जांच होती रहे तथा उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती रहें तो अस्पतालों पर लोड कम रहेगा और मरीज भी घर पर अच्छा महसूस करेंगे।

उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए होम हैल्थ केयर सर्विस के लिए मेडिकल लाइन के विद्यार्थियों को परामर्शदाता के तौर पर नियुक्त किया जाए और प्रत्येक परामर्शदाता के साथ कम से कम 25 कोविड मरीजों की मैपिंग की जाए जो प्रतिदिन मरीजों से बातचीत करें। उनके स्वास्थ्य की जानकारी लें तथा उनको कोविड से बचाव के बारे में जागरूक करते रहें।

एसीएस ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ऑक्सीजन व बैड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निजी अस्पतालों में दाखिल होने वाले नए मरीजों तथा डिस्चार्ज होने वाले मरीजों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्राप्त करें, ताकि गंभीर मरीजों को ऑक्सीजन व बैड आवश्यकता अनुसार उपलब्ध हो सके।

उन्होंने आज फिर कहा कि जिन मरीजों की 90 प्रतिशत से अधिक ऑक्सीजन लेवल है उन्हें घर भेजें, अगर जरूरत पड़ती है तो घर पर ही ऑक्सीजन भी उपलब्ध करवाएं। इस अवसर पर एसपी गंगाराम पुनिया, नगरनिगम के आयुक्त विक्रम, करनाल के एसडीएम आयुष सिन्हा, एसीयूटी नीरज कादियान व प्रदीप सिंह, जिला परिषद के सीईओ गौरव कुमार, शुगरमिल की एमडी अदिति, नगराधीश अभय जांगड़ा, सीएमओ डा. योगेश शर्मा, केसीजीएमसी के निदेशक डा. जगदीश दुरेजा, जीएमडीआईसी क्षितिज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्बुलेंस संचालक निर्धारित रेट से ज्यादा ना वसूलें: एसीएस

एसीएस ने कहा कि मरीजों से एम्बुलैंस के रेट निर्धारित रेट से अधिक वसूले जा रहे हैं, इस पर भी कड़ी निगरानी रखें। निर्धारित रेट की सूची सभी अस्पतालों में चस्पा करवाई जाए, हो सके तो एम्बुलेंस पर भी रेट सूची अंकित हो। बैठक में सिविल सर्जन ने बताया कि सरकार द्वारा बेसिक लाइफ स्पोर्ट (बीएलएस-बिना ऑक्सीजन के) एम्बुलैंस के रेट 7 रुपये प्रति किलोमीटर की दर तथा एडवांस लाईफ स्पोर्ट (ऑक्सीजन के साथ) 15 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से निर्धारित किए गए हैं।

पत्रकार रोहित सरदाना की याद में शुरू की गई गीता रसोई

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

कोविड के कारण अपने घरों में आइसोलेशन वाले मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की शुरू की गई है व्यवस्था

वरिष्ठ पत्रकार रोहित सरदाना की स्मृति में पूर्व छात्र परिषद द्वारा श्रीमद् भागवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गीता रसोई आरंभ की गई। रवि कुमार, संगठन मंत्री विद्या भारती हरियाणा ने कहा कि पूर्व छात्रों का यह प्रयास सराहनीय है तथा समाज के लिए एक उदाहरण है।

विद्या भारती हमेशा अपने विद्यार्थियों को समर्पण की शिक्षा देता है जो भविष्य में उनकी जिंदगी में देखने को भी मिलता है। पूर्व छात्र परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ पंकज शर्मा ने बताया कि जो लोग कोविड के कारण अपने घरों में आइसोलेशन पर है उनके लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। परिषद के स्वयंसेवक इन परिवारों के द्वार तक भोजन के पैकेट पंहुचाएंगे। इसके लिए दोपहर भोजन के लिए सुबह 11 बजे तक एवं रात्रि भोजन के लिए शाम 5 बजे तक जानकारी देनी होगी। विद्या भारती हरियाणा के प्रचार प्रमुख संजय चौधरी ने बताया कि इस रसोई को वरिष्ठ पत्रकार रोहित सरदाना को समर्पित किया गया है।

रोहित श्रीमद्भागवत गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्र तथा विद्यालय के पूर्व प्राचार्य रत्न चंद सरदाना के पुत्र थे। उन्होंने गीता विद्यालय को हमेशा गौरवान्वित किया है। आज विद्यालय में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें अशोक रोशा, अनिल कुलश्रेष्ठ प्राचार्य, कुलदीप चोपड़ा, जंग बहादुर सिंगला आदि पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

हरियाणा पिछड़ा वर्ग महासभा की कार्यकारिणी घोषित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हरियाणा पिछड़ा वर्ग महासभा के अध्यक्ष रामकुमार रंबा की अध्यक्षता में महासभा संरक्षक हाकम सिंह गुर्जर, महासचिव रोशन लाल धीमान कमेटी ने नई कार्यकारिणी का गठन किया है।

इनमें उपप्रधान हरियाणा बाबू राम मखाली, उपप्रधान केहर सिंह सैनी छप्परी, उपप्रधान सुखजेंद्र सिंह लबाना सिख मसाना, सलाहकार अमरजीत धीमान अंजनथली, प्रचारक विजय कुमार भार्गव, पर्सनल सलाहकार जिले सिंह पाल समीरा, प्रचारक हरिराम पांचाल मिर्जापुर कालोनी, प्रचारक ईश्वर चंद कम्बोज कुरुक्षेत्र, वरिष्ठ उपप्रधान राकेश सैनी हुडा कालोनी कुरुक्षेत्र, प्रवक्ता जसबीर भट्ट झांसा रोड कुरुक्षेत्र, कमलेश सैनी हुडा कालोनी कुरुक्षेत्र राजनीति सलाहकार, सतपाल रोहिला वाइस प्रेजीडेंट हरियाणा, वाइस प्रेजीडेंट हरियाणा जोगिंद्र सिंह रामगढ़िया ज्योतिनगर कुरुक्षेत्र, मोहन लाल धीमान चेयरमैन समाज कल्याण विभाग हरियाणा, गुरनाम सिंह सैनी को जिम्मेवारी सौंपी गई।

सरकार वहन करे कोरोना मरीजों के इलाज का खर्चः जितेन्द्र

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

हरियाणा में बढ़ते कोरोना मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता जितेन्द्र भोलू ने कहा कि प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज व दवाइयों का पूरा खर्चा प्रदेश सरकार वहन करें। इसके साथ ही कोरोना संक्रमितों के इलाज की जिम्मेदारी, ऑक्सीजन आपूर्ति व उपलब्धता के लिए एक निगरानी समिति का गठन किया जाए, जो मरीजों के इलाज में होने वाली किसी भी कोताही के लिए जिम्मेदार

लॉकडाउन लगाकर जनता की रोजी-रोटी छीन रही सरकार

हो। इससे कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे चिकित्सकों, कोरोना योद्धाओं और वालंटियर्स पर कुछ हद तक दबाव कम हो सकेगा। कोरोना महामारी को लेकर प्रत्येक उपमण्डल स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए। साथ-साथ ही 18 वर्ष से ऊपर के लोगों के लिए टीकाकरण की उपलब्धता अविलंब सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार कोरोना महामारी को न केवल रोकने में असफल रही है बल्कि आज वह कोरोना के मरीजों को ऑक्सीजन व दवाइयां उपलब्ध करवाने में बुरी तरह असफल रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की नाकामी के कारण हरियाणा के लोगों को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों पर एक बार फिर से लॉकडाउन लगाकर उनकी रोजी-रोटी छीनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 13 महीनों से देश व प्रदेश की सरकार को कोरोना की महामारी की न केवल जानकारी थी बल्कि इस महामारी की दूसरी लहर के संबंध में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े वैज्ञानिक व मीडिया सरकार को सावधान कर रहे थे, मगर सरकार ने इस ओर कोई प्रयास नहीं किया जिसका परिणाम है कि पूरे प्रदेश को एक बार फिर से लॉकडाउन में रहने पर मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज का खर्च सरकार को स्वयं वहन करना चाहिए।

कोरोना महामारी की व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम स्थापित हो

भिवानी। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी के दृष्टिगत लघु सचिवालय परिसर में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। ये जानकारी देते हुए नगराधीश हरबीर सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम का हेल्प लाइन नंबर 01664-256033 व टोल फ्री नंबर 1950 है। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर 9817887242 है। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम के संबंधित सभी कार्यों को सुचारु ढंग से चलाने के लिए जिला राजस्व अधिकारी राजकुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

दिन में दो बार होगी ऑक्सीजन रिफिलिंग

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

राज्य सरकार द्वारा जिला के लिए प्रतिदिन 2.5 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन का कोटा अलॉट किया गया है, जो लगभग 1900 घन मीटर बनता है। जिले में कोविड-19 संक्रमण के बढ़ने से ऑक्सीजन की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। ऑक्सीजन की सप्लाई के अनुसार सरकारी एवं गैर सरकारी अस्पतालों के लिए कोटा निर्धारित करने के आदेश जारी किए गए हैं।

जिला आपदा प्रबंधन के चेयरमैन एवं उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा जारी आदेश अनुसार स्थानीय सिविल अस्पताल भिवानी के लिए ऑक्सीजन की मात्रा 750 घन मीटर निर्धारित की गई है। इसी प्रकार स्थानीय कदम

सरकारी और निजी अस्पतालों के लिए ऑक्सीजन का कोटा निर्धारित हुआ

अस्पताल के लिए 350 घन मीटर, अंचल अस्पताल के लिए 300 घन मीटर, स्पेस अस्पताल के लिए 250 घन मीटर, लाइफलाइन अस्पताल के लिए 90 घन मीटर, एसएमएसजी अस्पताल के लिए 56 घन मीटर तथा गणपत राय अस्पताल के लिए 56 घन मीटर ऑक्सीजन की मात्रा निर्धारित की गई है। जारी आदेशानुसार इसके अतिरिक्त शेष स्टाक होम आइसोलेशन, आपातकाल एवं सामान्य मरीजों के उपयोग के लिए आरक्षित रखा गया है।

कोविड विजेता प्लाज्मा दानकर बचाएं अन्य का जीवनः ग्रोवर

प्लाज्मा दान से न तो डोनर में हीमोग्लोबिन घटता है और न ही आती है कमजोरी

एजेंसी। कुरुक्षेत्र

समाजसेवी गुलशन कुमार ग्रोवर ने कोरोना महामारी से ठीक हो रहे मरीजों से आह्वान किया है कि वे ठीक होने के एक महीने बाद दूसरे कोरोना मरीजों को प्लाज्मा दान कर के उन्हें जीवनदान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि महामारी इतनी फैल रही है कि न तो मरीजों के लिए अस्पतालों में बेड बचे हैं, न वेंटिलेटर है, न ऑक्सीजन मिल रही है और न ही जीवन रक्षक दवाइयां मिल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक ठीक हुए कोरोना मरीज, जिसके शरीर में पर्याप्त एंटीबॉडीज हो, का प्लाज्मा दूसरे कोरोना मरीज को चढ़ा कर उसकी जान बचाई जा सकती है। कोरोना से ठीक होने के 28 दिन के बाद पर्याप्त एंटीबॉडीज वाला व्यक्ति दूसरे कोरोना मरीज को प्लाज्मा दान कर सकता है। प्लाज्मा दान करना रक्तदान से भी अत्यंत सरल है। केवल 40-45 मिनट का समय ही प्लाज्मा दान करने में लगता है। प्लाज्मा दान में केवल हल्के पीले रंग का पदार्थ शरीर से निकाला जाता है।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हवा में जहर है साहब,
शहर में कहर है साहब,
चांदनी रात गायब हो गई,
रात में भी दोपहर है साहब।

लापरवाहीः बैंकों में सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ी धज्जियां

पुलिस की सुस्ती से रादौर में पूर्ण लॉकडाउन के बाद भी बाजारों में दिख रही है लोगों की चहलकदमी

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद हरियाणा सरकार द्वारा सोमवार से पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की गई थी, लेकिन रादौर की बात करें, तो यहां जहां बाजारों में लोगों की अच्छी खासी चहलकदमी नजर आई। यहां तक की बैंकों में तो लोगों ने सोशल डिस्टेंसिंग की पूरी तरह से धज्जियां उड़ाई। इसकी सूचना जब स्थानीय प्रशासन को

रादौर के एक बैंक में सोशल डिस्टेंसिंग की पालना न करते हुए लोग।।

लगी, तो थाना प्रभारी ने कई बैंकों का दौरा कर बैंक कर्मचारियों को सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करने संबंधी सख्त हिदायतें दीं।

दूसरी ओर पुलिस टीम ने मुख्य बाजार में भी निरीक्षण कर वाहनों चालकों को भी बाहर घूमने का कारण पूछने के बाद जाने दिया गया। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में थाना प्रभारी सुखविंदर शर्मा ने कहा कि बाजारों व बैंकों का निरीक्षण कर लॉकडाउन के साथ-साथ कोविड गाइडलाइन की पालना करने बारे सख्त हिदायतें दी गई। उन्होंने कहा कि नियमों की पालना न करने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने सरकार से सम्पूर्ण लॉकडाउन की मांग की है। उनका कहना था की कोरोना की चेन तोड़ने के लिए इस वक्त सम्पूर्ण लॉकडाउन की जरूरत है। उल्लेखनीय है की हरियाणा सरकार द्वारा कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश में सोमवार से सात दिवसीय पूर्ण लोकडाउन लागू किया है, ताकि बढ़ते कोरोना के मामलों पर रोक लगाई जा सके।

झार की धूल से कालोनीवासी परेशान

सोनीपत। महलाना रोड पर स्थित देवीलाल कॉलोनी के पास खाली पड़ी जमीन पर काफी संख्या में झार झाड़ने वालों ने अपना डेरा डाल रखा है। कालोनीवासी बबीता, इशवंती, रोशनी, लक्ष्मी, कमला, गीता, वर्षा, सीमा, संदीप, सरोज, वीरेंद्र, सुरेन्द्र, दिलबाग, राजेश, रमेश आदि ने बताया कि झार के कारण धूल के कण हवा में बिखरने से कॉलोनीवालों का जीना मुश्किल हो गया है। छोटे-छोटे कीड़े, मकोड़े, बड़े-बड़े, चूहे काफी तादाद में घरों में घूस रहे हैं। कालोनी के लोग रात को सो नहीं सकते है।

कोरोना मरीजों का इलाज करने वाले डाक्टरों को रहना-खाना मुफ्त

सरकार ने जिला उपायुक्त और सिविल सर्जनों को सौंपी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने कोरोना मरीजों के उपचार में जुटे डाक्टरों तथा पैरा मेडिकल स्टाफ को रहने तथा खाने की मुफ्त सुविधा देने का ऐलान किया है। इसके लिए प्रदेश भर में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृहों को डाक्टरों के लिए खोल दिया गया है।

हरियाणा में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के बीच प्रदेश के अस्पतालों में डाक्टरों द्वारा डबल ड्यूटी दी जा रही है। कोरोना वार्ड में ड्यूटी देने वाले डाक्टरों को न

सरकार उपलब्ध करवाएगी डाक्टरों को आवास और खान पान की सुविधा

केवल घर जाने में दिक्कत आ रही है। बल्कि कई केसों में तो स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल तथा पैरा मेडिकल स्टाफ की समस्याओं को देखते हुए हरियाणा सरकार ने लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृहों को डाक्टरों के लिए खोल दिया है।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री दुष्यंत चौटाला ने मंगलवार को इस संबंध में ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश के अस्पतालों में डाक्टर अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों का उपचार कर रहे हैं। जिसके चलते पीडब्ल्यूडी के रेस्ट हाउसों में डाक्टर और मेडिकल स्टाफ मुफ्त रह सकेंगे।

यही नहीं रेस्ट हाउसों में डाक्टरों को रहने के अलावा खाने-पीने की सुविधा भी दी जाएगी। दुष्यंत चौटाला ने बताया कि डाक्टरों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश के सभी विश्राम गृहों को जिला उपायुक्त व सिविल सर्जनों के अधीन कर दिया गया है।

गुरुग्राम की कंपनी ने सरकार को दिए 15 आक्सीजन कंसंट्रेटर

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने औद्योगिक घरानों से मांगा सहयोग

कंपनियों ने कोरोना मरीजों के लिए सांसें देने का किया है काम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार की अपील पर गुरुग्राम की दो कंपनियों ने कोरोना मरीजों के उपचार के लिए सरकार को 15 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दान किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने दोनों कंपनियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कि इन कंपनियों ने कोरोना मरीजों के लिए सांसें देने का काम किया है।

इंपीरियल लाइफ साइंस और जीन्स टू-मी नामक दो कंपनियों के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को यह कंसंट्रेटर सौंपे। विज ने कहा कि

कंपनी के मालिक एसके गुप्ता ने उन्हें ये कंसन्ट्रेटर भेंट किये। गुरुग्राम की इन दोनों कंपनियों द्वारा दान किये कंसंट्रेटर से कोरोना मरीजों की बड़ी सहायता होगी। उन्होंने ये सभी कंसंट्रेटर स्थानीय उपायुक्त को सौंप दिये हैं जोकि जरूरत के अनुसार अस्पतालों में भिजवा देंगे। विज ने कहा कि प्रदेश में कोरोना के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। हमें अतिरिक्त बेड क्षमता बढ़ानी है।

इसके लिए औद्योगिक घरानों तथा अन्य दानियों को आगे आकर सरकार की मदद करनी होगी ताकि आम लोगों को संकट की घड़ी में राहत मिल सके। अनिल विज ने कहा कि 50 बेड से ज्यादा के अस्पतालों के लिए अपना ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाना आवश्यक है और उनको यह काम छह महीने के भीतर करना होगा ताकि भविष्य में ऐसी कोई दिक्कत न आए।

हरियाणा में डेढ लाख उपभोक्ताओं को जारी हुए गलत बिजली के बिल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा बिजली वितरण निगमों के बिलिंग सॉफ्टवेयर में आई तकनीकी खराबी के कारण 16 अप्रैल से 26 अप्रैल तक लगभग 1.40 लाख उपभोक्ताओं के स्पॉट बिल गलत बकाया राशि के साथ जारी हो गए थे। इस त्रुटि के कारण कई शहरों में उपभोक्ताओं को पिछले बिलों का भुगतान करने के बावजूद गलत बकाया राशि मिली यद्यपि बिलिंग सिस्टम में इन बिल बिल्कुल ठीक बने हैं और जो उपभोक्ता ऑनलाइन या विभाग के काउंटर पर जाकर बिल भरते हैं, वहां दिखाई गई बिल की राशि में बकाया संबंधित कोई त्रुटि नहीं है।

बिजली निगम के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस त्रुटि के कारण उपभोक्ताओं को हुई असुविधा के मद्देनजर बिजली निगमों द्वारा प्रभावित उपभोक्ताओं के बिजली बिल भरने की तारीख को आगे बढ़ाकर नए बिल जारी कर दिए गये हैं। इस संबंध में किसी भी अन्य जानकारी या स्पष्टीकरण के मामले में उपभोक्ता

स्पॉट बिलिंग साफ्टवेयर में आई खराबी को अब निगम सुधारेगा

'ग्राहक सेवा केंद्र' से संपर्क करने के लिए यूएचबीवीएन के टोल फ्री नंबर 1912/18001801550 तथा डीएचबीवीएन के टोल फ्री नंबर 18001804334 पर कॉल कर सकते हैं या यूएचबीवीएन के उपभोक्ता व्हाट्सएप नंबर 9815961912 और डीएचबीवीएन के उपभोक्ता व्हाट्सएप नंबर 8813999708 पर मैसेज कर सकते हैं।

कोरोना सैंपल ही नहीं पहचान पत्र भी जमा करवाएं

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना जांच के लिए अब संदिग्ध रोगी के लिए पहचान पत्र को अनिवार्य कर दिया गया है।

हरियाणा मेडिकल सर्विस कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने प्रदेश के सभी जिला सिविल सर्जनों को जारी पत्र में यह निर्देश दिए हैं कि वह कोरोना सैंपल को जांच के लिए भेजते समय मरीज का पहचान पत्र जरूर लें। हरियाणा में पिछले दिनों कई जिलों में संदिग्ध मरीजों के सैंपल गुम होने तथा बदले जाने की खबरें आ रही थी। वर्तमान प्रणाली में जिला स्तरीय अस्पतालों द्वारा मरीजों के सैंपल लेते समय उनके पहचान पत्रों की जांच तो की जा रही है, लेकिन बहुत से जिलों में उनके नंबर आदि की एंट्री नहीं की जा रही है। कोरोना जांच करवाने वालों का रिकार्ड भी नहीं तैयार हो रहा है।

कोरोना की गाइडलाइंस का कराएं सख्ती से पालन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। इस कारण हरियाणा सरकार ने सोमवार से एक सप्ताह तक लॉकडाउन लगा दिया है। देखने में आया है लॉकडाउन के बावजूद लोग अभी भी बिना मतलब बाजारों में घूम रहे हैं। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल ने कहा कि ऐसे लॉकडाउन लगाने का क्या औचित्य है जब लोग सड़कों पर पूरा दिन सरेआम घूम रहे हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की चैन को तोडऩा है तो पूर्ण लॉकडाउन लगाना होगा। सुरेंद्र मित्तल ने कहा कि जिला की सब्जी मंडियों में भीड़ रोजाना की भांति उमड़ रही है। ऐसे में कोरोना पर विजय पाना मुश्किल है।

समाजसेवियों ने प्रशासन से की अपील

उन्होंने प्रशासन से अपील की कि वह कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन करवाए। वही एडवोकेट जवाहर गोयल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी गाइडलाइन में किरयाणे की दुकानें खोलने का समय सुबह 6 से लेकर शाम 6 बजे तक है। उन्होंने कहा कि करियाणे की दुकानें खोलने का समय दिन में सिर्फ चार घंटे ही निर्धारित किया जाना चाहिए। लोग करियाणे की दुकान से राशन लेने के बहाने सड़कों पर बेवजह घूम रहे है। करियाणें की दुकानों पर भी ग्राहकों का दिनभर आना-जाना जारी रहता है। ऐसे में कोरोना के केस ओर अधिक बढ़ने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

लोग नहीं कर रहे कोरोना गाइडलाइंस का पालन

बेवजह बाहर घूमने वालों के चालान काट रही पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कोरोना संक्रमित की चेन तोड़ने के लिए सरकार ने लॉकडाउन लगाया हुआ है। मगर कु रुक्षेत्र में ज्यादातर लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं। कोरोना गाइडलाइन का पालन भी नहीं कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र के बाजार बेशक बंद हो मगर कुछ जगह तो हालात यह हैं कि लोगों की भीड़ उमड़ रही है। सड़कों पर वाहन सरपट दौड़ रहे हैं। बाजार में आवश्यक वस्तुओं की दुकानें छोड़कर अन्य दुकानें बंद हैं। पुलिस बार-बार कह रही है कि किसी को कोई जरूरी काम हो तो अपने घर से बाहर निकलें अन्यथा अपने घरों

में रहें। दुकानों के बाहर पुलिस खड़े होकर अनाउंसमेंट कर रहे हैं कि आप अपनी अपनी दुकानें बंद रखें और करोना गाइडलाइन का पालन करें नहीं तो पुलिस को हर हाल में करोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों के ऊपर सख्ती करनी पड़ेगी। पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान लोगों को घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती है। खाने-पीने की वस्तुएं या दवाई बगैरा लेने के लिए ही घर से बाहर आ सकते हैं। लॉकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति अनावश्यक कार्य के लिए सड़कों पर न निकले। सरकार द्वारा लॉकडाउन लगा कर कोरोना महामारी की चैन को तोड़ने के प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान आमजन को अपने घरों में रहकर ही लॉकडाउन के नियमों की पालना करके पुलिस का सहयोग करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बिना मास्क घूमने वाले 299 व्यक्तियों के किए चालान

सोनीपत। पुलिस द्वारा लॉकडाउन के चलते अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाने के लिए बिना मास्क घुमने वालों के चालान किए गए और साथ में मास्क भी वितरित किए गए। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लॉकडाउन के चलते मास्क लगाए सुरक्षित रहे और आर्थिक नुकसान से बचें। पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर बिना मास्क घूमने वाले 299 व्यक्तियों के चालान किए गए हैं। इसी के साथ उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूल किया गया। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क पहनना व सामाजिक दूरी का पालन करना जरूरी है। घर में रहे, सुरक्षित रहे और लॉकडाउन का पालन करें।

रात्रि कर्फ्यू के उल्लंघन पर चार लोग किए गिरफ्तार

सोनीपत। पुलिस ने विभिन्न क्षेत्रों से रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना शहर पुलिस ने कोरोना संक्रमण के चलते रात्रि कर्फ्यू के दौरान सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की घटना में शामिल मोहित निवासी छिनौली जिला सोनीपत, अवदेश निवासी राजपुर जिला कन्नौज उत्तरप्रदेश, अशोक निवासी हलालपुर व विनोद निवासी पुरखास अड्डा शहर सोनीपत के रहने वाले हैं। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि थाना शहर सोनीपत टीम देवीलाल चौक सोनीपत की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें रात्रि कर्फ्यू में सरकारी आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में मोहित को गिरफ्तार किया है। दूसरी घटना में जिले के थाना शहर पुलिस ने रात्रि कर्फ्यू के चलते अशोक कुमार निवासी हलालपुर व विनोद निवासी पुरखास अड्डा को गिरफ्तार किया है। थाना शहर टीम पुरखास अड्डा सोनीपत की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें रात्रि कर्फ्यू में सरकारी आदेशों की अवहेलना कर शराब का ठेका खोलने की घटना में शामिल इन दोनों को गिरफ्तार किया है। तीसरी घटना में जिले के थाना औद्योगिक क्षेत्र बड़ी की पुलिस ने सरकारी आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में अवदेश निवासी राजपुर जिला कन्नौज उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

महिला किसानों के खिलाफ कार्रवाई पर खाप ने की निंदा

भिवानी। गांव धनाना-2 में जाटू खाप 84 की पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में गांव धनाना, तालू, मित्ताथल, जताई, प्रेमनगर, सुखपुरा, घुसकानी, मंढाणा, कुंगड़, भैणी, पुर, बड़ेसरा, मुंढाल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पंचायत की अध्यक्षता जाटू खाप-84 के प्रधान सूबेदार राजमल धनाना ने की। संचालन राज सिंह जताई ने किया। किसान आंदोलन को मजूबत करने पर लिए तैयारियों का जायजा लिया गया। कोरोना महमारी को वैज्ञानिक ढंग से समझकर इसके प्रति जागरूक रहने पर विचार रखे गए। कोरोना को वैज्ञानिकता पर रखकर सावधानियों के साथ अपने जीवन में अपनाना पड़ेगा। कोरोना के समय सरकार की नाकामी की आलोचना भी की गई। कोरोना को समय रहते सरकार ने नहीं समझा, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। पंचायत में सीएम के भिवानी आगमन पर किसानों के द्वारा विरोध के लिए जाते वक्त किसानों, महिलाओं व लड़कियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने जो लाठी चार्ज कर अमानवीय कृत्य किया। उसके खिलाफ पंचायत में प्रस्ताव पारित किया गया। पंचायत में खाप ने सामूहिक रूप से फैसला लिया कि जिन भी पुलिस कर्मचारियों ने किसान आंदोलनकारियों व महिलाओं तथा लड़कियों पर किए गए लाठी चार्ज उनके खिलाफ प्रशासन अपनी उचित कार्यवाही करे व दोषी कर्मचारी खाप से माफी मांगें अन्यथा 10 मई के बाद खाप 84 इसके लिए कड़े फैसले लेने पर मजबूर होगी।

डीआरडीओ नहीं करेगा पानीपत-हिसार में अस्पताल निर्माण!

चंडीगढ़। केंद्र के डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आग्रेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने पानीपत व हिसार में कोविड केयर अस्पतालों के निर्माण में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। जिसके चलते अब सरकार ने लोक निर्माण विभाग के माध्यम से अस्पताल निर्माण शुरू कर दिया है। हरियाणा में रोजाना औसतन 15 हजार कोरोना पॉजिटिव मरीज आ रहे हैं। जिसके चलते प्रदेश में आक्सीजन युक्त बैड की भारी कमी हो रही है। रोजाना आक्सीजन तथा बैड के अभाव में मरीज दम तोड़ रहे हैं। हरियाणा के हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बीस अप्रैल को 'हरियाणा की बात' कार्यक्रम के दौरान कहा था कि हरियाणा सरकार ने डीआरडीओ को पानीपत में पांच सौ बैड के अस्पताल का निर्माण करने का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद 21 अप्रैल को हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने ट्वीट करके कहा था कि डीआरडीओ ने ने पानीपत और हिसार में पांच-पांच सौ बैड के आक्सीजन युक्त अस्पतालों के निर्माण को मंजूरी दे दी है।

एसपी ने पेट्रोलिंग बढ़ाने के दिए निर्देश

शराब की बिक्री एवं तस्करी होने पर ठेकेदारों और थानाध्यक्ष होंगे जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में लॉकडाउन की अनुपालना को लेकर पर्यवेक्षण अधिकारी, थानाध्यक्षों एवं यूनिट प्रभारियों को पैट्रोलिंग व गश्त बढाने के सख्त दिशा निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि कोरोना संक्रमण

के प्रकोप की महामारी के चलते लॉकडाउन की अनुपालना को लेकर जिले में 35 नाके व 15 पेट्रोलिंग पार्टियां अलग से नियुक्त की गई है। जो लॉकडाउन के दौरान बिना वजह घूमने वालों से सख्ती से निपटेंगे और उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करेंगे।

केवल मेडिकल व आपातकालीन सेवाओं के लिए ही बाहर जा सकते हैं। अस्पतालों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था के उचित प्रबंध किए गए हैं। ऑक्सीजन की कालाबाजारी पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाकर असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया जाए। ऑक्सीजन लाने वाली गाड़ियों के लिए सुरक्षा प्रदान करवाई जा रही है।

इसी के साथ अलग-अलग स्थानों पर फ्लैग मार्च निकालकर लॉकडाउन के आदेशों की पालना करवाई जाएगी। किसी भी थाना क्षेत्र में शराब के ठेकों, एल-1 व एल-13 पर शराब की बिक्री एवं तस्करी होने पर ठेकेदारों एवं संबंधित थानाध्यक्षों के विरूद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी सूरत में मिलीभगत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लॉकडाउन के चलते महासंघ के चुनाव हुए स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

लॉकडाउन एवं महामारी को देखते हुए हरियाणा कर्मचारी महासंघ ने पांच मई को जिल के होने वाले चुनाव को कोविड-19 के कारण स्थगित कर दिए गए हैं। फिलहाल सोनीपत ब्लॉक, सोनीपत जिले एवं तहसील के चुनाव स्थगित कर दिए हैं। महामारी की लहर कम होने एवं लॉकडाउन समाप्त होने के बाद चुनावों की तिथि पुन: घोषित की जाएगी।

हरियाणा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सोनीपत जिले के अधीन आने वाले ब्लॉक, तहसील के चुनाव की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है एवं स्थिति सामान्य होने के बाद जो चुनाव बाकी रह गए हैं, सोनीपत, ब्लॉक, तहसील एवं जिले का चुनाव करवाए जाएंगे। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की है कि अपनी कोविड-19 से अपनी सुरक्षा करते हुए सरकार एवं जनता का सहयोग करें। जरूरी सेवाएं प्रदेश की जनता को सामान्य दिनों की तरह उपलब्ध करवाएं। उन्होंने सरकार से मांग की सरकार आवश्यक सेवाएं देने वाले कर्मचारियों को बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए सभी जरूरी सामान ऐसे सैनिटाइजर, दस्ताने मास्क आदि सामान उपलब्ध करवाएं।

किसी भी अस्पताल में नहीं हो आक्सीजन की कमी: उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कोरोना से बचाव की दिशा में कुरुक्षेत्र जिला प्रशासन पूरी सजगता व सतर्कता के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर गंभीर है। जिले में कोविड के सभी अस्पतालों में मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ देने के लिए योजनानुसार काम किया जा रहा है। इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए है।

उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने अधिकारियों को सख्त आदेश दिए कि किसी भी अस्पताल में आक्सीजन की कमी नहीं होनी चाहिए और सरकार द्वारा निर्धारित कोटे के अनुसार आक्सीजन के वितरण का कार्य किया जाए। इस जिले में सरकार के पैनल पर कोविड अस्पतालों में प्रत्येक मरीज के स्वास्थ्य पर नजर रखी जाए ताकि किसी भी मरीज को कोई दिक्कत और परेशानी नहीं आने पाए। इस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एडीसी प्रीति, एसडीएम अखिल पिलानी, एसडीएम पिहोवा सोनू राम, जिला परिषद के सीईओ अश्वनी मलिक, एमडी शुगर मिल विरेन्द्र चौधरी सहित अंडर ट्रेनिंग आईएएस वैशाली सिंह व जया शारदा की डयूटी लगाई है। मूवमेंट पास के लिए सरल पोर्टल से कर सकते है

उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़।

ऑनलाइन आवेदन उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के दृष्टिगत हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार लॉकडाउन लगा हुआ है। कोई भी व्यक्ति अपने-अपने घरों से बाहर ना निकलें, इसकी बार-बार प्रशासन द्वारा अपील की जा रही है। नागरिक अपने-अपने घरों में रहकर सरकार के निर्देशानुसार लॉकडाउन का पालन करें। यदि उन्हें आपातकालीन कार्य हेतू कहीं बाहर आना जाना पड़े तो आपातकालीन मूवमेंट पास के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉट सरलहरियाणाडॉटजीओवीडॉटईन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें, मूवमेंट पास स्वीकृति के उपरांत आपके मोबाइल व ई-मेल पर आ जाएगा। किसी भी व्यक्ति को किसी भी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में दाखिले को जरूरी नहीं एसएलसी

सरकारी स्कूल खुद जारी करेंगे अस्थाई एसआरएन

सरकारी स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों को परेशान कर रहे निजी स्कूल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने निजी स्कूलों के बच्चों को सरकारी स्कूलों में भर्ती करने को लेकर कई नियमों में बदलाव कर दिया है। एक मई को नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद इन दिनों सरकारी स्कूलों में दाखिले

चल रहे हैं। पिछले साल हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान करीब दो लाख बच्चों ने निजी स्कूलों को छोड़कर सरकारी स्कूलों का रूख किया था।

इस साल सत्र के दौरान राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को अधिक से अधिक दाखिलों का लक्ष्य दिया है। दूसरी तरफ विद्यार्थियों के अभिभावकों द्वारा निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूले जाने का मुद्दा लगातार उठाया जा रहा है। स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों को निजी स्कूल संचालकों द्वारा स्कूल लीविंग सर्टीफिकेट नहीं दिए जा रहे हैं।

इस उठापटक के बीच प्रदेश सरकार ने एक बार फिर से सरकारी स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों के लिए एसएलसी की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। अब विद्यार्थियों को शिक्षा का अधिकार के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे। यही नहीं निजी स्कूल संचालकों द्वारा विद्यार्थियों को स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन नंबर भी नहीं दिया जा रहा है। अब सरकार ने फैसला लिया है कि इसके आधार पर भी विद्यार्थियों का दाखिला नहीं रोका जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों का अस्थाई एसआरएन जारी करें।

क्लास वन व टू अफसरों के लिए रोस्टर लागू

हरियाणा सरकार ने कोरोना के मद्देनजर शिक्षा विभाग में दर्जा एक व दो के अधिकारियों के लिए भी रोस्टर लगा कर दिया है। यह रोस्टर मंगलवार से लागू हो चुका है। पहले सरकार ने शिक्षा विभाग में दर्जा तीन व चार के कर्मचारियों के दफ्तर में आने को लेकर रोस्टर लागू किया था। अब कोरोना के मद्देनजर क्लास वन व टू के अधिकारी भी रोस्टर के अनुसार ही दफ्तरों में आएंगे। यही नहीं शिक्षा निदेशालय ने विभागीय कार्यों के संबंध में हरियाणा के दूसरे जिलों से आने वाले विभागीय कर्मचारियों तथा शिक्षकों के आवागमन पर भी रोक लगा दी है।

मोदी-बोरिस आभासी शिखर सम्मेलन से पहले एक अरब पाउंड के निवेश की घोषणा

एजेंसी। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के बीच आभासी शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को भारत के साथ एक अरब पाउंड के निवेश समझौते को अंतिम रूप दिया, जिससे 6,500 से अधिक नौकरियां तैयार होंगी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार शाम को इन निवेश की पुष्टि की, जो उन्नत व्यापार साझेदारी (ईटीपी) का हिस्सा हैं, जिस पर दोनों

2030 तक ब्रिटेन-भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा जाएगा

नेता औपचारिक रूप से अपनी वार्ता के दौरान हस्ताक्षर करेंगे। ईटीपी के तहत 2030 तक ब्रिटेन-भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा जाएगा और व्यापक मुक्त व्यापार समझौते

(एफटीए) की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास किए जाएंगे।

जॉनसन ने कहा, ब्रिटेन-भारत संबंध के सभी पहलू की तरह हमारे आर्थिक संबंध हमारे लोगों को मजबूत और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा, आज घोषित की गई 6,500 से अधिक नौकरियों से परिवारों और समुदायों को कोरोना वायरस के प्रकोप से उबरने में मदद मिलेगी और इससे ब्रिटिश तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी। आज हुई नई साझेदारी और एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते की मदद से हम आने वाले दशक में भारत के साथ अपनी व्यापारिक साझेदारी को दोगुना करेंगे और दोनों देशों के बीच संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित व्यापार और निवेश पैकेज के मुताबिक ब्रिटेन के स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत से 53.3 करोड़ पाउंड का नया निवेश आएगा। इसमें सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया का 24 करोड़ पाउंड का निवेश शामिल है, जिसके तहत एक नया बिक्री कार्यालय खोला जाएगा।

पुणे स्थित वैक्सीन विनिर्माता के साथ ही लगभग 20 भारतीय कंपनियों ने ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवा, बायोटेक और सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश करने की घोषणा की है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक अन्य भारतीय कंपनी ग्लोबल जीन कॉर्प द्वारा अगले पांच वर्षों के दौरान 5.9 करोड़ पाउंड का निवेश किया जाएगा।

राज्य प्रायोजित हिंसा की वजह से बंगाल जल रहा है : भाजपा

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित हत्या के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए, भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल आज जल रहा है। तृणमूल कांग्रेस की तुलना नाजियों से करते हुए, भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार को फासीवादी करार दिया। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया था कि चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल में उसके चार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है। आठ चरणों में मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को हुई मतगणना में तृणमूल कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की और लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा जमाया। डिजिटल माध्यम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण बंगाल जल रहा है। देश के चुनावी इतिहास में कभी भी इस प्रकार का नजारा देखने को नहीं मिला है, जो आज बंगाल में हो रहा है।

बंगाल में हिंसा की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद लोगों को बड़ा दिल रखना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे पार्टी के अन्य नेता अर्निबान गांगुली ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लिए मतदान करने वाले लोगों से पूछा जाना चाहिए कि आज जो बंगाल में हो रहा है क्या वह सही है।

उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस आज जो कर रही है वह नाजियों के जर्मनी वाले फासीवाद के निकट है। यह एक फासीवादी सरकार है। एक लोकतांत्रिक सरकार में ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। गांगुली ने इस मामले में अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए। पार्टी नेताओं की कथित हत्या पर नाराजगी जताते हुए पात्रा ने कहा कि 2.28 करोड़ बंगाल की जनता ने भाजपा को मत दिया। उन्होंने पूछा कि क्या किसी दल को मत देने वाले लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ममताजी आप जीती हैं और सभी ने इसके लिए आपको बधाई दी है। जिन महिलाओं की हत्या हो रही है और बलात्कार हो रहे हैं क्या वह पश्चिम बंगाल की बेटियां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के पीछे मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा उनसे मुलाकात करेंगे। वही नड्डाजी जिन पर तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने हमला किया था।

प्रधानमंत्री ने बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर क्षोभ जताया : राज्यपाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की और चुनाव के बाद कई जिलों से हिंसा की खबरों के मद्देनजर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया।पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कुछ कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए, तथा दुकानों में लूटपाट की गई। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। धनखड़ ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री ने फोन पर बातचीत में कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। मैंने प्रधानमंत्री से हिंसा, लूटपाट, आगजनी की घटनाओं, हत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि बर्द्धमान जिले में रविवार और सोमवार को तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों में कथित झड़प में चार लोगों की मौत हो गई। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि मारे गए लोगों में तीन पार्टी के समर्थक थे। राज्यपाल ने ट्वीट कर सवाल किया, पश्चिम बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, हत्याओं को रोकना चाहिए। चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है? लोकतंत्र पर हमला क्या हो रहा है? धनखड़ ने कहा, खौफनाक हालात की खबरें मिल रही हैं। डर के कारण लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं

कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के चलते बिहार में 15 मई तक लॉकडाउन

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण राज्य में 15 मई तक लॉकडाउन लागू करने की मंगलवार को घोषणा की। नीतीश ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, सहयोगी मंत्रीगण एवं पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद बिहार में फिलहाल 15 मई तक लॉकडाउन लागू करने का निर्णय लिया गया। इसके विस्तृत मार्गनिर्देशिका एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में आज ही आपदा प्रबंधन समूह को कार्रवाई के लिए निदेश दिया गया है।

बिहार में सोमवार को कोविड-19 के 11407 नए मामले आने के साथ ही 82 और लोगों की मौत हो गई थी। बिहार गृह विभाग (विशेष शाखा) द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि चार मई को आपदा प्रबंधन समूह की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि राज्य में संक्रमण दर पिछले एक सप्ताह से निरंतर 10 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। आदेश में कहा गया है, अतः वर्तमान स्थिति के परिपेक्ष्य में स्थितियों पर व्यापक

नियंत्रण के लिए पांच मई से 15 मई तक सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, ट्रेनिंग एवं अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। इस अवधि में राज्य सरकार के विद्यालय एवं विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी तरह की परीक्षाएं भी नहीं ली जाएंगी। आदेश में कहा गया है कि सभी धार्मिक स्थल आमजनों के लिए बंद रहेंगे। सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, खेल-कूद, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन अथवा समारोह प्रतिबंधित होंगे। आदेश के मुताबिक, सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार के आयोजन (सरकारी एवं निजी) पर रोक रहेगी। आदेश में कहा गया है कि विवाह समारोह अधिकतम 50 व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित किए जा सकते हैं पर इनमें डीजे एवं बारात जुलूस की इजाजत नहीं होगी।

ब्रिटेन से ऑक्सीजन सिलिंडर लेकर चेन्नई पहुंचे वायु सेना के विमान

चेन्नई। भारतीय वायुसेना का विमान ब्रिटेन से 450 खाली ऑक्सीजन सिलिंडरों व करीब 35 टन चिकित्सीय उपकरणों को लेकर वायुसेना का विमान मंगलवार को यहां पहुंचा।

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान ब्रिटेन से चिकित्सीय उपकरण लाने के लिए दो मई को गुजरात के जामनगर वायु सैन्य अड्डे से रवाना हुए थे। वायु सेना के दोनों विमान लगातार साढ़े 11 घंटे की उड़ान के बाद ब्रिटेन के ब्रिज नॉर्टन पहुंचे और वहां से जीवन रक्षक चिकित्सीय उपकरण लेकर देश रवाना हुए। वायु सेना का पहला विमान स्थानीय समयानुसार करीब दो बजे ब्रिटेन पहुंचा और 450 खाली ऑक्सीजन सिलिंडरों समेत करीब 35 टन चिकित्सीय उपकरणों को लेकर भारत रवाना हो गया। वायु सेना का विमान मंगलवार सुबह पांच बजे पहुंचा।

कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी भूखा न रहे : योगी

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन की जरूरत पर जोर देते हुए मंगलवार को निर्देश दिया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने कोविड-19 महामारी के प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंशिक कोरोना कर्फ्यू के कारण कहीं भी किसी

श्रमिक, ठेला, रेहड़ी व्यवसाई, दिहाड़ी मजदूर को भोजन की समस्या न हो, ऐसे में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कृषि उत्पादन आयुक्त स्तर से इस संबंध में आवश्यक प्रयास किए जाएं। औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आवश्यकतानुसार प्रबन्ध रहे। कोई भी व्यक्ति भोजन के अभाव में परेशान न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए। योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए सरकार लगातार जरूरी कदम उठा रही है। वर्तमान में छह मई सुबह सात बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू प्रभावी है और इस अवधि में आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं सतत जारी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने घरों में रहकर इलाज करा रहे कोविड-19 संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

रायपुर के अस्पताल में आग लगने के मामले में दो डॉक्टर गिरफ्तार

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर में निजी अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की मृत्यु के मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के दो बोर्ड सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है।

रायपुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि शहर के राजधानी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की मृत्यु के मामले में पुलिस ने डॉक्टर सचिन मल और डॉक्टर

अरविंदो रॉय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन से जुड़े दोनों चिकित्सकों पर दुर्घटना के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है। इस मामले में डॉक्टर संजय जादवानी और डॉक्टर विनोद लालवानी की खोज की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तब जानकारी मिली कि अस्पताल में आगजनी के दौरान आग से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। उन्होंने बताया कि इस दौरान फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के विशेषज्ञों ने भी अस्पताल की इस लापरवाही की तरफ इशारा किया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है।

वेन बर्गेस को वाहन डिजाइन का प्रमुख बनाया

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने मंगलवार को कहा कि उसने वेन बर्गेस को वाहन डिजाइन के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया है। कंपनी, जो इस साल जुलाई में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को बाजार में पेश करने के लिए तैयार है, ने कहा कि बर्गेस कंपनी के पूरे उत्पाद रेंज के लिए वाहन डिजाइन की अगुवाई करेंगे, जिसमें स्कूटर, बाइक, कार और बहुत कुछ शामिल होगा। एक बयान में कहा गया है कि बर्गेस ने अपने शुरुआती करियर में रोल्स रॉयस और बेंटले से लेकर एस्टन मार्टिन और जगुआर लैंडरोवर के साथ काम किया है और उनके पास वाहन डिजाइन का लगभग तीन दशक का अनुभव है।

यूएई से गुजरात पहुंचे सात ऑक्सीजन टैंकर

एजेंसी। अहमदाबाद।

कोविड-19 महामारी की भयावह लहर के खिलाफ जारी लड़ाई में दुनिया के कई देश भारत की मदद कर रहे हैं जिसके तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 20 मीट्रिक टन ऑक्सीजन लेकर सात टैंकर मंगलवार को गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचे।

विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। इस ऑक्सीजन से देश में कोविड-19 के मरीजों के इलाज में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के नए मामलों में अचानक हुई वृद्धि के बीच मेडिकल ऑक्सीजन की मांग काफी बढ़ गई है। विदेश मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा यूएई के साथ हमारी बढ़ती हुई रणनीतिक साझेदारी के तहत 20 मीट्रिक टन तरल चिकित्सीय ऑक्सीजन लेकर सात आईएसओ टैंकर यहां मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचे। यूएई की इस मदद का हम सम्मान करते हैं। इससे देश में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। आईएसओ टैंकरों का निर्माण अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन की ओर से तय किए गए मानकों के अनुरूप ही किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मैक्सिको सिटी में मेट्रो का पुल गिरने से 20 लोगों की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको सिटी में सोमवार रात मेट्रो के पुल का खंभा ढह जाने से मलबे में दबकर 20 लोगों की मौत हो गई और करीब 70 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में बताया। घटनास्थल पर एक क्रेन की मदद से मलबों को हटाया जा रहा है ताकि आपात एवं बचावकर्मी वहां जाकर फंसे हुए लोगों का पता लगा सकें। मैक्सिको सिटी की मेयर क्लाउडिया शिनबौम ने कहा कि 49 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनमें से सात की हालत गंभीर है, उनकी सर्जरी हो रही है। शिनबौम ने कहा कि घटनास्थल से एक मोटरचालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जो सड़क के किनारे नीचे फंसा हुआ था। कई बचावकर्मी मलबों के नीचे तलाश कर रहे हैं। शिनबौम ने बताया, दुर्भाग्य से मरने वालों में बच्चे भी हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। मेयर ने बताया कि पुल का खंभा गिरने से यह दुर्घटना हुई। खंभा ढहने से पुल का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया, जिससे मलबे में कई कारें दब गईं। उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग मेट्रो मार्ग के अंदर भी फंसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं मालूम वे जिंदा हैं भी या नहीं। दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब साढ़े 10 बजे हुई।

सरकार ने नांदेड़ में पचास फोर्स ट्रैक्स एम्बुलेंस तैनात की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए नांदेड़ जिले में ऑटो निर्माता कंपनी फोर्स मोटर्स द्वारा निर्मित 50 एम्बुलेंस की तैनाती की है। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि इन एम्बुलेंस को एक मई को सेवाओं में लगाया था और इनका उपयोग राज्य के नांदेड़ जिले के सभी हिस्सों में संक्रमितों को लाने और ले जाने में किया जाएगा। ए एम्बुलेंस सभी नवीनतम नियमों के अनुरूप है और स्वास्थ्य विभाग, सरकारी अस्पतालों समेत आपातकालीन सेवाओं के लिए उचित है। फोर्स मोटर के बिक्री और विपणन अध्यक्ष आशुतोष खोसला ने कहा, हमें गर्व है कि नांदेड़ प्रशासन ने जिले के सभी हिस्सों में मरीजों की सहायता के लिए प्लेटफॉर्म पर अपना भरोसा जारी रखा है। हम स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए इस नेक पहल का हिस्सा बनने पर बेहद खुश हैं। फोर्स मोटर ने कहा कि ट्रैक्स एम्बुलेंस एक मजबूत और विश्वसनीय एम्बुलेंस है, जो सभी इलाकों में कारगर है। इन एम्बुलेंस को अगली पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

पाकिस्तान में सड़क हादसे में 15 की मौत, 35 जख्मी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक बस के एक खड्ड में गिर जाने से उसमें सवार कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 35 से अधिक जख्मी हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि हादसा अटक जिले के हसन अब्दाल राजमार्ग पर हुआ है। बस लाहौर से खैबर पख्तूनख्वा के मर्दान जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, बस का चालक अन्य कार से टक्कर को बचाने के चक्कर में गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा। बचाव दलों ने जख्मियों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई है जबकि 35 से अधिक घायल हुए हैं। विदेशी पाकिस्तानियों एवं मानव संसाधन विकास पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक सैयद जुल्फिकार अब्बास बुखारी ने घटना पर दुख जताया है और नागरिक प्रशासन को पीड़ितों की मदद करने की हिदायत दी है।

पटवारी पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को एक पटवारी को पांच हजार रुपये की कथित रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्यूरो ने इसकी जानकारी दी। ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि जमीन का नामान्तकरण खोलने के एवज में पटवारी यशपाल सिंह 5 हजार रुपये की राशि रिश्वत मांगकर परेशान किया जा रहा है। सिंह करौली जिले के पटवार हल्का ग्राम पाली का पटवारी है। ब्यूरो की टीम ने शिकायत का सत्यापन कर मंगलवार को ट्रेप करते हुए आरोपी पटवारी यशपाल सिंह को परिवादी से पांच हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी के निवास व अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे जांच करेगी।

बंगाल में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी भाजपा

कोलकाता। वित्त आयोग के पूर्व सदस्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायक तथा जाने-माने अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी ने मंगलवार को कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। पश्चिम बंगाल में रविवार को घोषित विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा दूसरे नंबर की पार्टी बन कर उभरी है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस राज्य में एक बार फिर अपनी सरकार बनाने में सफल रही है। लाहिड़ी ने कहा, मैंने अपनी व्यक्तिगत लड़ाई जीत ली, लेकिन हम बड़ी लड़ाई हार गए। इस हार का मतलब है कि हम अब विपक्ष में बैठेंगे, लेकिन मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि हम रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपई और मनमोहन सिंह की सरकार में काम कर चुके अर्थशास्त्री ने कहा, हमें उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज सुनी जाएगी और विशेष तौर पर तब जब हम राज्य की बेहतरी के लिए रचनात्मक सुझाव देंगे। केंद्र सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे लाहिड़ी भाजपा की तरफ से बंगाल के विधानसभा चुनावों में उतारे गए पांच जाने माने चेहरों में से एक थे। भाजपा ने उनके अलावा स्तंभकार स्वपन दासगुप्ता, पूर्व उप सेना प्रमुख सुब्रत साहा और रणनीतिकार अनिर्बान गांगुली को भी टिकट दिया था, हालांकि सभी को अपने पहले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। ऐसा माना जा रहा था कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो लाहिड़ी को राज्य का वित्त मंत्री बनाया जाएगा।

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट : देखने-समझने की बात, अगली बार किसका होगा नया पीएम आशियाना

लॉकडाउन इफेक्ट नहीं : दिसंबर 2022 तक तैयार हो जाएगा प्रधानमंत्री का नया आशियाना

एजेंसी। नई दिल्ली

बंगाल चुनाव के साथ-साथ अन्य पांच राज्यों के परिणामों ने देश में राजनीतिक हवा का रुख बदला है। कोरोना महामारी के बीच देश जिस तरह संसाधनों की कमी से जूझ रहा है, जिस तरह से मौतें हो रही हैं, जो भयावहता श्मशान घाटों, अस्पतालों में दिखाई दे रही है, वह यह बताने के लिए काफी है कि भारत जैसे देश में चिकित्सा सिस्टम बुरी तरह चरमराया हुआ है। चिकित्सा का जो बोझ है, वह प्राइवेट अस्पतालों पर निर्भर है, वे इस महामारी में बौने नजर आ रहे हैं। चुनावी प्रपंच, सरकार गिराने, हार्स ट्रेडिंग जैसे मसलों पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करने वाली सरकारें आजादी के बाद अब तक कमजोर चिकित्सा और शिक्षा तंत्र को मजबूत नहीं कर पाई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश ने उम्मीद लगाई थी, लेकिन उनके प्रयास भी नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाले ही साबित हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक चुटकी चल रही है कि नए पीएम आवास में अगली दफा किसको प्रधानमंत्री वाली सहूलियतें मिलेंगी।

लॉकडाउन के बीच काम तीव्र गति से जारी

प्रधानमंत्री का नया आवास दिसंबर 2022 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसे सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया जा रहा है। देश इस वक्त महामारी से जूझ रहा है। देश के ज्यादातर राज्यों में लॉकडाउन है, लेकिन सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट में कंस्ट्रक्शन जारी है। प्रोजेक्ट को पर्यावरण संबंधी तमाम मंजूरियां मिल चुकी हैं और 'आवश्यक सेवा' अधिनियम में रखा गया है। लिहाजा,

यहां निर्माण कार्य नहीं रोका गया है। विपक्ष के ऐतराज के बावजूद सरकार ने इसे हरी झंडी दी थी। प्रोजेक्ट की टाइम लाइन का सख्ती से पालन करने के आदेश हैं। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत जो बिल्डिंग्स अगले साल तक बनकर तैयार होंगी, उनमें प्रधानमंत्री आवास शामिल है। फिलहाल, प्रधानमंत्री 7, लोक कल्याण मार्ग पर रहते हैं। यूपीए सरकार के दौर तक इसे 7, रेसकोर्स रोड कहा जाता था।

उप राष्ट्रपति और एसपीजी का हेडक्वॉर्टर भी

अगले साल दिसंबर तक जो नई बिल्डिंग्स तैयार होंगी, उनमें

बड़ी तेजी से तैयार किया जा रहा है सेंट्रल विस्टार प्रोजेक्ट

प्रधानमंत्री आवास के अलावा उनकी सुरक्षा में तैनात स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप का हेडक्वॉर्टर भी शामिल है। ब्यूरोक्रेट्स के लिए एक एग्जीक्यूटिव एनक्लेव भी इसी दौरान बनकर तैयार हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट में उप राष्ट्रपति का आवास भी शामिल है। ये अगले साल मई तक तैयार हो जाएगा। सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर कुल मिलाकर 13450 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्लान के मुताबिक, प्रोजेक्ट में 46 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

विपक्ष का विरोध

देश की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए विपक्षी दल नए संसद

देश में दिनोंदिन बदल रहे हैं राजनीतिक समीकरण

भवन, सरकारी ऑफिस और प्रधानमंत्री आवास बनाए जाने का विरोध करते रहे हैं। पिछले दिनों राहुल गांधी ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट को गैरजरूरी बताया था। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस प्रोजेक्ट का यह कहते हुए विरोध किया कि महामारी के दौरान इसको रोक दिया जाना चाहिए। कुछ लोगों का कहना है कि इस दौरान हॉस्पिटल्स की परेशानी है। ऑक्सीजन, वैक्सीन और दवाओं की किल्लत है। प्लान के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले दिल्ली में सरकारी इमारतें और कुछ आवास बनाए जाने हैं। इसके लिए राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक का चार किलोमीटर का क्षेत्र चुना गया था। सरकार ने यह कहते बचाव किया कि पुरानी इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। इस प्रोजेक्ट को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी गई थी, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह प्रोजेक्ट एनवॉयरनमेंटल या लैंड-यूज रिफॉर्म्स के खिलाफ नहीं है।

क्या है सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट ?

राष्ट्रपति भवन, मौजूदा संसद भवन, इंडिया गेट और राष्ट्रीय अभिलेखागार की इमारत को वैसा ही रखा जाएगा। सेंट्रल विस्टा के मास्टर प्लान के मुताबिक पुराने गोलाकार संसद भवन के सामने गांधीजी की प्रतिमा के पीछे नया तिकोना संसद भवन बनेगा। यह 13 एकड़ जमीन पर बनेगा। इस जमीन पर अभी पार्क, अस्थायी निर्माण और पार्किंग है। नए संसद भवन में दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के लिए एक-एक इमारत होगी, लेकिन सेंट्रल हॉल नहीं बनेगा।

15 एकड़ में बनेगा नया पीएम आवास

मंत्रालयों का साझा केंद्रीय सचिवालय बनाने के लिए शास्त्री भवन, उद्योग भवन, निर्माण भवन, कृषि भवन सहित कई अन्य इमारतें भी गिराई जाएंगी। सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास प्रोजेक्ट में सीपीडब्ल्यूडी (केंद्रीय लोकनिर्माण विभाग) के हालिया प्रस्ताव के मुताबिक प्रधानमंत्री के नए आवासीय कॉम्प्लेक्स में चार मंजिला 10 इमारतें होंगी। प्रधानमंत्री के नए आवास को 15 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा।

नोएडा के निजी अस्पतालों की चेतावनी

आज से ऑक्सीजन की आपूर्ति नियमित नहीं हुई तो बंद रहेंगी मेडिकल सेवाएं

जिले में दिनोंदिन गहराता जा रहा प्राणवायु का संकट

● प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन ने डीएम को लिखी चिट्ठी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

गौतमबुद्धनगर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत का संकट गहराता जा रहा है। सिर्फ कोविड हॉस्पिटल ही नहीं, बल्कि नॉन-कोविड अस्पतालों में भी इस प्राणरक्षक गैस की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इस वजह से मरीजों की सांसें उखड़ रही हैं। दोनों तरह के अस्पतालों ने नए मरीजों की भर्ती करने में फिर आनाकानी शुरू कर दी है।

जिले के दादरी क्षेत्र के निजी अस्पतालों ने ऑक्सीजन की आपूर्ति सुचारू नहीं होने पर तालाबंदी का ऐलान किया है। सोमवार को दादरी प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि यदि मंगलवार को ऑक्सीजन की खेप नहीं मिली, तो फिर बुधवार से अस्पतालों में सेवा बंद कर दी जाएगी। संगठन ने इस बावत एक पत्र जिलाधिकारी सुहास एलवाई को भी भेजा है। बैठक में जिले में ऑक्सीजन की किल्लत पर चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने एकमत होकर फैसला लिया कि ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होने की स्थिति में अस्पतालों में इलाज नहीं किया जाएगा। नवीन अस्पताल के प्रबंधक अजीत सिंह ने बताया कि इस वक्त मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। लेकिन दादरी के अस्पतालों में ऑक्सीजन नहीं है। जिला प्रशासन सिर्फ कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन दे रहा है। जबकि नॉन-कोविड अस्पतालों को इसकी जरूरत है। दूसरी बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए भी ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ती है। लेकिन इसकी आपूर्ति बंद होने से ऐसे मरीजों का इलाज करना मुश्किल हो रहा है।

एसोसिएशन ने इस बारे में दादरी के विधायक तेजपाल नागर से मुलाकात कर ऑक्सीजन दिलाने की मांग की थी। दादरी विधायक के प्रयास और डीएम की सहमति पर बिसाहड़ा स्थित प्लांट से 50 सिलेंडर की आपूर्ति मिलना तय हुआ था। लेकिन सिर्फ एक मई को ऑक्सीजन सिलेंडर मिले। बीते रविवार और सोमवार को ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं की गई। संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया गया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

थक हारकर एसोसिएशन ने डीएम को चिट्ठी लिखी। इसमें कहा गया है कि अगर मंगलवार से ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हुई, तो इन निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा बंद की जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार होगा।

प्राधिकरण के जल विभाग मे तैनात वरिष्ठ प्रबंधक का कोविड-19 से निधन

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग में तैनात वरिष्ठ प्रबंधक योगेंद्र कुमार (54 वर्ष) की सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 3 दिन पूर्व योगेंद्र कुमार की माता जी का भी कोविड-19 के संक्रमण की वजह से निधन हुआ था।

नोएडा प्राधिकरण के अफसरों के मुताबिक, इस वक्त प्राधिकरण के 60 से ज्यादा अधिकारी कर्मचारी कोविड-19 के संक्रमण की चपेट में है। ये सभी लोग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि योगेंद्र कुमार उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बांसगांव के रहने वाले थे। वह परिवार सहित लखनऊ में रहते थे। करीब 3 साल पहले उनका ट्रांसफर नोएडा हुआ था। कोरोना संक्रमित होने की वजह से वह करीब 1 सप्ताह से बीमार चल रहे थे।

नोएडा में सूनामी बनी कोरोना की दूसरी लहर

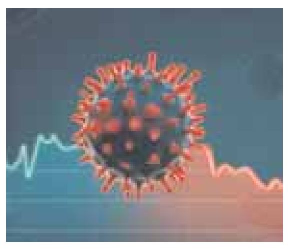

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

343 दिन बनाम 13 दिन

उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार अपना दायरा फैलाता जा रहा है। हालात दिनोंदिन बिगड़ते जा रहे हैं। अप्रैल के आखिरी तीन हफ्तों में जिले की बुनियादी स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई। मौतों का सिलसिला लगातार जारी है।

खतरनाक हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कोरोना की पहली लहर 343 दिनों की थी। इस दौरान 100 लोगों की मौत हुई थीं। जबकि, अगली 100 मौतें दूसरी लहर के महज 13 दिनों में हो गई हैं।

गौतमबुद्ध नगर में 8 मई 2020 को इस महामारी के कारण पहली मौत हुई थी। नोएडा के सेक्टर-22 में रहने वाली 61 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में दम तोड़ दिया था। 16 अप्रैल 2021 तक 343 दिनों में 100 लोगों की मौत हुईं। अब अप्रैल के महीने में महामारी की दूसरी लहर आई। यह लहर नहीं सूनामी बन चुकी है। 29 अप्रैल को मौत का आंकड़ा 202 हो गया। मतलब, महज 13 दिनों में 102 लोग मर गए। तीन मई को मरने वालों की संख्या 250 हो चुकी है। केवल चार दिनों में 48 लोगों की मौत हुई हैं। डॉक्टर इसके लिए ऑक्सीजन की कमी को जिम्मेदार मान रहे हैं। ठीक यही स्थिति संक्रमण की चपेट में आने वाले लोगों की है। 8 मई 2020 को जिले में इन्फेक्टिड लोगों की संख्या केवल 202 थी। 16 अप्रैल 2021 तक संख्या बढ़कर 29,425 हो गई। 29 अप्रैल को 40,002 और तीन मई को संक्रमितों की संख्या 45,792 हो गई है।

शहर के विभिन्न अस्पतालों और क्वारंटीन सेंटर में इस वक्त 7,982 मरीजों का उपचार चल रहा है। यह ग्राफ आपको इस महामारी के खतरनाक रूप को समझाने लिए काफी होगा। अब यह महामारी फ्रंटलाइन वर्कर्स को भी चपेट में ले रही है। नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में तैनात 200 पुलिसकर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। इसमें आईपीएस अफसर से लेकर इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर और कांस्टेबल शामिल हैं। एक सब इंस्पेक्टर की रविवार को मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि हमारे 200 पुलिसकर्मी संक्रमित हो गए हैं। इनमें से 20 पुलिसकर्मी ठीक हो चुके हैं। इन फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स के लिए सूरजपुर पुलिस लाइन में एल-1 हॉस्पिटल की शुरुआत की गई है। एक अनुमान के मुताबिक जिले में करीब 30 फीसदी मेडिकल स्टाफ भी बीमार है।

दूसरी तरफ हालात संभालने के लिए पुलिस और प्रशासन सख्त हैं। नाइट कर्फ्यू लागू है। साप्ताहिक लॉकडाउन का वक्त बढ़ता जा रहा है। जिले की सड़कों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा है। ऐसे में दिहाड़ी मजदूर तेजी से पलायन कर रहे हैं। लोग कोरोना महामारी को भूलकर किसी भी तरह अपने घर पहुंचने की जद्दोजहद में हैं। दिल्ली में लॉकडाउन पिछले 2 हफ्तों से बढ़ रहा है।

कोविड इंजेक्शन ब्लैक करने वाले 2 गिरफ्तार

● 80 से एक लाख तक वसूलते थे कीमत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी। फोटो : दीपक यादव

जिला पुलिस ने मंगलवार को एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कोरोना वायरस की दवाई के रूप इंजेक्शन की कालाबाजारी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के कब्जे से इंजेक्शन भी बरामद किए है। यह लोग वायरस से पीड़ित व्यक्ति का फायदा उठाकर उससे एक इंजेक्शन के नाम पर 80 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक वसूलते थे।

थाना सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक मुनीष चौहान ने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस ने सेक्टर-29 के पास से मंगलवार की सुबह को रवि और जुनेद नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी कोविड-19 के संक्रमण में मरीजों को दी जाने विली इंजेक्शन एस्पमार की कालाबाजारी कर रहे थे। ये लोग 80 हजार रुपये में एक इंजेक्शन बेच रहे थे। पुलिस ने बताया कि इनके पास से एक इंजेक्शन बरामद किया गया है।

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये लोग कई दिनों से कोरोना वायरस के उपचार उपचार में प्रयोग होने वाली दवाइयों की कालाबाजारी कर रहे हैं। इनके साथ कुछ डॉक्टरों के मिले होने की भी संभावना है। पुलिस इनसे गहनता से पूछताछ कर रही है।

सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए तड़पता रहा युवक, मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● मृतक के परिजनों ने किया खूब हंगामा

ग्रेटर नोएडा के दादरी में स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की लापरवाही से एक युवक की मौत हो गई है। युवक की मौत होने के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में खूब हंगामा किया।

युवक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही के कारण युवक की मौत हुई है। ग्रेटर नोएडा के दादरी सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक युवक के परिजन उसको इलाज के लिए लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि डॉक्टरों ने युवक का उपचार करने के बजाय उसको हाथ तक नहीं लगाया था। जिसके चलते मरीज की मौत हो गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि मृतक तीन.चार दिनों से बीमार चल रहा था। जिसके चलते उसे वह दादरी के सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया।

व्यक्ति की मौत के बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा है। जांच में पता चला है कि ग्रेटर नोएडा दादरी कोतवाली कस्बे के रेलवे रोड के रहने वाले शिव कुमार उर्फ सिब्बू पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

कांस्टेबल का कोरोना संक्रमण के कारण निधन

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में डायल 112 सर्विस पर तैनात कांस्टेबल अंकित की कोरोना संक्रमण की वजह से बीती रात को मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद कांस्टेबल अंकित जनपद शामली में स्थित अपने पैतृक गांव चले गए थे। उन्होंने बताया कि गौतमबुद्धनगर में तैनात 207 पुलिसकर्मी कोविड-19 से अब तक संक्रमित हो चुके हैं। बीते रविवार को एक उपनिरीक्षक चंद्रपाल सारस्वत की भी कोरोना वायरस के संक्रमण की वजह से मौत हो गई थी।

गाजियाबाद नगर निगम कर्मी की कोरोना से मौत

गाजियाबाद। नगर निगम के मोहन नगर जोन में कार्यरत सफाई नायक रतनलाल की कोरोना संक्रमण के चलते मौत हो गई है वह पिछले 8 दिनों से कोरोना से जूझ रहे थे। निगम प्रवक्ता ने बताया कि पहले सफाई नायक का इलाज होम आइसोलेशन में हो रहा था लेकिन बाद में तबीयत बिगड़ी तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया ,जहां मंगलवार को उनका निधन हो गया। उनके निधन पर नगर निगम कार्यालय में मातम का माहौल है। सफाई नायक की मृत्यु पर निगम मुख्यालय पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी गई।

ऑनलाइन गोष्ठी में अपने विचार रखते वक्ता।

हमारा शरीर, हमारा स्वयं डॉक्टर विषय पर गोष्ठी

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में हमारा शरीर हमारा स्वयं डॉक्टर है, विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन जूम पर किया गया। यह कोरोना काल में 213 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता युवा योगाचार्या श्रुति सेतिया ने बताया कि हम सब ठीक होना चाहते हैं। ये स्वाभाविक आवश्यकता है। कोई भी पैथि से दवा लेने से केवल शरीर की समस्या को हम सपोर्ट करते हैं या प्रबंध करते हैं। लेकिन आपका शरीर स्वयं में एक दवा की व्यवस्था है, अस्पताल है पूरा। समस्या अगर जन्म लेती है तो शरीर ही समाधान देता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता हम को स्वयं सहयोग करता है। इस तंत्र की कमज़ोरी से इंफेक्शन तुरंत हो जाता है। सिर्फ योग ही एक ऐसा सिस्टम है जो बाहर के सपोर्ट की बात नहीं करता। योग बोलता है कि समस्या यही है तो समाधान भी यही है।

स्कूलों में वैक्सीनेशन सेंटर बनाए जाने की मांग

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के समाजसेवी और एक्टिव सिटीजन टीम के संस्थापक सदस्य आलोक सिंह ने गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन से बड़ी मांग की है। आलोक सिंह ने जिलाधिकारी और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण से कहा है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए अस्पतालों में बनाए गए वैक्सीनेशन सेंटर हटाकर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के स्कूलों में बनाने चाहिए। आलोक सिंह का तर्क है कि अस्पतालों में कोरोनावायरस के संक्रमण का भय है, जिसकी वजह से लोग वैक्सीनेशन करवाने नहीं जा रहे हैं। इस वक्त स्कूल खाली पड़े हुए हैं, लिहाजा इनका वैक्सीनेशन के लिए उपयोग किया जा सकता है। आलोक सिंह ने कहा कि कोविड.19 से पार पाने के लिए सरकार वैक्सीनेशन करवाने पर जोर दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने तो 18 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी लोगों को मुफ्त वैक्सीनेशन करने का ऐलान किया है। अभी तक अस्पतालों को वैक्सीनेशन सेंटर बनाया गया था। अब कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर आ गई है। ऐसे में लोग अस्पतालों का रुख करते हुए डर रहे हैं। आलोक सिंह ने कहा, मेरी शहर में तमाम लोगों से बात हुई है। सबका कहना है कि वैक्सीनेशन करवाने के लिए अस्पतालों में जाना खतरे से खाली नहीं है। अधिकांश लोग भय महसूस कर रहे हैं।

इंजीनियर छात्र और महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-108 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले बीटेक के छात्र ने बीती रात को अपने फ्लैट के अंदर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वहीं थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाली एक 26 वर्षीय महिला ने पति से विवाद के बाद अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-108 स्थित डिवाइन विंडोज टयूलिप टावर नामक सोसाइटी में किराए पर रहने वाला 20 वर्षीय छात्र विपिन कुमार सक्सेना ने मानसिक तनाव के चलते अपने फ्लैट में बीती रात को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। वहीं सर्फाबाद गांव में रहने वाली 26 साल की आरती ने पति से हुए झगड़े के बाद मंगलवार की सुबह खुदकुशी कर ली।

अब निगम जोनल कार्यालय पर होगी ऑक्सीजन रिफिलिंग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● कालाबाजारी रोकने के लिए लिया फैसला

जनपद में ऑक्सीजन की कालाबाजारी और बद इंतजाम पर नकेल कसने के लिए प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिसके तहत अब ऑक्सीजन की रिफिलिंग नगर निगम के सभी पांचों जोनल कार्यालय पर होगी और इसकी मॉनिटरिंग नगर निगम का स्टाफ करेगा।

सड़क एवं परिवहन राज्य मंत्री व गाजियाबाद के सांसद डॉक्टर जनरल वीके सिंह के संज्ञान में ऑक्सीजन कालाबाजारी को लेकर बड़े पैमाने पर शिकायतें आई हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है कि अब ऑक्सीजन की आपूर्ति प्राइवेट केंद्रों से न होकर नगर निगम के जोनल कार्यालय से की जाएगी। यह व्यवस्था आगामी 2 दिन के अंदर लागू हो जाएगी। भाजपा की स्थानीय इकाई से जुड़े कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने जनरल वीके सिंह से उनके कैंप कार्यालय पर मुलाकात कर ऑक्सीजन की कालाबाजारी के संबंध में अवगत कराया था।

नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह आदेश दिया है कि अब किसी भी प्राइवेट केंद्र के बजाय निगम कार्यालय पर उन्हीं लोगों को ऑक्सीजन की सप्लाई दी जाए जिनके पास डॉक्टर का लिखा हुआ पर्चा या अस्पताल द्वारा डिमांड रिपोर्ट भेजी गई है। जो लोग होम आइसोलेशन में है उनका आधार कार्ड और डॉक्टर द्वारा लिखा गया पर्चा आधार कार्ड सहित निगम कार्यालय में प्रेषित करना होगा। निगम के सभी पांचों जोनों में यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि शहर के किसी भी कोने का व्यक्ति किसी भी वक्त आसानी से पहुंच सकता है और उसे ऑक्सीजन सप्लाई केंद्र का पता लगाने की भी जरूरत महसूस नहीं होगी।

संक्रमित शव को श्मशान पहुंचाएगी संस्था

सिविल डिफेंस की टीम ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

आज से शुरू होगी सेवा

जिन लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो जाती है और उनके घर में शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने के लिए कोई भी पड़ोसी या रिश्तेदार नहीं पहुंचता है। ऐसे लोगों की मदद के लिए सिविल डिफेंस की टीम आगे आयी है। यह टीम ऐसे लोगों के पास पहुंचेगी और मृतक के शव को अस्पताल से लेकर श्मशान घाट तक निशुल्क पहुंचाएगी।

इसके लिए सिविल डिफेंस ने अपनी टीम के कार्यकर्ताओं के नंबर भी जारी किये हैं। अक्सर देखने में आ रहा है कि कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हो जाने के बाद पड़ोसी या रिश्तेदार भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। संक्रमित मरीज के शव को श्मशान घाट तक पहुंचाने के लिए ऐंबुलेंस वाले केवल 5 किमी. के 5000 तक वसूल रहे हैं। ऐसे में लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सिविल डिफेंस के डिप्टी चीफ वार्डन अनिल अग्रवाल ने बताया कि लोगों की इस बड़ी समस्या को ध्यान में रखते हुए सिविल डिफेंस में एक टीम गठित करते हुए यह निर्णय लिया है कि इस दु:ख की घड़ी में विशेष टीम लोगों की मदद के लिए आगे आएगी। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करते हुए बताया कि जरूरतमंद लोग सिविल डिफेंस के डिप्टी चीफ वार्डन अनिल अग्रवाल 9910600629, ललित जायसवाल के प्रमुख सहयोगी दिवाकर सिंघल 99971361212, दिव्यांशु सिंघल 9910612063 एवं चीफ वार्डन ललित जायसवाल के 9999114642 पर फोन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि यह सेवा पूरी तरह नि:शुल्क रहेगी और बुधवार आज सुबह से ही शुरू हो जाएगी।

धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नोएडा। सेक्यूरिटी और एटीएम में पैसा डालने वाली कंपनी सीएमएस के तीन कर्मियों ने मिलकर बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम से करीब 26 लाख रुपये का गबन किया। इसकी भनक लगने पर कंपनी के एक अफसर ने तीन कर्मचारियों के खिलाफ नोएडा के सेक्टर.39 थाना पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस इसकी तहकीकात कर रही थी और मंगलवार को मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने एटीएम में कैश जमा करने के बहाने 26 लाख की गड़बड़ी करने वाले 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनसे कब्जे से 18 लाख रुपये भी बरामद किया है।

धोखाधड़ी मामले में पकड़े गए दोनों आरोपी। फोटो : दीपक यादव

गाजियाबाद को प्रत्येक दिन मिलेगी 25 से 35 टन ऑक्सीजन

जनपद में प्राणवायु की आपूर्ति को लेकर नोडल अधिकारी ने की मैराथन बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीडीए सभागार कक्ष में अफसरों के साथ बैठक करते नोडल अधिकारी।

जिले के कोरोना पीड़ितों के लिए एक राहत भरी खबर आई है। उत्तर प्रदेश शासन ने गाजियाबाद जिले को प्रतिदिन 25 से 35 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति करने का फैसला किया है।

ऑक्सीजन यहां के सरकारी और निजी अस्पतालों को किस तरीके से सप्लाई की जाएगी इस संबंध में जीडीए सभागार कक्ष में जिले के नोडल अधिकारी सेंथिल पांडियन की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें ऑक्सीजन सप्लाई की कालाबाजारी रोकने और अस्पतालों को नियमित रूप से ऑक्सीजन सप्लाई करने के जैसे मुद्दे पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

गाजियाबाद जनपद की भोजपुर इलाके में आईनॉक्स नामक ऑक्सीजन उत्पादन प्लांट लगा हुआ है जिसमें यहां 300 से 400 टन ऑक्सीजन का उत्पादन होता है। इसी कारखाने से गाजियाबाद सहित पड़ोसी राज्यों और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। बैठक में ऑक्सीजन डिस्ट्रीब्यूटर्स को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि यदि ऑक्सीजन सप्लाई के मामले में किसी भी प्रकार की बद-इंतजाम हुई तो उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे।

बैठक में यह भी बताया गया कि ऑक्सीजन सप्लाई की पूरी रिपोर्ट हर दिन नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तवर को देनी होगी। इसके अलावा ऑक्सीजन सप्लाई को लेकर टोकन सिस्टम भी लागू कर दिया जाएगा। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि कोविड अस्पतालों और होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे रोगियों को ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में मिले। जिले को आईनॉक्स प्लांट से ऑक्सीजन की सप्लाई होगी।

गाजियाबाद में ऑक्सीजन की मांग बढ़ी है इसलिए गाजियाबाद का ऑक्सीजन कोटा 25 से बढ़ाकर 35 टन कर दिया गया है।

इसमें कुछ हिस्सा रिफिलस को उपलब्ध कराया जाएगा ताकि आम नागरिक जिनके परिजन होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे हैं ,उन्हें ऑक्सीजन मिल सके । बैठक में मौजूद पुलिस अधिकारियों को यह ताकीद किया गया की कालाबाजारी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए और उन्हें ऐसी धाराओं में जेल भेजा जाए ताकि पांच 6 महीने से पहले वे जेल से बाहर ना निकलें।

फैक्ट्री में सीढ़ियों से फिसला पैर, 50 वर्षीय महिला की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

रज्जो देवी

साहिबाबाद इलाके में एक फैक्ट्री में काम करने वाली महिला की संदिग्ध हालत में मौत के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

महिला के परिवार का कहना है कि उन्हें बताया गया कि महिला का सीढ़ियों से पैर फिसल गया था जिसके बाद अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक 50 वर्षीय रज्जो देवी विजयनगर से रोजाना साहिबाबाद के आनंद इंडस्ट्री एरिया में काम करने के जाती थी। सोमवार सुबह भी वह फैक्ट्री में काम करने गई थी लेकिन देर रात उनके परिवार को अस्पताल में पहुंचने की सूचना मिली।

फैक्ट्री की तरफ से पुलिस को बताया गया है कि महिला सीढ़ियों से उतरने के दौरान पैर फिसलने से गिर गई थी। परिवार ने आरोप लगाया है कि फैक्ट्री का मालिक बीमार होने के चलते खुद फैक्ट्री में नहीं आ रहा लेकिन वर्करों को बुलाया जा रहा था। फिलहाल महिला की मौत कैसे हुई है इसकी जांच पुलिस करेगी। बताया जा रहा है कि मृतक महिला अपने परिवार में मुख्य कमाने वाली सदस्य थी। ऐसे में परिवार के सामने अब गुजारा करने का भी संकट खड़ा हो गया है।

बीसीसीआई ने चार भारतीय महिला खिलाड़ियों को हंड्रेड में खेलने की अनुमति दी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार महिला क्रिकेटरों को जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले पहले हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा भी उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 100 गेंद के टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी गई है। चौथी खिलाड़ी के नाम का पता अभी नहीं चला है। बीसीसीआई सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति और एक अन्य खिलाड़ी को मंजूरी दे दी गई है। बीसीसीआई ने उन्हें एनओसी दे दी है। पता चला है कि ये चारों खिलाड़ी जून-जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रिटेन में ही रहेंगी। भारतीय दौरे की शुरुआत 16 जून को एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। यह दौरा 15 जुलाई को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ समाप्त होगा।

ये चारों खिलाड़ी जून-जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रिटेन में ही रहेंगी

इस बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी। इस दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन अभी तक नहीं किया गया है जबकि बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति जल्द ही मुख्य कोच की घोषणा कर सकती है।

चयनित खिलाड़ियों को 27 मई को रिपोर्ट करना होगी लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वे ब्रिटेन का दौरा कैसे करेंगे क्योंकि कोविड-19 मामलों में बढ़ने के कारण ब्रिटिश सरकार ने भारत से उड़ानों को निलंबित कर रखा है। सूत्रों ने कहा, खिलाड़ियों को दौरे के लिए 27 मई को रिपोर्ट करने को कहा गया है। हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने 2019 में किया सुपर लीग में हिस्सा लिया था। महिलाओं के हंड्रेड के लिए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस टूर्नामेंट को बाद में भंग कर दिया था।

आईपीएल पर कोविड कहर

बालाजी की पॉजिटिव रिपोर्ट के बाद सीएसके- रॉयल्स मैच स्थगित

एजेंसी। नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को होने वाला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच अब बाद की तिथियों में आयोजित किया जाएगा क्योंकि गेंदबाजी कोच एल बालाजी के कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण सीएसके को कड़े पृथकवास से गुजरना पड़ रहा है।

बोर्ड की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आता है तो उसे छह दिन तक पृथकवास पर रहना होगा और इस दौरान उसकी आरटी पीसीआर की तीन रिपोर्ट नेगेटिव आनी चाहिए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, सीएसके और रॉयल्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में आज होने वाला मैच एसओपी नियमों के तहत बाद की तिथियों में आयोजित किया जाएगा। बालाजी सभी खिलाड़ियों के सपर्क में आए थे और इसलिए उन सभी को कड़े पृथकवास में रहना पड़ रहा है। उनका प्रत्येक दिन

परीक्षण किया जाना चाहिए।

जब सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि सीएसके ने बालाजी के आरटी पीसीआर परिणाम के बारे में बीसीसीआई को सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा, हमने सूचित कर दिया है कि बालाजी का परीक्षण पॉजिटिव आया है और एसओपी के अनुसार हमारे खिलाड़ी पृथकवास पर चले गए हैं। सीएसके के खिलाड़ी उनके पूर्व निर्धारित आरटी पीसीआर परीक्षण में हालांकि नेगेटिव आए थे। आईपीएल में यह दूसरा मैच जिसका कार्यक्रम फिर से तय किया जाएगा।

इससे पहले कोलकाता नाइटराइडर्स के दो खिलाड़ियों वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ सोमवार को होने वाला उसका मैच स्थगित कर दिया गया था। बीसीसीआई में कई का मानना है कि मंगलवार के मैच के कार्यक्रम में भी बदलाव करना समझदारी होगी। बीसीसीआई सूत्रों ने कहा, सीएसके के खिलाफ खेलने के कारण यहां तक कि मुंबई इंडियन्स के खिलाड़ी भी जोखिम में हैं। आदर्श स्थिति यही होगी कि बीसीसीआई आज के मैच का कार्यक्रम भी फिर से तय करे।

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने पर अमूमन छठे या सातवें दिन लक्षण दिखाई देते हैं। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि टूर्नामेंट के बाकी बचे मैच एक ही स्थल मुंबई में आयोजित किए जाएं लेकिन इसमें साजो सामान से जुड़ी दिक्कतें हैं। अधिकारी ने कहा, आप होटल के कई कर्मचारियों के लिए सात दिन के कड़े पृथकवास के लिए क्या करेंगे क्योंकि आपको नया बायो बबल तैयार करने के लिए कम से कम चार होटलों की जरूरत पड़ेगी। यदि टूर्नामेंट मुंबई में ही आयोजित किया जाता है तो कोलकाता और बेंगलुरू को अपने हिस्से के मैचों के आयोजन का मौका नहीं मिलेगा। एक अन्य विचार उन्हीं स्थानों -दिल्ली और अहमदाबाद- में मैचों का आयोजन जारी रखने को लेकर है जिनका अभी उपयोग किया जा रहा है।

एक फ्रेंचाइजी टीम के अधिकारी ने कहा, आपने देखा होगा कि जब चेन्नई और मुंबई में मैचों का आयोजन किया जा रहा था तब स्थिति नियंत्रण में थी। टीमों के एक शहर से दूसरे शहर में यात्रा करने के बाद समस्याएं पैदा हुई।

कोविड-19 संक्रमण से उबर रहे हैं प्रकाश पादुकोण

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं और बेंगलुरू के अस्पताल में इस संक्रमण से उबर रहे हैं।

प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड चैंपियनशिप का 1980 में खिताब जीतने वाले पहले भारतीय 65 साल के पादुकोण को इस हफ्ते अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है। इस दिग्गज खिलाड़ी के मित्र और प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) के निदेशक विमल कुमार ने पीटीआई को बताया, लगभग 10 दिन पहले प्रकाश, उनकी पत्नी (उजाला) और दूसरी बेटी (अनीशा) में लक्षण दिखाई दिए और उन्होंने परीक्षण कराया और नतीजे पॉजिटिव आए। उन्होंने कहा, उन्होंने स्वयं को पृथकवास में रखा है लेकिन एक हफ्ते बाद भी प्रकाश का बुखार कम नहीं हुआ इसलिए पिछले शनिवार को उन्हें यहां बेंगलुरू के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

विमल ने कहा, वह अब ठीक है। उनके सारे अंग सही काम कर रहे हैं, उनकी पत्नी और बेटी घर पर हैं और उन्हें भी दो या तीन दिन में छुट्टी मिलने की उम्मीद है। विश्व बैडमिंटन के सबसे प्रतिष्ठित खिलाड़ियों में से एक पादुकोण 1970 और 1980 के दशक में

1983 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे

भारतीय खेल के लिए आदर्श के रूप में उभरे। पादुकोण 1983 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। वह 1980 में दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी बनने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने डेनमार्क ओपन, आल इंग्लैंड चैंपियनशिप और स्वीडिश ओपन में लगातार तीन खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। वर्ष 1991 में खेल को अलविदा कहने के बाद पादुकोण भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष रहे। वह 1993 से 1996 तक भारतीय टीम के कोच भी रहे।

संक्षिप्त समाचार

अब सनराइजर्स के साहा कोविड से संक्रमित

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का कोविड-19 के लिए किया गया परीक्षण पॉजिटिव आया है। सनराइजर्स के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की और बताया कि पूरी टीम को अलग-थलग रहने को कहा गया है। सूत्रों ने कहा, उन्हें बुखार था और वह पिछले पांच दिनों से अलग-थलग थे। हमें भी अपने कमरों में ही रहने के लिए कहा गया है। सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का मैच भी स्थगित कर दिया गया था क्योंकि केकेआर के गेंदबाजों संदीप वारियर्स और वरुण चक्रवर्ती का परीक्षण पॉजिटिव आया था।

मैड्रिड ओपन में नडाल का सामना अलकारेज से

मैड्रिड। राफेल नडाल ने कुछ वर्ष पहले एक स्थानीय टेनिस टूर्नामेंट में जिस लड़के को पुरस्कार के तौर पर प्लेस्टेशन दिया था अब यह स्पेनिश दिग्गज मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में अपने देश के उसी किशोर कार्लोस अलकारेज का सामना करेंगे। सत्रह वर्षीय अलकारेज ने सोमवार को एड्रियन मन्नारिनो को 6-4, 6-0 से हराकर 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन से भिड़ने का हक पाया। अलकारेज बुधवार को अपने जन्मदिन पर मैजिक बॉक्स सेंटर कोर्ट पर अपने आदर्श खिलाड़ी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा, यहां राफा का सामना करना सपना सच होने जैसा है। पहले दौर के अन्य मैचों में डेनियल इवान्स ने जेरेमी चार्डी को 7-6 (6) 6-7 (7) 6-2 से और डेनिस शापोवालोव ने डुसान लाजोविच को 6-1, 6-3 से हराया। फैबियो फोगनिनी ने स्पेनिश क्वालीफायर कार्लोस टेबरनर को 7-6 (4), 2-6, 6-3 और जॉन इसनर ने मियोमिर कासेमानोविच को 6-4, 7-6 (6) से पराजित किया। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एश्ले बार्टी ने फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वीतेक को 7-5, 6-4 से जबकि स्पेन की पाउला बाडोसा ने एनस्तेसिया सेवास्तोवा को 6-7 (0) 7-6 (3) 6-0 से शिकस्त दी। पेत्रा क्वितोवा ने वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 6-3, 4-6, 6-4 से हराया जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच ने ओंस जाबेर के मैच से हट जाने के कारण अगले दौर में जगह बनाई।

भारतीय तीरंदाज तालुकदार कोविड से संक्रमित

गुवाहाटी। पूर्व ओलंपियन और विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता जयंत तालुकदार को कोविड19 से संक्रमित होने और आक्सीजन स्तर में कमी आने के बाद गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। उनके पिता रंजन तालुकदार ने यह जानकारी दी उन्होंने कहा, उसके ऑक्सीजन का स्तर 92 तक गिरना शुरू हो गया और इसलिए कल उसे आईसीयू में भेज दिया गया। ऑक्सीजन मिलने के बाद वह अच्छा महसूस कर रहा है लेकिन इसको हटाने के बाद ऑक्सीजन का स्तर फिर से गिर जाता है। तालुकदार के पिता ने बताया कि इस तीरंदाज को 27 अप्रैल को कालापहाड़ कोविड केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टाटा तीरंदाजी अकादमी से जुड़ा यह 35 वर्षीय खिलाड़ी ओलंपिक के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बनाने के कारण लगभग एक महीने पहले अपने गृहनगर चला गया था और माना जा रहा है कि वह अपनी चिकित्सक पत्नी के कारण संक्रमित हुए। उनके पिता ने कहा, उसकी पत्नी पहले संक्रमित हुई लेकिन अब वह बीमारी से उबर गई हैं। संभवत: उनसे ही जयंत तक संक्रमण पहुंचा।

स्टार इंडिया ने बीसीसीआई के फैसले का समर्थन किया

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार इंडिया ने जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 के मामले आने के बाद इस लुभावनी टी20 लीग को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का समर्थन किया है।सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। बीसीसीआई के फैसले के घंटों बाद स्टार इंडिया ने बयान में कहा, स्टार इंडिया आईपीएल 2021 को निलंबित करने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करता है। खिलाड़ियों, स्टाफ और आईपीएल से जुड़े सभी लोगों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। हम बीसीसीआई, आईपीएल संचालन परिषद, खिलाड़ी, फ्रेंचाइजी और समर्थकों का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज संदीप वारियर और वरूण चक्रवर्ती भी पॉजिटिव पाए गए थे। प्रसारणकर्ता ने इस चुनौतीपूर्ण समय में करोड़ों घरों में प्रसारण के लिए अपने कर्मचारियों का आभार जताया। इससे पहले आधिकारिक बयान में कहा गया था कि बीसीसीआई आईपीएल के आयोजन से जुड़े खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और अन्य प्रतिभागियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करना चाहता।

यूएई में आयोजित किया जा सकता है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली। इस साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप यूएई में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लगता है कि कोई भी टीम उस समय यहां आने में सहज महसूस नहीं करेगी। इस बारे में अंतिम फैसला एक महीने में कर दिया जाएगा लेकिन पता चला है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड-19 के कुछ मामले पाए जाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) स्थगित किए जाने के बाद बीसीसीआई भी अक्टूबर - नवंबर में होने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट को आयोजित करने से कतरा रहा है। पता चला है कि बीसीसीआई के अधिकारियों की हाल में केंद्र सरकार के कुछ शीर्ष अधिकारियों से चर्चा हुई तथा टूर्नामेंट को यूएई में आयोजित करने पर काफी हद तक सहमति बन गई है। यह टूर्नामेंट नौ स्थानों पर खेला जाना है जिनकी घोषणा अभी नहीं की गई है। बीसीसीआई के सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आईपीएल का चार सप्ताह के अंदर निलंबन इस बात का संकेत है कि जबकि देश पिछले 70 वर्षों में अपने सबसे बुरे स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है तब इस तरह की वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी करना वास्तव में सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने कहा, भारत में नवंबर में (कोविड-19 की) तीसरी लहर आने की संभावना है। इसलिए बीसीसीआई मेजबान रहेगा लेकिन टूर्नामेंट संभवत: यूएई में आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सितंबर में भारत में तीसरी लहर की चेतावनी दी है। भारत में अभी स्थिति विकट बनी हुई है तथा पिछले कुछ समय से हर दिन तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं जिससे अधिकतर क्रिकेट बोर्ड चिंतित हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को लेकर जोखिम नहीं उठाएगा। एक अन्य सूत्र ने कहा, आप यह तय मान लीजिए कि यदि स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तो अगले छह महीने तक कोई भी देश भारत का दौरा नहीं करना चाहेगा। यदि एक और लहर आती है तो खिलाड़ी और उनके परिजन बेहद सतर्क रहेंगे। इसलिए उम्मीद है कि बीसीसीआई टूर्नामेंट का आयोजन यूएई में करने पर सहमत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आईपीएल के निलंबन के बाद बीसीसीआई के अधिकारी किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। जून में आईसीसी की बैठक होनी है जिसमें अंतिम फैसला किया जाएगा।

दर्शकों की मौजूदगी के बीच सेल्बी बने विश्व स्नूकर चैंपियन

शेफील्ड। मार्क सेल्बी ने दर्शकों से खचाखच भरे क्रूसिबल थिएटर में शॉन मर्फी को फाइनल में 18-15 से हराकर विश्व स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता।

सेल्बी ने चौथी बार विश्व खिताब हासिल किया। केवल स्टीफन हेंड्री (सात), रोनी ओ सुलिवान, रे रीयर्डन और स्टीव डेविस (सभी छह) ने उनसे अधिक खिताब जीते हैं। सेल्बी इससे पहले 2014, 2016 और 2017 में विश्व चैंपियन बने थे। सेल्बी पिछले साल सेमीफाइनल में ओ सुलिवान से हार गए थे।

बीएआई के कार्यकारी निदेशक आरके सचेटी का कोविड से निधन

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड-19 से जूझने के बाद मंगलवार को निधन हो गया। वह 56 वर्ष के थे।

यह कुशल खेल प्रशासक पिछले कुछ समय से यहां एक अस्पताल में वेंटीलेटर पर थे। बीएफआई ने बयान में कहा, बेहद दुख के साथ हम आपको सूचित कर रहे हैं कि आर के सचेटी, कार्यकारी निदेशक (बीएफआई) मंगलवार सुबह हम सबको छोड़कर अनंत यात्रा पर चले गए जिससे खेल जगत में बड़ा शून्य पैदा हो गया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी सचेटी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

आईओए महासचिव राजीव मेहता ने बयान में कहा, आईओए के संयुक्त सचिव, बीएफआई के कार्यकारी निदेशक और प्रिय मित्र राजकुमार सचेटी के असामययिक निधन की खबर से बहुत दुखी हूं। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने भी इस खेल प्रशासक के निधन पर शोक जताया।

आईपीएल के विदेशी खिलाड़ियों को वापस भेजने का तरीका ढूंढ लेंगे: आईपीएल अध्यक्ष

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन बृजेश पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 संक्रमण के मामले सामने आने पर लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद विदेशी खिलाड़ियों की वापसी का तरीका ढूंढ लेगा।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली

कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। विदेशी खिलाड़ी कैसे वापस जाएंगे इस बारे में पूछे जाने पर बृजेश ने पीटीआई से कहा, हमें उन्हें स्वदेश भेजने की जरूरत है और हम ऐसा करने का तरीका ढूंढ लेंगे। इस लुभावनी लीग से जुड़े विदेशी खिलाड़ी अपने देशों में लौटने को लेकर चिंतित हैं क्योंकि भारत में घातक महामारी फैलने के कारण कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। बीसीसीआई इससे पहले भी विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी का आश्वासन दे चुका है। कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा था कि उनके देश के क्रिकेटरों को उसकी चार्टर्ड विमान में यात्रा करने में कोई परेशानी नहीं है जो भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल के बाद ब्रिटेन ले जाएगा।

ओलंपिक से पहले मौकों को गोल में बदलने पर काम करने की जरूरत : ललित

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फारवर्ड ललित उपाध्याय को लगता है कि खिलाड़ियों को 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो ओलंपिक खेलों से पहले मौकों को गोल में बदलने पर काम करने की जरूरत है।

अर्जेंटीना के हाल के दौरे में भारतीय टीम ने चार अभ्यास मैचों में 12 गोल तथा ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ ही दो एफआईएच प्रो लीग मैचों में पांच गोल किए थे लेकिन ललित ने कहा कि अब भी सुधार की जरूरत है क्योंकि नौ गोल पेनल्टी कार्नर पर किए गए। ललित ने कहा, अर्जेंटीना के खिलाफ मैच बड़े स्कोर वाले थे

और मजबूत रक्षापंक्ति वाली अर्जेंटीना जैसी टीम के खिलाफ मैदानी गोल करना आसान नहीं था।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में हमने वास्तव में मौकों को गोल में बदलने और पेनल्टी कार्नर हासिल करने पर काफी काम किया। हमने इस पर भी काम किया है कि हमें 25 मीटर के सर्किल में कैसे काम करना चाहिए। ललित ने कहा कि टीम को सर्किल के अंदर मौके भुनाने में अधिक तेजर्तार होना होगा। उन्होंने कहा, हम वर्तमान शिविर में इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ललित ने कहा कि कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद टीम तोक्यो ओलंपिक में पदक जीत सकती है। उन्होंने कहा, कोर ग्रुप के सभी खिलाड़ियों को लगता है कि यह पदक जीतने का हमारे पास सर्वश्रेष्ठ मौका है और हम तमाम चुनौतियों के बावजूद इस पर काम जारी रखे हुए हैं।

एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप पायलट टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कहा कि भारत की एक टीम इस साल के आखिर में होने वाले एएफसी महिला क्लब चैंपियनशिप 2021 में भाग लेगी। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के इस आठ टीमों के पायलट टूर्नामेंट में भारतीय महिला लीग की चैंपियन टीम खेलेगी। यह टूर्नामेंट इस साल 30 अक्टूबर से चार नवंबर के बीच खेला जाएगा। ग्रुप ए (पूर्वी) में चीनी ताइपै, म्यांमा, थाईलैंड और वियतनाम तथा ग्रुप बी (पश्चिम) में भारत, ईरान, जोर्डन और उज्बेकिस्तान की टीमें शामिल होंगी।

एंटोनियो के दो गोल से वेस्ट हैम की शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीद जगी

एजेंसी। लंदन

माइकल एंटोनियो के दो गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में बर्नली को 2-1 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जगा दी।

क्रिस वुड ने 19वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बर्नली को बढ़त दिलाई लेकिन एंटोनियो ने 21वें और 29वें मिनट में गोल दागकर वेस्ट हैम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस जीत से वेस्ट हैम के 34 मैचों में 58 अंक हो गए हैं और वह चौथे स्थान पर काबिज चेल्सी से केवल तीन अंक पीछे है। अभी चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। वेस्ट हैम को अभी एवर्टन के अलावा ब्राइटन, वेस्ट ब्रोम और साउथम्पटन जैसी निचले पायदान वाली टीमों से भिड़ना है जबकि चेल्सी को मैनचेस्टर सिटी, आर्सनल, लीस्टर और एस्टन विल्ला जैसी मजबूत टीमों का सामना करना है। वेस्ट ब्रोम और वॉल्व्स के बीच खेला गया एक अन्य मैच 1-1 से बराबर छूटा। फैबियो सिल्वा ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में गोल करके वॉल्व्स को बढ़त दिलाई।

आईपीएल में बने रहना चाहते हैं आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर : एसीए

एजेंसी। मेलबर्न

आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ (एसीए) के प्रमुख ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो खिलाड़ियों के कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी अपनी संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए इस टी20 टूर्नामेंट में बने रहना चाहते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर को इस खतरनाक वायरस के लिए पॉजिटिव पाया गया है। इससे उनका रॉयल चैलेंजर्स

बेंगलोर के खिलाफ सोमवार को होने वाला मैच स्थगित कर दिया गया। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के पॉजिटिव आने के बाद सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के बीच बुधवार को होने वाला मैच भी स्थगित कर दिया गया। लेकिन एसीए प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि उनके देश के क्रिकेटरों की अभी आईपीएल छोड़ने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने हालांकि कहा कि टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद उनकी स्वदेश वापसी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

देश के क्रिकेटरों की अभी आईपीएल छोड़ने की कोई योजना नहीं

ग्रीनबर्ग ने रेडियो 2जीबी से कहा, मुझे लगता है कि अधिकतर खिलाड़ी अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए तैयार है। वे परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के बाद वहां गए थे। उन्होंने कहा, वे टूर्नामेंट को समाप्त होते हुए देखना चाहते हैं, लेकिन वे इसके समाप्त होने के बाद स्वदेश लौटना चाहते हैं और यह चिंता का विषय है क्योंकि इसको लेकर कोई निश्चित योजना नहीं है कि तब यह कैसे होगा। ग्रीनबर्ग ने कहा कि केकेआर की टीम में शामिल आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिन्स और बेन कटिंग ठीक हैं और पृथकवास में अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। उन्होंने इसके साथ ही उम्मीद जताई कि आईपीएल में आगे कोविड-19 के पॉजिटिव मामले नहीं आएंगे।

आईपीएल बायो बबल छोड़कर मालदीव पहुंचे स्लैटर : रिपोर्ट

एजेंसी। मेलबर्न

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लैटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) को छोड़कर मालदीव चले गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड-19 के मामले बढ़ने के कारण वहां से उड़ानों को 15 मई तक निलंबित कर रखा है।

द आस्ट्रेलियन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार स्लैटर मालदीव चले

गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलियाई सरकार के स्पष्ट किया है कि आईपीएल में हिस्सा ले रहे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और अन्य को स्वदेश लौटने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। मालदीव पहुंचने से पहले स्लैटर ने ट्विटर पर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन को भारत से अपने देशवासियों को स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देने के लिए आड़े हाथों लेते हुए इसे अपमानजनक बताया था। स्लैटर ने ट्वीट किया था, यदि हमारी सरकार को आस्ट्रेलियाई नागरिकों की सुरक्षा की परवाह है तो वह हमें स्वदेश लौटने की अनुमति देगी। यह अपमानजनक है। किसी भी अनहोनी के लिए आप जिम्मेदार होंगे प्रधानमंत्री।

एक्सरसाइज के दौरान आपको एनर्जी ड्रिंक्स नहीं पीना चाहिए।

शरीर का तापमान बढ़ने से गर्मी में एक्सरसाइज करना मुश्किल हो जाता है।

एक्सरसाइज के बाद कम से कम एक घंटे तक नहाना नहीं चाहिए।

रोजाना एक्सरसाइज और जिम करने वाले गर्मी में ध्यान रखें ये 5 बातें

अगर आप रेग्युलर एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं, तो गर्मी के मौसम में आपको सावधान रहने की जरूरत है। एक्सरसाइज करने के दौरान शरीर का तापमान बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करना ज्यादा मुश्किल हो जाता है। अगर आप कुछ जरूरी सावधानियां नहीं बरतते हैं, तो इस मौसम में एक्सरसाइज आपको बीमार बना सकती है। तापमान ज्यादा होने के कारण कुछ लोग इस मौसम में एक्सरसाइज करना छोड़ देते हैं। मगर यदि आपको फिट रहना है, तो रेग्युलर एक्सरसाइज जरूरी है। आइए आपको बताते हैं कि गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करने के दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

सुबह जल्दी उठकर करें एक्सरसाइज

गर्मी के मौसम में बाहर का तापमान 8-9 बजे के बाद ही काफी गर्म हो जाता है। इसलिए इस मौसम में सुबह जल्दी उठकर एक्सरसाइज करना आपके लिए फायदेमंद होगा। अगर आप जल्दी उठकर एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आप दिन के जरूरी कामों को भी अच्छी तरह निपटा सकते हैं।

पानी ज्यादा पीएं

गर्मी में एक्सरसाइज के दौरान आपके शरीर से पसीना काफी मात्रा में निकलता है। इसलिए एक्सरसाइज के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। सुबह उठकर सबसे पहले 2 गिलास गुनगुना या सामान्य पानी पीएं। इसके बाद एक्सरसाइज करने के लिए तैयार हो जाएं। एक्सरसाइज के बीच में भी जब आपको प्यास लगे, आप पानी जरूर पीएं। शरीर में पानी की कमी होने पर आप डिहाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं।

एनर्जी ड्रिंक्स न पीएं

एक्सरसाइज के दौरान आपको एनर्जी ड्रिंक्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन एनर्जी ड्रिंक्स में काफी मात्रा में ग्लूकोज होता है, जो शरीर में जाकर तुरंत एनर्जी में बदल जाता है। ऐसे में अगर आप वजन घटाने या बॉडी को शेप में लाने के लिए एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो आपके शरीर में जमा फैट की जगह शरीर एनर्जी ड्रिंक्स से मिली ऊर्जा का इस्तेमाल करने लगता है और आपको एक्सरसाइज का पूरा फायदा नहीं मिलता है। एनर्जी ड्रिंक्स की जगह आप सादा पानी पीएं।

ढीले और हल्के कपड़े पहनें

आजकल लोग जिम में भी टाइट कपड़े पहनकर जाते हैं, ताकि उनके बॉडी कट्स दूर से नजर आएं। मगर गर्मी के मौसम में आपके ढीले कपड़े पहनने चाहिए। दरअसल कपड़े जितना ज्यादा शरीर से चिपके रहेंगे, आपका शरीर उतना गर्म रहेगा। इसलिए गर्मी के मौसम में एक्सरसाइज करते समय ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनने चाहिए। कोशिश करें कि कपड़े ऐसे हों, जिनमें पसीना आसानी से सूख जाए।

एक्सरसाइज के तुरंत बाद न नहाएं

गर्मी में कई लोग एक्सरसाइज करने के तुरंत बाद नहा लेते हैं। एक्सरसाइज के दौरान पसीना आना लाजमी है, मगर आपको ज्यादा मेहनत के बाद थोड़ी देर आराम करना चाहिए, ताकि शरीर का तापमान कम हो जाए। लगभग एक घंटे के बाद आप नहा सकते हैं।

रोजाना 30 मिनट बैडमिंटन खेलने से मिलते हैं ये 5 फायदे

बॉडी को फिट रखने और वजन घटाने के लिए अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है, तो कोई बात नहीं। घर या पार्क में थोड़ी देर बैडमिंटन खेलकर भी आप अपनी बॉडी को फिट रख सकते हैं। बैडमिंटन खेलने के दौरान आपके पूरे शरीर की कसरत आसानी से हो जाती है। इससे आपके शरीर को ढेर सारे स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। अगर आप रोजाना सिर्फ 30-45 मिनट भी बैडमिंटन खेलते हैं, तो आप शारीरिक रूप से हमेशा फिट रहेंगे। खास बात ये है कि इसे खेलने के लिए आपको सिर्फ एक और साथी चाहिए। आइए आपको बताते हैं कितना फायदेमंद है बैडमिंटन खेलना।

बैडमिंटन खेलकर आप अपनी बॉडी को फिट रख सकते हैं

बैडमिंटन खेलकर एक घंटे में 450-500 कैलोरी फैट बर्न कर सकते हैं

बैडमिंटन खेलने से हृदय लिवर, किडनी और हड्डियों को फायदा मिलता है

तेजी से घटेगी कैलोरी

अगर आप अपना मोटापा घटाना चाहते हैं या शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी घटाना चाहते हैं, तो बैडमिंटन खेलना आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। बैडमिंटन खेलते समय आपको दौड़ना, उछलना, डाइव मारना और हाथ-पैरों को तेजी से हिलाना होता है। इस प्रक्रिया में आपके पूरे शरीर की बेहतरीन एक्सरसाइज हो जाती है और शरीर में जमा चर्बी कम होने लगती है। एक घंटे बैडमिंटन खेलकर आप लगभग 450-500 कैलोरीज तक फैट बर्न कर सकते हैं।

मसल्स बनती हैं और बॉडी शेप में आता है

रोजाना 30-40 मिनट बैडमिंटन खेलने से आपकी मसल्स मजबूत होती हैं और आपका शरीर शेप में आता है। दरअसल लगातार दौड़ने, उछलने और हाथ-पैरों को चलाने के दौरान आपकी मसल्स टोन हो जाती हैं। इससे कंधे और बांहें मजबूत होते हैं।

हड्डियां मजबूत होती हैं

आजकल लोग, खासकर युवा धूप में रहना पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में उनके शरीर में विटामिन डी की कमी होने के कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। अगर आप बैडमिंटन खेलते हैं, तो आपकी हड्डियां भी मजबूत होती हैं। दरअसल शारीरिक गतिविधि से ऐसे सेल्स तेजी से विकसित होते हैं, जिनसे हड्डियों का निर्माण होता है। इससे शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने की क्षमता बढ़ती है और हड्डियां मजबूत होती हैं।

लिवर, किडनी और हृदय रहेंगे हमेशा स्वस्थ

आपके शरीर में मस्तिष्क के बाद 3 सबसे महत्वपूर्ण अंग लिवर, किडनी और हृदय हैं। बैडमिंटन खेलने के दौरान शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे इन अंगों तक ऑक्सीजनयुक्त खून पर्याप्त मात्रा में पहुंचता है। इससे ये अंग लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं और आपका साथ निभाते हैं। बैडमिंटन खेलने से आपको हृदय रोगों का भी खतरा कम हो जाता है, क्योंकि इससे धमनियों में जमा प्लाक धीरे-धीरे निकल जाता है।

मानसिक तनाव और चिंता से मुक्ति

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण ज्यादातर लोग तनावग्रस्त जीवन जी रहे हैं। बैडमिंटन खेलने के दौरान आप शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अपने साथी खिलाड़ी को डिफेंड करने और बेहतरीन शॉट लगाने के लिए आप दिमाग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा आप तेज गति से शारीरिक गतिविधि भी करते हैं, जिससे आपके मस्तिष्क में ऑक्सीजनयुक्त खून का प्रवाह तेज हो जाता है। इससे दिमाग की मांसपेशियां रिलेक्स होती हैं और आपका मानसिक तनाव कम हो जाता है।

सामान्य लगने वाली ये 5 समस्याएं हो सकती हैं गंभीर, न करें नजरअंदाज

पुरुषों की तुलना महिलाओं में ज्यादा स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिलती हैं, जिसकी वजह उनका अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरतना है। महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं, जिसके कारण कई बार स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना मुश्किल होता है। ज्यादातर महिलाएं बीमारी के गंभीर लक्षण महसूस होने पर ही चिकित्सक के पास जाती हैं। लेकिन यह यही आदत नहीं है, यदि आप अपने शरीर में कोई भी बदलाव महसूस करती हैं या कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या होती है, तो तुरन्त सचेत हो जाएं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि महिलाओं में ऐसे कौन से संकेत हैं, जिनके महसूस होते ही उन्हें चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

पेट का फूलना

कई महिलाओं में पीरियड्स के दौरान पेट का फूलना आम समस्या है। लेकिन यदि यह समस्या हफ्ते दो हफ्ते से या उससे अधिक समय तक रहती है, तो यह खतरे का संकेत हो सकता है। इसका मतलब आपका शरीर संतुलन से बाहर है। यह एंडोमेट्रियोसिस भी हो सकता है, इसमें पेट फुला हुआ होता है और एंडोमेट्रियोसिस ऊतक टूट जाते हैं। इसका असर प्रजनन क्षमता पर भी पड़ सकता है और गर्भधारण में भी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा, लगातार सूजन पेट का ट्यूमर, हार्निया, लिवर इंफेक्शन, ओवरियन कैंसर या युट्रस कैंसर का संकेत हो सकता है।

पीठ के निचले हिस्से व पैरों में दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दौरान पीठ के निचले हिस्से व पैरों में दर्द होना बहुत आम है, इसलिए इसे सामान्य माना जाता है। लेकिन यदि आपको पीरियड्स से पहले व पीरियड्स के बाद तक पीठ के निचले हिस्से में दर्द व थकान व दोनों पैरों में दर्द महसूस कर रहे हैं, तो यह आम नहीं है। यह एंडोमेट्रियोसिस का खतरा हो सकता है। इसमें पीरियड्स से पहले मांसपेशियों में खिचाव और दर्द शुरू हो सकता है, जो पीरियड्स के बाद भी बना रहता है और शरीर के निचले हिस्से को पूरी तरह जकड़ लेता है। इस स्थिति में मल-मूत्र त्यागने में भी समस्या आती है।

पीरियड्स में गहरे लाल या भूरे खून के थक्के

पीरियड्स के दौरान किसी को हल्के लाल रंग तो किसी को थोड़ा गहरे रंग में रक्त स्त्राव होता है और यह बिलकुल ठीक है, लेकिन अगर आपको पीरियड्स के दौरान खून के थक्के देखने को मिलते हैं तो इसे नजरअंदाज न करें। कई महिलाओं को पीरियड्स के दौरान गहले लाल व भूरे रंग में खून के थक्के आते हैं। जिनका आकार पहली बार आए खून के थक्के से बड़ा हो सकता है और यह नियमित रूप से पीरियड्स में देखने को मिलते हैं। यह एक संकेत हो सकता है कि आपके गर्भाशय में फाइब्रॉएड यानि रसौली है। यह आपके गर्भाशय में पनपने वाला एक प्रकार का ट्यूमर है, जिसका आकार धीरे-धीरे बढ़ता है। इससे अनियमित पीरियड्स व रक्त स्त्राव के अलावा बांझपन भी हो सकता है।

बालों का झड़ना

बालों का झड़ना टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के लक्षणों में से एक है। यह एक हार्मोन जो स्वस्थ बालों के उत्पादन और इसके रखरखाव का मदद करता है। इसके असंतुलन का एक संकेत है आपके पतले बाल व बालों का झाड़ना हो सकता है। टेस्टोस्टेरोन पुरुषों व महिलाओं दोनों में पाया जाता है। टेस्टोस्टेरॉन महिलाओं के ओवरी में बहुत थोड़ी मात्रा में होता है। महिलाओं के बाल पतले हो कर झड़ना शुरू हो जाएं तो यह शरीर में हाई टेस्टोस्टेरोन का संकेत हो सकता है। इसके अलावा इससे वजन बढ़ना, चेहरे व अन्य अंगों पर बालों का आना और आपके किलोट्रिस का साइज बढ़ सकता है।

आपको गर्मी या सर्दी ज्यादा लगती हो

यदि आप आप कमरे के तापमान में कभी भी सहज महसूस नहीं करते हैं, तो इसका मतलब आपके हार्मोन असंतुलन हैं। इस असंतुलन का एक मुख्य कारण एस्ट्रोजन का स्तर हो सकता है। एस्ट्रोजन हार्मोन महिलाओं और पुरुषों दोनों में पाया जाता है, लेकिन एस्ट्रोजन हर्मोन की भूमिका महिलाओं में अधिक होती है। एस्ट्रोजन महिलाओं में प्रजनन और यौन विकास के लिए महत्वपूर्ण है इसलिए इसे फीमेल सेक्स हार्मोन भी कहते हैं। यह महिलाओं में शरीरिक बदलाव की मुख्य भूमिका निभाता है, यही कारण है कि इसे फीमेल डेवलपमेंट हार्मोन भी कहा जाता है। एस्ट्रोजन हार्मोन आपके शरीर के तापमान को प्रभावित करता है। एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी और स्तर में बदलाव के कारण आप हर समय अपने हाथों और पैरों में ठंड महसूस करते हैं।

बच्चे को जल्द बात करने में मदद करेंगी ये पांच पेरेंटिंग टिप्स

“यदि आप भी अपने जिगर के टुकड़े यानि अपने नवजात बच्चे को सुनने के लिए उत्सुक हैं, तो यहां कुछ पेरेंटिंग टिप्स दिए गए हैं, जो आपकी मदद कर सकते हैं।”

बच्चे के जन्म के बाद, आप उसकी ममतामयी आवाज में 'मम्मा' और 'पापा' शब्द सुनने का इंतजार नहीं कर सकते। केवल माता-पिता ही क्यों, दादा-दादी, भाई-बहन, हर कोई चाहता है कि बच्चा जल्दी से बात करना शुरू कर दे। लोग बच्चे से बात करने की कोशिश भी करते हैं। कुछ बच्चे 6 महीने की उम्र से ही बात करना शुरू कर देते हैं, यानि कुछ शब्द बोलना शुरू कर देते हैं, जबकि कुछ में 2-3 साल तक का समय लग सकता है। जब इंतजार लंबा हो जाता है, तो यह चिंता बढ़ जाती है क्योंकि इसे सामान्य नहीं माना जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ज्यादातर बच्चे 11 से 14 महीने की उम्र में बड़बड़ाना या बुदबुदाना शुरू कर देते हैं। दूसरी ओर, बच्चे 16 महीने तक तोतला या फिर साफ शब्द बोलने लगते हैं। उनके द्वारा दैनिक आधार पर लगभग 40 शब्द बोले जाते हैं। बच्चे जरिए बोले गए पहले शब्द या तो वे हो सकते हैं, जिन्हें वे कहने के लिए प्रोत्साहित करते हैं या वे सबसे ज्यादा सुनते हैं।

बच्चे बेहद स्मार्ट होते हैं और वह आपके द्वारा कहे गए हर शब्द को बोलने की कोशिश करते हैं, जो न केवल उन्हें बोलने के लिए उकसाता है बल्कि उनकी शब्दावली भी बढ़ाता है। केवल माता-पिता ही बच्चे की बात करने में मदद कर सकते हैं। यहां आपके बच्चे को जल्दी बात करने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं।

स्पीकिंग और बेबीज ब्रेन

बोलने से दिमाग नियंत्रित होता है। बोलने को ट्रिगर करने के लिए, शिशु के मस्तिष्क को उनके नाम के साथ वस्तुओं या व्यक्तियों की पहचान करने की आवश्यकता होती है। यह आवाल और बोलने के लिए उनके होंठ और जीभ को ट्रेन करता है। बच्चा कितनी जल्दी बोलना शुरू करता है, यह मस्तिष्क के विकास और कौशल पर निर्भर करता है। औसतन, 18 महीने का बच्चा अपने छोटे रूपों में शब्दों को गुनगुनाना शुरू कर देता है। इसके बाद, आवाज की स्पष्टता विकसित की जाती है, जो बच्चे को स्पष्ट शब्द बोलने में मदद करती है। माता-पिता बच्चे को बोलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जो उसे शब्दों को चुनने में मदद करता है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं।

बच्चे से चिट-चैट करें

अपने दिमाग को प्रशिक्षित करने में मदद करने के लिए बच्चे के साथ बातें करना सबसे आसान काम है। आप जितने अधिक शब्द बच्चे को सुनाते हैं, उतने अधिक बच्चे का मस्तिष्क उन्हें पकड़ने और शब्दों को समझने की प्रक्रिया करेगा। जितना उनका दिमाग लगा रहता है, उतना ही यह बच्चे को बोलने देगा। आप बच्चे से वैसे ही बात करते हैं जैसे आप किसी और से बात करते हैं, बस थोड़ा प्यार और चेहरे पर भाव के साथ। इससे बच्चा प्यार और जुड़ाव महसूस करेगा। यह बच्चे को आपसे बात करने और आपकी बातों का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

लोरी या गाना गाएं

म्युजिक नवजात शिशु के दिमाग तक पहुंचता है और विकास को प्रोत्साहित करता है। जैसा कि आप गाते हैं, बच्चा संगीत को पकड़ने और साथ गाना शुरू करने की कोशिश करेगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितना अच्छा गाते हैं या कितना बुरा। क्योंकि यह कोई गायन प्रतियोगिता नहीं है, यह केवल बच्चे को बात करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली एक प्रक्रिया है। आप बच्चों के साथ गाने में मदद करने के लिए तुकबंदी, लोरी और कुछ हल्के गाने या कविताएं गाएं।

वाक्य को पूरा करें

जब आपका बच्चा कुछ बोलने की कोशिश करता है या कुछ कहता है और वाक्य अधूरा छोड़ देता है, तो आप उसके वाक्य को पूरा करें। यह उन बच्चों के लिए सबसे अच्छा है, जो अस्पष्ट शब्द बोलते हैं। यह अभ्यास उन्हें अपनी आवाज में स्पष्टता लाने और अधिक शब्द सीखने के लिए प्रेरित करेगा।

बच्चे की बातों या आवाज को दोहराएं

जब बच्चा कुछ कह रहा हो या आवाज कर रहा हो, तो उसके बाद दोहराएं। वह आपके शब्दों को देखकर प्यार और प्रोत्साहित महसूस करेगा। इस तरह, आप उसे और नए शब्द सिखा सकते हैं और वह जल्द ही बात करना शुरू कर देगा।